राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHI/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 321 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शनिवार ,29 मई 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

एएमयू ने छात्रों से हॉस्टल खाली करने का दिया निर्देश

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) ने महामारी के दौरान अपने छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अपने छात्रों को छात्रावास खाली करने और अपने घरों को लौटने के लिए कहा है। कुलपति तारिक मंसूर की अध्यक्षता में प्रोवोस्ट ऑफ हॉल ऑफ रेजिडेंस और विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारियों की एक ऑनलाइन बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया।

वैक्सीन पर हाईकोर्ट ने केंद्र व दिल्ली से मांगा जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने शहर में 12 से 17 वर्ष की आयु के बच्चों के तत्काल टीकाकरण की मांग करने वाली एक 12 वर्षीय एक बच्ची की याचिका पर शुक्रवार को केंद्र और दिल्ली सरकार से जवाब मांगा। अधिवक्ता बिहू शर्मा के माध्यम से टिया गुप्ता द्वारा दायर याचिका में यह भी मांग की गई है कि 17 वर्ष तक के बच्चों के माता-पिता के लिए भी टीकाकरण को प्राथमिकता दी जाए।

भरतपुर जिले में सांसद रंजीता कोली पर हमला

जयपुर। राजस्थान के भरतपुर जिले में गुरुवार देर रात सांसद रंजीता कोली के काफिले पर कुछ बदमाशों ने हमला कर दिया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद श्रीमती कोली इस हमले में बेहोश हो गईं। उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया, बाद में उनकी हालत ठीक होने पर वह सर्किट हाउस आ गईं। पुलिस से संपर्क किया गया परंतु पुलिस को घटनास्थल तक पहुंचने में 45 मिनट लग गए।

सिखों की सुरक्षा सुनिश्चित करे पाकिस्तान सरकार : बीबी जागीर कौर

अमृतसर। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की अध्यक्ष बीबी जागीर कौर ने पाकिस्तान में सिखों को खतरे की खबरों पर चिंता व्यक्त की और कहा कि पाकिस्तान सरकार को देश में अल्पसंख्यक सिखों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। एसजीपीसी कार्यालय से शुक्रवार को जारी एक बयान में बीबी जागीर कौर ने कहा कि गुरुवार से खबर आ रही है कि पाकिस्तान में सिखों को तालिबान से धमकियां मिल रही हैं।

लॉकडाउन में ढील दी जाएगी : उद्धव

औरंगाबाद। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने एक जून के बाद कुछ जिलों में लॉकडाउन प्रतिबंधों में धीरे-धीरे छूट दिये जाने के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से गुरुवार की देर रात किये गये ट्वीट में कहा गया है कि कोरोना महामारी की दर में धीरे-धीरे कमी आ रही है लेकिन 10 से 15 जिलों में मरीजों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है। इसके कारण म्यूक्रोमाइकोसिस (ब्लैक फंगस) का खतरा और बढ़ गया है।

यास की समीक्षा बैठक में शुभेंदु को बुलाने पर भड़की ममता

केंद्र-बंगाल में नया टकराव शुरू

- प्रधानमंत्री को नुकसान की जानकारी देकर ममता ने छोड़ी बैठक
- प्रधानमंत्री ने किया तूफान प्रभावित ओडिशा-पश्चिम बंगाल का दौरा
- पटनायक ने मोदी से कहा तूफान से निपटने का हो स्थाई समाधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। यास तूफान से प्रभावित क्षेत्र का आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हवाई सर्वेक्षण किया। प्रधानमंत्री ने ओडिशा और पश्चिम बंगाल में सीमक्षा बैठक भी की। लेकिन पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली बैठक राजनीति की भेंट चढ गई। बैठक में विपक्ष के नेता और भाजपा विधायक शुभेंदु अधिकारी को बुलाने से भड़की ममता बनर्जी ने पहले समीक्षा बैठक में न आने का संकेत दिया। लेकिन बाद में वो बैठक में तीस मिनिट देरी से पहुंची और प्रधानमंत्री को तूफान से हुए नुकसान के बारे में कागज देकर चली गई। ममता बनर्जी ने बाद में बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री को बताया है कि राज्य को करीब 20 हजार करोड की राहत की जरूरत है। प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल और ओडिशा को तात्कालीक राहत के लिए 500-500 करोड़ रुपए की सहायता देने की घोषणा की। टीएमसी की ओर से दावा किया गया है कि ममता तूफान प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करने के साथ लगातार बैठकें कर रही हैं। दूसरी ओर भाजपा ने ममता बनर्जी पर संवैधानिक परम्पराओं का पालन न करने का आरोप लगाया है।

तूफान का हो दीर्घकालीन समाधान : पटनायक

ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से चक्रवात से निपटने के लिए राज्य के तटीय क्षेत्रों में एक स्थायी बुनियादी ढांचा शमन, तटीय तूफान संरक्षण योजना और एक आपदा प्रतिरोध शक्ति प्रणाली के लिए सहायता प्रदान करने की मांग की। श्री पटनायक ने कहा कि यहां हर साल नियमित अंतराल पर बार-बार चक्रवात तूफान का सामना करना पड़ता है। इसलिए तूफान से निपटने के लिए दीर्घकालीन समाधान की जरूरत है।

बैठक की जानकारी नहीं थी : ममता

ममता बनर्जी ने कहा कि मैं नहीं जानती थी कि पीएम मोदी ने बैठक बुलाई है। मैंने उनसे कहा कि राज्य के अधिकारी मुझसे मिलना चाहते हैं। इसके बाद मैंने उनसे मंजूरी ली और निकल गई। मेरी दीघा में एक और बैठक थी। मैं कलाईकुंडा गई थी और पीएम नरेंद्र मोदी को रिपोर्ट सौंपकर 20,000 करोड़ रुपये की मदद की मांग की है। 10,000 करोड़ की मांग दीघा और 10,000 करोड़ सुंदरबन के विकास के लिए मांगे हैं।

राज्यों की करेंगे पूरी मदद

प्रधानमंत्री ने ओडिशा, पश्चिम बंगाल और झारखंड के लोगों को आश्वासन दिया कि केंद्र इस कठिन समय में राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम करेगा और प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे की बहाली और पुनर्निर्माण के लिए हर संभव सहायता प्रदान करेगा।

अनाथ बच्चों पर सुप्रीम का निर्देश

बच्चों तक तुरंत राहत पहुंचाएं राज्य

- कोरोना के चलते अनाथ हुए बच्चों के मामले को स्वतः संज्ञान लिया
- कोरोना के कारण देश में पैदा हुई अभूतपूर्व स्थिति

(एजेंसी)

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कोरोना महामारी के चलते अनाथ हुए बच्चों के मामले में शुक्रवार को सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों को उन बच्चों को तत्काल राहत प्रदान करने का निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान कहा कि कोरोना महामारी ने एक अभूतपूर्व स्थिति पैदा कर दी है। कई बच्चों के माता-पिता कोरोना संक्रमण के चलते मारे गए हैं। ऐसे में इन बच्चों के लिए गंभीर चुनौती पैदा हो गई है। न्यायमूर्ति एलएन राव और न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस की अवकाशकालीन पीठ ने कहा हमारी जानकारी में ये बात लाई गई है कि बड़ी संख्या में बच्चे कोविड के समय अनाथ हो गए हैं। कई के दोनों पैरेंट्स चले गए तो कइयों के कमाऊ पैरेंट्स नहीं रहे। कोर्ट सलाहाकर ने ऐसे बच्चों के बारे में चिंता जाहिर की है। इन बच्चों को तुरंत सहायता देने की जरूरत है। कोर्ट ने सभी जिलाधिकारियों को शनिवार शाम तक उन बच्चों की पहचान करने को कहा जो मार्च 2020 के बाद से अनाथ हुए हैं।

राज्य तत्काल सहायता दें

शीर्ष अदालत ने उन बच्चों की जानकारियां एनसीपीसीआर की वेबसाइट पर डालने के निर्देश दिए। सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश न्यायमित्र गौरव अग्रवाल की याचिका पर आया है। याचिका में राज्य सरकारों द्वारा अनाथ बच्चों की पहचान करने और उन्हें तत्काल राहत मुहैया कराने का अनुरोध किया गया है।

ब्लैक फंगस की दवा आयात शुल्क से मुक्त

- जीएसटी काउंसिल की बैठक के बाद वित्त मंत्री ने किया ऐलान
- सात महीने बाद बुलाई गई जीएसटी काउंसिल की बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना की दूसरी लहर के बीच जीएसटी काउंसिल की आज सात महीने बाद बैठक हुई। काउंसिल की ये 43वीं बैठक थी। बैठक के बाद वित्तमंत्री निर्माला सीतामरण ने बताया कि कोविड राहत सामान के आयात पर छूट देने का फैसला लिया गया है। इस छूट को 31 अगस्त 2021 तक बढ़ाए जाने का फैसला भी लिया जा रहा है। इसके अलावा ब्लैक फंगस की दवा एंफोटोरेशिन बी के आयात पर छूट भी 31 अक्टूबर तक बढ़ा दी गई है।

वित्त मंत्री ने बताया कि कोविड से संबंधित उपकरणों पर भी चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि कोविड से जुड़ी राहत सामान पर गई टैक्स रियायतों और इनके आयात पर आईजीएसटी छूट को 31 अगस्त 2021 तक बढ़ा दिया गया है।

इस कर छूट का लाभ मेडिकल ऑक्सीजन, ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर्स, अन्य ऑक्सीजन स्टोरेज या ट्रांसपोर्टेशन उपकरण, विशेष तरह की दवाइयों, टेस्ट किट और कोविड वैक्सीन के आयात पर मिलेगा।

छोटे करदाताओं को राहत

छोटे करदाताओं जिनका टर्नओवर 2 करोड़ रुपए से कम है, उनके लिए वित्त वर्ष 2020-21 की वार्षिक रिटर्न फाइलिंग वैकल्पिक बनी रहेगी। जबकि जिन कारोबारियों का टर्नओवर 5 करोड़ या इससे ज्यादा है, उन्हें इसे जमा कराना जरूरी होगा।

सात महीने बाद हुई बैठक पर दी सफाई

वित्त मंत्री ने कहा कि जीएसटी काउंसिल की आखिरी बैठक अक्टूबर में हुई थी। उसके बाद इसे नियमित तौर पर फरवरी में होना था लेकिन उस समय बजट सत्र था। तभी देश के कुछ राज्यों में चुनाव की वजह से आचार संहिता भी लागू हो गई थी। इसलिए फरवरी में काउंसिल की नियमित बैठक नहीं हो सकी।

कोरोना की दूसरी लहर के लिए मोदी जिम्मेदार : राहुल

(एजेंसी)

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कोरोना की दूसरी लहर की कहर के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा है कि महामारी को समझे बिना ही उन्होंने इस पर जीत की घोषणा कर दी थी जिसके कारण देश के लाखों लोगों को जान गवानी पड़ी। श्री गांधी ने शुक्रवार को कहा कि श्री मोदी को कोरोना का नेचर ही समझ नहीं आया और इस वजह से वह इसे रोकने के लिए ठोस रणनीति तैयार नहीं कर सके। विपक्ष लगातार सरकार को इस संबंध में आगाह करता रहा लेकिन श्री मोदी ने इस मामले में विपक्ष की सलाह पर ध्यान ही नही दिया।

प्रधानमंत्री की भूमिका गैर जिम्मेदाराना

राहुल गांधी ने कहा कि कोरोना से निपटने में प्रधानमंत्री ने गैर जिम्मेदाराना भूमिका निभाई है और वह कोरोना की पहली लहर से ही इसको लेकर कभी गंभीर ही नही हो पाए। उनका कहना था कि यह बात समझ में आती है कि पहली लहर को श्री मोदी समझ नहीं पाए होंगे लेकिन दूसरी लहर की स्थिति को समझे बिना ही उन्होंने महामारी को लेकर नरम रुख अपनाया और उनके काम करने के तरीके से लाखों लोगों को इस महामारी ने अपनी चपेट में ले लिया।

> कांग्रेस सरकार की दुश्मन नहीं है, वह सरकार को महामारी से निपटने में सहयोग देना चाहती है लेकिन सरकार को पारदर्शिता से कोरोना की लड़ाई लड़नी चाहिए और कोई भी झूठे आंकड़े जारी नहीं करनी चाहिए : **राहुल गांधी**

राहुल गांधी ने देश और जनता का अपमान किया : भाजपा

केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी देश की जनता के साथ मिलकर कोविड का सामना कर रहे हैं, तब श्री गांधी ऐसे प्रयासों के लिए 'नौटंकी' शब्द का उपयोग करते हैं। यह देश और जनता का अपमान है। हम 'नौटंकी' जैसे शब्द का इस्तेमाल नहीं करेंगे क्योंकि उनकी नौटंकी जनता ने कब की बंद कर दी है। उन्होंने कहा, पहले तो कांग्रेस को वैक्सीन पर भरोसा नहीं था, कांग्रेस ने टीके को लेकर आशंकाएं व्यक्त की।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने दी तृकां नेताओं को जमानत

कोलकाता, (एजेंसी)। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पिछले एक सप्ताह से घर में नजरबंद तृणमूल कांग्रेस के तीन नेताओं और शहर के पूर्व महापौर को शुक्रवार को जमानत दे दी। यह फैसला पांच न्यायाधीशों की पीठ ने सुनाया है। उच्च न्यायालय ने पिछले शुक्रवार को इन चारों नेताओं को घर में नजरबंद का आदेश दिया था और इनमें फिरहाद हाकिम, सुब्रत मुखर्जी, मदन मित्रा तथा सौवन चटर्जी शामिल हैं। इससे पहले एक निचली अदालत ने चारों नेताओं को जमानत दे दी थी लेकिन बाद में उच्च न्यायालय की दो सदस्यीय पीठ ने इस पर रोक लगा दी थी।

सोमवार से दिल्ली होगी अनलॉक

(एजेंसी)

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना वायरस के घटते मामलों को देखते हुए अनलॉक की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि 31 मई यानी सोमवार से धीरे-धीरे लॉकडाउन हटाया जाएग। सोमवार सुबह 5 बजे के बाद से कंस्ट्रक्शन का काम शुरू किया जा सकता है। फैक्ट्रियां भी खोली जाएंगी। केजरीवाल ने कहा कि लॉकडाउन की शुरूआत में बाजार और मॉल खोलने पर विचार नहीं किया जा रहा है। जनता की इस पर राय ली जाएगी। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में कोरोना की लहर पर नियंत्रण पा लिया है। अब रोज 1100 के करीब केस आ रहे हैं। दिल्ली में संक्रमण दर भी 1.5 प्रतिशत के करीब है। अब ये समय अनलॉक का है।

- सोमवार सुबह 5 बजे से शुरू होगा कंस्ट्रेक्शन
- दिल्ली ने कोरोना की दूसरी लहर पर पाया काबू
- अब रोज 1100 के करीब मिल रहे हैं नए संक्रमित मरीज

केजरीवाल ने कहा कि धीरे-धीरे आर्थिक गतिविधियों को शुरू किया जायेगा. लॉकडाउन खोलने में सबसे ज्यादा उन वर्ग का ख्याल रखना है, जो दिहाड़ी मजदूर हैं, प्रवासी मजदूर हैं. जो निर्माण और उद्योग से जुड़े हुए हैं। आगे हम विशेषज्ञों की राय लगातार ले रहे हैं और उनकी राय पर ही आगे फैसला लिया जाएगा। केजरीवाल ने कहा कि हम चाहते हैं कि लोगों को परेशानी न हो और न ही कोरोना के मामले बढ़ पाएं। (विस्तृत पृष्ठ तीन पर)

12वीं बोर्ड परीक्षा को लेकर सोमवार को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

(एजेंसी)

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सीबीएसई और आईसीएसई की 12वीं की परीक्षा रद्द करने संबंधी याचिका की सुनवाई सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी है। न्यायमूर्ति ए एम खानविलकर और न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी की अवकाशकालीन खंडपीठ ने अधिवक्ता ममता शर्मा की याचिका की सुनवाई 31 मई तक के लिए स्थगित कर दी। न्यायालय को अवगत कराया गया था कि याचिकाकर्ता ने संबंधित पक्षों को याचिका की कॉपी उपलब्ध नहीं करायी है। खंडपीठ ने याचिकाकर्ता को याचिका की प्रति संबंधित पक्षों को उपलब्ध कराने का निर्देश देते हुए मामले की सुनवाई टाल दी। अब मामले की सुनवाई 31 मई को 11 बजे होगी। याचिकाकर्ता ने सीबीएसई और आईसीएसई की 12वीं बोर्ड परीक्षाएं रद्द करने तथा निर्धारित समय सीमा के भीतर परिणा घोषित करने के लिए वस्तुनिष्ठ तरीका अपनाने के निर्देश देने की मांग की है।

राजनीति | *पुडुचेरी में सरकार बनते ही भाजपा-एनआर कांग्रेस में खटपट शुरू*

बिना मंत्रियों के चल रही है पुडुचेरी की सरकार

पुडुचेरी, 28 मई (एजेंसियां) पुडुचेरी में सत्तारूढ़ गठबंधन सहयोगी एन आर कांग्रेस (एनआरसी) और भारतीय जनता पार्टी के बीच उप मुख्यमंत्री और मंत्रियों के पदों को लेकर जारी गतिरोध के कारण एनआरसी नेता एन रंगास्वामी के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के 21 दिनों बाद भी राज्य मंत्रिमंडल का विस्तार नहीं हो सका है।

गौरतलब है कि एनआरसी और भाजपा ने गठबंधन के तहत मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ा था। चुनाव में एनआरसी ने 10 तथा भाजपा ने छह सीटों पर जीत हासिल की थी। चुनाव परिणाम सामने आने के बाद भाजपा ने एनआरसी को समर्थन का पत्र सौंपा। इसी के बाद श्री रंगास्वामी ने सात मई को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इसके बाद वो कोरोना संक्रमित हो गए। 16 मई को वो संक्रमण से मुक्त भी हो गए।

- 21 दिन बाद भी नहीं हो पाया मंत्रिमंडल विस्तार
- उप मुख्यमंत्री पद पर भाजपा का दावा

मंत्रिमंडल विस्तार पर सहमति नहीं

भाजपा मंत्रिमंडल में तीन मंत्री पद के साथ मुख्यमंत्री पद पर भी दावा कर रही है। श्री रंगास्वामी अब तक छह मंत्रियों और उप मुख्यमंत्री पदों की मंजूरी नहीं ले सके हैं। इससे नाराज भाजपा ने आरोप लगाया कि श्री रंगास्वामी अकेले ही पूरी प्रक्रिया में देरी कर रहे हैं। भाजपा के मुताबिक समर्थन पत्र देते समय श्री रंगास्वामी ने उप मुख्यमंत्री समेत मंत्रियों के तीन पद देने पर सहमति व्यक्त की थी। लेकिन अब वो इस मामले को टाल रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री पर खींचतान

भाजपा उप मुख्यमंत्री पद को लेकर रंगासामी पर लगातार दबाव बनाए हैं। सूत्रों के अनुसार भाजपा के केंद्रीय नेता लगातार इसे लेकर रंगासामी पर दबाव बना रहे हैं। रंगास्वामी कथित तौर पर भाजपा से जुड़े केंद्रीय मंत्रियों के फोन कॉल से भी बच रहे हैं।

शपथ ग्रहण से पहले मनोनीत किए तीन विधायक

इस बीच, रंगास्वामी पर शर्तें थोपने के लिए, केंद्र सरकार ने निर्वाचित सदस्यों के शपथ लेने से पहले ही तीन भाजपा कार्यकर्ताओं को प्रादेशिक विधानसभा के लिए मनोनीत करवा दिया जिससे भाजपा सदस्यों की संख्या नौ हो गई। भाजपा को विधानसभा में निर्वाचित छह निर्दलीय विधायकों में से तीन का समर्थन हासिल है और इस प्रकार पार्टी के पास अब कुल 12 विधायकों का समर्थन है। अब सभी लोगों का ध्यान श्री रंगास्वामी के अगले कदम पर टिका हुआ है।

दुनिया के 53 देशों में अब तक मिल चुका है कोरोना का बी.1.617 वैरिएंट

संयुक्त राष्ट्र । विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि भारत में पहली बार मिला कोरोना का बी.1.617 वैरिएंट अब तक दुनिया के 53 देशों में मिल चुका है। गौरतलब है कि पहली बार इस वैरिएंट का पता भारत में ही चला था। आपको बता दें कि भारत में बीते एक सप्ताह के दौरान कोरोना के नए मामलों में करीब 23 फीसद तक की कमी आई है लेकिन अब भी जितनी संख्या में इसके रोजाना नए मामले सामने आ रहे हैं वो विश्व में सबसे अधिक हैं। डब्ल्यूएचओ ने कोरोना महामारी पर दिए अपने साप्ताहिक अपडेट में कहा है कि पूरी दुनिया में पिछले एक सप्ताह के दौरान कोरोना से होने वाली मौतों की संख्या में कमी आई है। इस दौरान जहां विश्व में कोरोना के 41 लाख नए मामले सामने आए वहीं 84 हजार मौत भी रिकॉर्ड की गईं। हालांकि पहले की तुलना में ये कम थी। संगठन के मुताबिक सामने आए मामलों में जहां 14 फीसद की कमी दर्ज की गई है वहीं मौतों में ये करीब 2 फीसद है।

बता दें कि कोरोना के बी1.617 वैरिएंट की तीन अलग अलग प्रकारों की भी पहचान हो चुकी है। वैज्ञानिकों ने इन्हें बी.1.617.1, बी.1.617.2 और बी.1.617.3 का नाम दिया है। इनकी जांच के दौरान पता चला है कि इनकी अनुवांशिक संरचना में कुछ न कुछ बदलाव हुए हैं। इसकी वजह से इनका प्रभाव भी अधिक है। विश्व में कोरोना संक्रमण के नए मामलों के पीछे इनका भी हाथ रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक कोरोना का बी.1.617.1 प्रकार दुनिया के करीब 41 देशों में बी.1.617.2 प्रकार 54 देशों में जबकि बी.1.617.3 प्रकार छह देशों में अब तक मिल चुका है।

फेसबुक ने पलटी अपनी नीति, अब नहीं हटाएगा 'लैब में बना कोरोना' दावा करने वाले पोस्ट

वाशिंगटन। सोशल मीडिया की दिग्गज कंपनी फेसबुक ने कोविड-19 की उत्पत्ति और इसके संभावित लैब मे बने होने के बारे में दावा करने वाली सामग्री पर लगे अपने प्रतिबंध को हटा लिया है। द हिल ने फेसबुक के एक प्रवक्ता के हवाले से कहा, कोविड-19 की उत्पत्ति की चल रही जांच और सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों के परामर्श के बाद हमने इस दावे को अब अपने प्लेटफॉर्म से नहीं हटाने का निर्णय लिया है की कोरोना वायरस मानव निर्मित है।

फेसबुक के प्रतिनिधियों ने यह भी कहा, हम महामारी की विकसित प्रकृति के साथ तालमेल रखने के लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञों के साथ लगातार काम करना जारी रख रहे हैं और नए तथ्य सामने आते ही नियमित रूप से अपनी नीतियों को अपडेट कर रहे हैं। बता दें कि फेसबुक की नीति में यह बदलाव कई महीनों तक इस तरह के पोस्ट को बैन करने के बाद आया है। इससे पहले सोशल मीडिया साइट इस प्रकार के पोस्ट को महामारी के बारे में गलत सूचना मानता था। दिसंबर में फेसबुक ने घोषणा की थी कि वह उन सभी पोस्टों को अपने प्लेटफॉर्म से हटा देगा, जिनमें कोरोना वायरस टीकों के बारे में गलत जानकारी होगी। पहले से प्रतिबंधित सामग्री की सूची में वैक्सीन की सुरक्षा, प्रभावकारिता, साइड इफेक्ट के बारे में झूठे दावे वाले पोस्ट जोड़े गए, जिसमें अधिक सामान्य कोरोना वायरस को लेकर गलत सूचना शामिल थी। हाल ही इस बात ने तेजी पकड़ी है कि कोरोना वायरस एक प्रयोगशाला से निकला है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी खुफिया एजेंसियों को इस बात की जांच तेज करने की लिए कहा है कि कोरोना की उत्पत्ति कैसे हुई है। बाइडन ने एक बयान में कहा, यह निष्कर्ष निकालने के लिए अपर्याप्त सबूत हैं कि क्या यह किसी संक्रमित जानवर के साथ मानव संपर्क से उभरा है या प्रयोगशाला में हुई दुर्घटना से उभरा है।

एक और भारतीय को अमेरिकी राष्ट्रपति ने सौंपी बड़ी जिम्मेदारी, अरुण वेंकटरमन वाणिज्य विभाग के डीजी के तौर पर नियुक्त

वॉशिंगटन। अमेरिकी के राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक और भारतीय को बड़ी जिम्मेदारी सौंप दी है। राष्ट्रपति ने भारतीय-अमेरिकी नागरिक अरुण वेंकटरमनको अमेरिका और विदेश वाणिज्यिक सेवा के महानिदेशक के रूप में नियुक्त किया है। इसके

साथ ही उन्हें वाणिज्य विभाग में वैश्विक बाजारों के सहायक सचिव के लिए भी नामित किया गया है। यानी दो पदों के लिए उनकी नियुक्ति हुई है।

बता दें कि अरुण वेंकटरमन अभी वाणिज्य सचिव के सलाहकार हैं। व्हाइट हाउस की ओर से जारी बयान के अनुसार, वेंकटरमण को कंपनियों को, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के मुद्दों पर अमेरिकी सरकार को सलाह देने का 20 साल से ज्यादा का अनुभव हासिल है।

अरुण वेंकटरमन ओबामा प्रशासन की भी मदद कर चुके हैं। इस दौरान उन्होंने दुनियाभर के बाजारों में कंपनियों के सामने आने वाली महत्वपूर्ण चुनौतियों से निपटने के लिए अमेरिकी सरकार की सहायता की थी। अरुण वेंकटरमन यूएस ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव (यूएसटीआर) के कार्यालय में काम करते हुए भारत के निदेशक के रूप में यूएस-इंडिया व्यापार नीति के विकास और कार्यान्वयन का नेतृत्व कर चुके हैं, इसके लिए उन्हें एजेंसी का केली अवॉर्ड भी मिल चुका है।

अमेरिका में गोलीबारी: कैलिफोर्निया के सेन जोस शहर में फायरिंग; 8 लोगों की मौत

भागते वक्त हमलावर भी ढेर

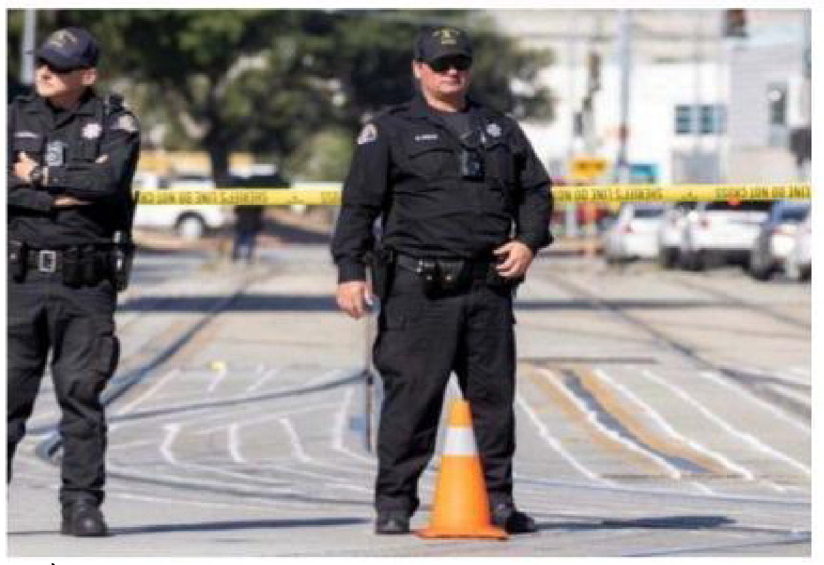

कैलिफोर्निया। अमेरिका में कैलिफोर्निया राज्य के सेन जोस शहर में एक व्यक्ति ने अंधाधुंध फायरिंग की। पुलिस के मुताबिक, घटना में 8 लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा कई लोग घायल बताए गए हैं। हमलावर मौके से भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन पुलिस ने उसे मार गिराया गया। सिटी मेयर सैम लिकार्डो ने इस घटना को शहर के इतिहास पर काला धब्बा करार दिया है।

मारे गए लोगों में ज्यादातर कर्मचारी

सांता क्लारा शेरिफ के ऑफिस ने एक बयान में कहा- मारे गए ज्यादातर लोग ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी के कर्मचारी हैं। ये सुबह के वक्त ड्यूटी खत्म करके घर जाने की तैयारी कर रहे थे। उनकी जगह दूसरा स्टाफ आ चुका था। पुलिस को शक है कि इस बिल्डिंग के अंदर कुछ विस्फोटक भी हो सकते हैं, इसलिए बम डिस्पोजल टीम को भी मौके पर बुलाया गया है। स्निफर डॉग्स की भी मदद ली जा रही है।

अब तक क्या पता लगा

एक रिपोर्ट के मुताबिक, घटना अमेरिकी समय के अनुसार सुबह करीब 6.15 बजे हुई। यहां रेल यार्ड में कुछ लोग काम कर रहे थे। अचानक एक व्यक्ति ने फायरिंग शुरू कर दी। लोग जान बचाने के लिए भागे लेकिन, कुछ फायरिंग की चपेट में आ गए। पुलिस और मेयर ने भी यही घटनाक्रम बताया है। घटना के बाद यहां लोकल ट्रेन सर्विस सस्पेंड कर दी गई। मेयर ने भी इसकी पुष्टि की है। पुलिस ने अब तक हमलावर की पहचान सार्वजनिक नहीं की है। ये भी साफ नहीं हो सका है कि फायरिंग क्यों की गई। पुलिस ने कहा है कि जांच के बाद विस्तार से जानकारी दी जाएगी।

अफगानिस्तान के पड़ोसी देशों को तालिबान की धमकी, कहा- अमेरिकी फौज को जगह दी तो होगी बड़ी भूल

इस्लामाबाद। तालिबान ने अफगानिस्तान के पड़ोसी देशों को सीधे तौर पर धमकी दी है कि यदि उन्होंने अमेरिकी फौज को ऑपरेट करने के लिए अपनी जमीन के इस्तेमाल की इजाजत दी तो ये उनकी सबसे बड़ी गलती होगी। तालिबान ने एक बयान जारी कर अफगानिस्तान के सभी पड़ोसी देशों को ऐसा कोई भी फैसला न करने के लिए चेतावनी भी दी है। तालिबान ने साफ कर दिया है कि ऐसा कोई भी कदम खतरनाक हो सकता है। साथ ही तालिबान ने कहा है कि यदि ऐसा हुआ तो वो भी चुप नहीं बैठने वाले हैं।

तालिबान की तरफ से ये बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका अफगानिस्तान से अपनी फौज को पूरी तरह से वापस ले जाने की कवायद में जुटा है। अमेरिका पहले की ये साफ कर चुका है कि वो अमेरिका पर हुए सबसे बड़े आतंकी हमले (9/11) की बरसी से पहले सभी जवानों को वापस ले जाएगा। इसको लेकर अमेरिका लगातार अफगानिस्तान के सहयोगी और करीबी देशों के संपर्क में भी है।

अमेरिका चाहता है कि अफगानिस्तान में तालिबान की मौजूदगी के बावजूद कोई ऐसा समाधान निकाला जाए जो सभी के लिए सही हो। वहीं भारत जैसे देश तालिबान की मौजूदगी को लेकर आशंकित हैं। अफगानिस्तान की मौजूदा सरकार भी इसको लेकर आशंकित है। वहीं अमेरिका के यहां से बाहर जाने की खबरों के बीच तालिबान अफगानिस्तान में एक बार फिर से अपना दायरा बढ़ा रहा है। तालिबान का ये बयान इसलिए भी बेहद खास है क्योंकि हाल ही में अमेरिका ने कहा था कि पाकिस्तान ने उसकी फौज का बेस बनाने और उसके एयर स्पेस का इस्तेमाल करने की इजाजत दे दी है। साथ ही ये भी कहा गया था कि पाकिस्तान अमेरिकी फौज को ग्राउंड सपोर्ट भी करेगा।

कोरोना दुनिया में : बीते दिन 5.58 लाख नए केस

12,327 की मौत; बेल्जियम में अब सिर्फ 41+ उम्र के लोगों को ही J&J वैक्सीन लगेगी

वाशिंगटन । दुनिया में कोरोना के 5 लाख 58 हजार 417 लोगों में कोरोना की पुष्टि हुई। इस दौरान 12,327 लोगों की मौत भी हुई। सबसे ज्यादा मामले अब भी भारत में ही आ रहे हैं। यहां बीते दिन 2.11 लाख नए केस आए और 38 सौ से ज्यादा मौतें हुईं। इसके बाद ब्राजील में 79,459 नए संक्रमित और 23 सौ से ज्यादा मौतें रिकॉर्ड की गई।

उधर, बेल्जियम में वैक्सीनेशन ड्राइव को करारा झटका लगा है। यहां की हेल्थ एजेंसी ने जॉनसन एंड जॉनसन की सिंगल डोज कोरोना वैक्सीन के इस्तेमाल को सीमित कर दिया गया है। यहां अब 41 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को इस वैक्सीन का डोज दिया जाएगा।

फ्रांस में च से आने वालों के लिए क्वारैंटाइन अनिवार्य

फ्रांस ने ब्रिटेन से आने वाले यात्रियों के लिए क्वारैंटाइन पीरियड अनिवार्य कर दिया है। भारत में सबसे पहले पाए गए वैरिएंट की वजह से ब्रिटेन मं कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है।

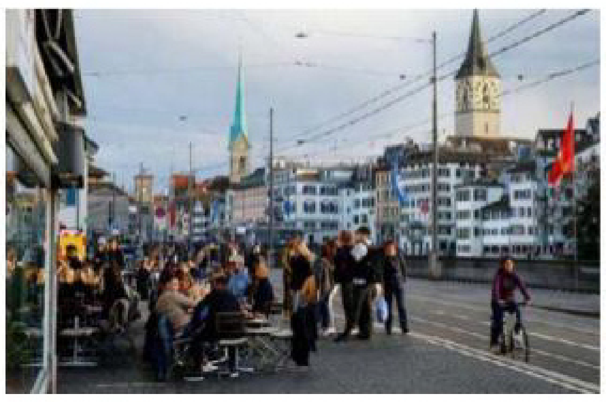

इस वजह से फ्रांस सरकार ने यह फैसला किया है। फ्रांस से पहले ऑस्ट्रिया ने भी ब्रिटेन से सीधी फ्लाइट सेवा रद्द कर दी थी। वहीं, जर्मनी ने बीते शुक्रवार को कहा था कि ब्रिटेन से आने वाले किसी भी व्यक्ति को यहां पहुंचने के बाद 2 हफ्ते क्वारैंटाइन रहना होगा।

महिला की मौत के बाद लिया गया फैसला

बेल्जियम में रेयर ब्लड क्लॉट जैसे साइडफेक्ट के खतरे को ध्यान में रखकर यह फैसला किया गया है। यहां बीते शुक्रवार को 40 साल की महिला को जॉनसन एंड जॉनसन वैक्सीन का डोज लगाया गया था। इसके उसमें गंभीर थ्रोमबोसिस और ब्लड क्लॉट जैसे साइडइफेक्ट देखने को मिले थे हॉस्पिटल में एडमिट कराने के बाद उसकी मौत हो गई थी।

बच्चियों से जानवरों जैसा सुलूक

:मैक्सिको में कम उम्र की लड़कियां बतौर दुल्हन बेची जा रहीं, विरोध शुरू; पीड़िताएं बोलीं- हम जानवर नहीं

मैक्सिको । मैक्सिको में 34 लाख की आबादी वाला ग्युरेरो राज्य, यहां माता-पिता अपनी बेटियों को कम उम्र में बतौर दुल्हन बेच देते हैं। वो भी महज डेढ़ लाख रुपयों के लिए। दक्षिण मैक्सिको के ग्युरेरो में यह परंपरा कई सालों से चली आ रही है। हालांकि, कई लोग अब इसका विरोध करने लगे हैं।

इस परंपरा को लेकर 23 साल की एलोइना फेलिसियानो बताती हैं कि मुझे महज 14 साल की उम्र बेच दिया गया था। मैंने मां से गुजारिश की थी कि मुझे बेचा नहीं जाना चाहिए। लेकिन मेरी विनती बेकार गई।' अपनी गुहार को लेकर एलोइना कहती हैं- 'बेचा तो जानवरों को जाता है। हम जानवर नहीं, इंसान हैं।' कुछ एक्टिविस्ट बताते हैं कि ग्युरेरो में आज भी दर्जनों समुदायों में इस तरह के समझौते किए जाते हैं। दुल्हन के माता-पिता 1.45 लाख रु. से 13 लाख रुपए मांगते हैं और शादी करा देते हैं।

सेंटर ऑफ ह्यूमन राइट्स ऑफ द माउंटेन के निदेशक एबेल बैरेरा कहते हैं- 'यहां लड़कियां पूरी तरह से असुरक्षित हैं। उनका नया परिवार उन्हें घरेलू और कृषि कार्यों के साथ गुलाम बनाता है। कभी-कभी ससुराल वाले उनका यौन शोषण भी करते हैं। यहां लड़कियां वस्तु बन गई हैं। 61 साल की मौरिलिया जूलियो को भी कम उम्र में बेच दिया गया था। वह कहती हैं- 'लोग लड़की को खरीदने के लिए उन्हें सताते हैं। कई महिलाएं कहती हैं कि मैं अपनी बेटी को 5,500 डॉलर-6,000 डॉलर में बेच रही हूं, क्योंकि मुझे पैसे चाहिए, लेकिन यह सुनकर मुझे

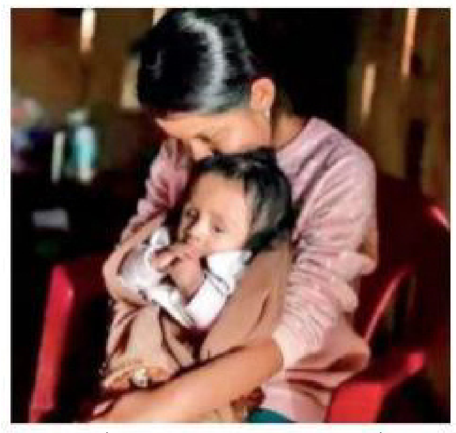

दुख होता है क्योंकि वे तो उनके ही बच्चे हैं।'

ग्युरेरो में पिछले साल 9 से 17 साल के बीच की लड़कियों ने 3 हजार से ज्यादा बच्चियों को जन्म दिया। उनमें से कुछ को शादी के लिए बेच दिया गया है। 29 साल के विक्टर मोरेनो कहते हैं- 'हम चाहते हैं कि यह परंपरा बदल जाए। लेकिन कुछ पिता कहते हैं कि मैं जो चाहता हूं, वही करूंगा क्योंकि मेरी बेटी है। कोई मुझे यह नहीं बताएगा कि क्या करना है।'

अलग-थलग पड़ा बेलारूस

विमान हाईजैक कर पत्रकार को गिरफ्तार करने वाले राष्ट्रपति का बायकॉट शुरू; कई देशों ने उड़ानें रद्द कीं

बेलारूस । बेलारूस में सरकार की आलोचना करने वाले पत्रकार रोमन प्रोत्सावित्च को गिरफ्तार करने के लिए विमान की जबरन लैंडिंग के आसाधारण वाकये ने दुनिया भर के देशों में नाराजगी पैदा कर दी है। ऐसे में कई देशों ने बेलारूस से आने और जाने वाली उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया है।

यूरोप के 27 देशों ने एक साथ प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। बेलारूस पर लगाए गए प्रतिबंधों का अमेरिका ने भी स्वागत किया है। ब्रसेल्स में हुई यूरोपीय यूनियन की बैठक में यह महत्वपूर्ण फैसला लिया गया। ईयू नेताओं ने यूरोपीय देशों की सभी एयरलाइंस को बेलारूस की उड़ानें रद्द करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही बेलारूस की सभी एयरलाइंस की उड़ानों को अपने यहां उतरने पर भी रोक लगाने को कहा है। इनमें एयर फ्रांस, केएलएम, फिनएयर, लुफ्तहांसा और ऑस्ट्रियन एयरलाइंस भी शामिल हो गई हैं। इसके बाद बेलारूस पूरी तरह अलग-थलग पड़ गया है।

बेलारूस के सत्तावादी राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको पहले ही पश्चिमी देशों के कठोर प्रतिबंधों को झेल रहे हैं। उन पर पिछले साल सरकारी विरोधी प्रदर्शनों को क्रूरतापूर्वक कुचलने और मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए प्रतिबंध लगाए गए थे। हालांकि, इससे उन पर दबाव के कोई संकेत नहीं मिले, क्योंकि उन्हें विशेष रूप से रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का मजबूत समर्थन हासिल है। बेलारूस ने रोमन को गिरफ्तार करने के लिए आतंकियों की तरह फ्लाइट को उड़ाने की धमकी देकर मिंस्क एयरपोर्ट पर उतार लिया था। प्रोत्सावित्च के सहयात्री मॉरियस रुत्कॉस्कास ने बताया, 'जब पायलट ने बताया कि विमान मिंस्क में उतारा जाएगा, तो रोमन घबरा गया था।

भारत की तर्ज पर यूरोपीय संघ भी इंटरनेट कंपनियों के लिए नियम कड़े करने में लगा

बेल्जियम। भारत के अलावा अब यूरोपीय संघ भी इंटरनेट में आने वाली फर्जी जानकारियों पर लगाम लगाने का मन बना चुका है। इसको लेकर यूरोपीय संघ ने भी अब नियम-कानूनों को पहले से अधिक कड़ा बनाने की घोषणा की है। इसके जरिए यूरोपीय संघ ये सुनिश्चित करना चाहता है कि किसी तरह की गलत जानकारी के जरिए या फेक न्यूज के माध्यम से कंपनियां लाभ न ले सकें। आपको बता दें कि यूरोपीय संघ कोरोना काल में सामने आई फर्जी जानकारियों और खबरों को लेकर पहले भी अपनी आपत्ति जता चुका है। लेकिन अब इसके खिलाफ सख्त होते हुए यूरोपीय आयोग ने इसको रोकने का प्रस्ताव दिया है। इसमें कहा गया है कि इसके लिए कड़े नियम बनाने की जरूरत है। यूरोपीय संघ के उद्योग प्रमुख थिअरी ब्रेटन का कहना है कि इंटरनेट के जरिए फैलाई जाने वाली झूठी जानकारियां पैसे कमाने का जरिया नहीं बननी चाहिए। इसको रोकने के लिए यूरोपीय संघ को अधिक मजबूत और प्रतिबद्ध होना पड़ेगा।

आपको बता दें कि यूरोपीय संघ ने वर्ष 2018 में इंटरनेट के माध्यम से फैली फर्जी जानकारियों को रोकने लिए दिशा निर्देश जारी किए गए थे। लेकिन इनको मानने के लिए कोई भी कंपनी बाध्य नहीं थी। स्वेच्छा से ही कोई कंपनी इसको अपना सकती थी। इन दिशा-निर्देशों पर गूगल समेत दूसरी सोशल मीडिया कंपनियों ने अपने हस्ताक्षर किए थे। लेकिन इनके लचीले होने की वजह से इनपर अमल नहीं हो सका था।

कोरोना पर चीन को घेरने की अमेरिकी रणनीति: जो बाइडेन ने यूएस की जांच एजेंसियों से 90 दिन में रिपोर्ट मांगी, कहा- पता लगाना होगा, वायरस कहां से आया?

वाशिंगटन। कोरोनावायरस की उत्पत्ति के बारे में जानने के लिए अमेरिका ने कोशिशें तेज कर दी हैं। यूएस प्रेसिडेंट जो बाइडेन ने अमेरिकी जांच एजेंसी को इसकी बारीकी से जांच करने के लिए कहा है। उन्होंने इस जांच की रिपोर्ट 90 दिनों के अंदर मांगी है।

बाइडेन ने जांच एजेंसियों को चीन की वुहान लैब से वायरस निकलने की आशंका को लेकर भी जांच करने को कहा है। उन्होंने जांच एजेंसियों से कहा है कि ये वायरस जानवर से फैला या किसी प्रयोगशाला से, इस बारे में स्पष्ट जांच की जाए।

इंटरनेशनल कम्युनिटी से सहयोग की अपील

बाइडेन ने जांच में अंतर्राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं को मदद करने के निर्देश भी दिए हैं। उन्होंने इंटरनेशनल कम्युनिटी से जांच में सहयोग करने की अपील की है। बाइडेन ने कहा, अमेरिका दुनियाभर में उन देशों के साथ सहयोग जारी रखेगा, जो वायरस की जांच सही ढंग से कराना चाहते हैं। इससे चीन पर पारदर्शी और अंतर्राष्ट्रीय जांच में भाग लेने का दबाव डालने में आसानी होगी।

बाइडेन का बयान उस वक्त सामने आया है, जब अमेरिका के संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ. एंथनी फॉसी ने वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन से कोरोना की उत्पत्ति को लेकर जांच आगे बढ़ाने की

मांग की है।

चीन पर दबाव बढ़ेगा

अमेरिका कोरोनावायरस की जांच के मामले में तेजी से आगे बढ़ रहा है। कोरोनावायरस टास्क फोर्स के चीफ डॉक्टर एंथनी फौसी ने कुछ दिनों पहले इशारों में कहा था कि कोरोनावायरस की शुरुआत की जांच की जानी चाहिए और इस मामले में किसी थ्योरी को खारिज नहीं किया जा सकता। इसके पहले ऑस्ट्रेलियाई सरकार के एक मंत्री ने भी इसी तरह का बयान दिया था।

कुछ दिन पहले 'वीकेंड ऑस्ट्रेलिया' ने भी एक एक्सपर्ट के हवाले से कहा था कि चीन 2015 से जैविक हथियार बनाने की कोशिश कर रहा है और उसकी मिलिट्री भी इसमें शामिल है। इस एक्सपर्ट ने शक जताया था कि लैब में रिसर्च के दौरान गलती से यह वायरस लीक हुआ। इसके बाद अमेरिकी अखबार 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' ने सोमवार को एक रिपोर्ट में कहा- चीन वायरस की जो थ्योरी बताता है, उस पर शक होता है, क्योंकि नवंबर 2019 में ही वहां वुहान लैब के तीन वैज्ञानिकों में इसके लक्षण पाए गए थे और उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था।

WHO की मुश्किलें फिर बढ़ेंगी

डोनाल्ड ट्रम्प जब राष्ट्रपति थे, तब उन्होंने कई बार सार्वजनिक तौर पर कहा था कि कोरोनावायरस को चीनी वायरस कहा जाना चाहिए, क्योंकि यह चीन से निकला और चीन ने ही इसे फैलाया। ट्रम्प ने तो यहां तक दावा किया था कि अमेरिकी जांच एजेंसियों के पास इसके सबूत हैं और वक्त आने पर इन्हें दुनिया के सामने रखा जाएगा। हालांकि, ट्रम्प चुनाव हार गए और मामला ठंडा पड़ गया। अब बाइडेन के सख्त रुख ने चीन और WHO की मुश्किलें फिर बढ़ा दी हैं।

कहते रहे। उन्होंने इस संगठन की फंडिंग रोक दी थी। बाइडेन ने इसे फिर शुरू कर दिया है। लेकिन, WHO पर आरोप लग रहे हैं कि उसने पूरी जांच किए बगैर ही चीन को क्लीन चिट दे दी और कहा कि वायरस लैब से लीक नहीं हुआ। अब अमेरिका के सख्त रुख के बाद WHO पर दबाव बढ़ेगा, क्योंकि दूसरे देश भी उससे जवाब मांगेंगे। 'न्यूयॉर्क टाइम्स' के मुताबिक, व्हाइट हाउस के अफसरों ने इस हफ्ते की शुरुआत में ही साफ कर दिया था कि WHO को नए सिरे से और साफ सुथरी जांच करनी होगी।

दिल्ली को अनलॉक करने की योजना तैयार

डीडीएमए की बैठक में फैक्ट्री व निर्माण गातिविधियों को खोलने का लिया निर्णय

नई दिल्ली (आनंद राय)। दिल्ली सरकार ने गरीब तबके को ध्यान में रखते हुए सोमवार से फैक्ट्री और निर्माण गातिविधियों को खोलने का निर्णय लिया है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के दो करोड़ लोगों ने मिलकर कोरोना की दूसरी लहर पर भी काबू पा लिया है। दिल्ली में संक्रमण दर घटकर अब 1.5 फीसद हो गई है। डीडीएमए की बैठक में फैक्ट्री और निर्माण गतिविधियों को अभी एक सप्ताह के लिए खोलने का निर्णय लिया गया है। जनता के सुझावों पर आगे भी हम धीरे-धीरे अनलॉक की प्रक्रिया जारी रखेंगे।

सीएम ने कहा कि कहीं ऐसा न हो कि एकदम से लॉकडाउन खोलने से हमें उसका नुकसान हो जाए और फिर से कोरोना बढ़ने लगे। अगर ऐसा हुआ, तो हमारे पास दोबारा लॉकडाउन लगाने के अलावा और कोई चारा नहीं बचेगा। इसलिए मेरी अपील है कि सभी लोग कोविड-19 के एहतियात अवश्य बरतें। यह बहुत ही नाजुक समय है। जब तक जरूरत न पड़े, तब तक घर से बाहर न निकलें। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने डिजिटल प्रेस कॉन्फ्रेंस कर एलजी की अध्यक्षता में शुक्रवार को संपन्न हुई डीडीएमए की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों की जानकारी दिल्ली की जनता से साझा की। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के कोरोना के केस लगातार कम हो रहे हैं। यह सब दिल्ली के अपने दो करोड़ लोगों की मेहनत का नतीजा है कि हम लोगों ने मिलकर एक महीने के अंदर दिल्ली में इस दूसरी लहर पर भी काबू पा लिया है। पिछले 24 घंटे में लगभग 1.5 फीसद संक्रमण दर आया है और 1100 के करीब केस आए हैं। धीरे-धीरे रोज कोरोना के केस कम हो रहे हैं और संक्रमण दर भी कम हो रही है। अस्पतालों के अंदर अब बेड मिलने में किसी तरह की कोई दिक्कत नहीं है। आईसीयू बेड भी काफी खाली हो गए हैं। ऑक्सीजन बेड भी काफी खाली हो गए हैं। हम लोगों ने जितने कोविड-19 केंद्र खोले थे, उसमें भी काफी बेड उपलब्ध हैं। इसलिए अब धीरे-धीरे अनलॉकिंग करने का यह समय है। कहीं ऐसा न हो कि लोग कोरोना से तो बच जाएं, लेकिन भुखमरी से लोग मर जाएं। इसलिए हमें संतुलन बनाकर चलना है कि एक तरफ कोरोना को भी नियंत्रण करना है और दूसरी तरफ आर्थिक गतिविधियों को भी साथ-साथ कोशिश करनी है कि जहां-जहां जितना बन सके, उतने की अनुमति दी जाए। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सोमवार को सुबह 5 बजे तक यह लॉकडाउन है।

दिल्ली के लोगों ने मिलकर कोरोना की दूसरी लहर पर भी पा लिया है काबू : केजरीवाल

- धीरे-धीरे अनलॉक की प्रक्रिया को जारी रखेंगे
- मुख्यमंत्री ने की कोविड नियमों के पालन करने की अपील

अगर कोरोना फिर से बढ़ने लगा, तो खोलने की प्रक्रिया को रोकना पड़ेगा : केजरीवाल

सीएम अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा कि अब हफ्ता दर हफ्ता हम जनता के सुझावों के आधार के ऊपर और विशेषज्ञों की राय के आधार पर इसी तरह से धीरे-धीरे लॉकडाउन खोलने की प्रक्रिया जारी रखेंगे। बशर्ते कि कोरोना फिर से बढ़ने न लगे। अगर बीच में ऐसा लगता है कि कोरोना फिर से बढ़ने लग गया, तो फिर हमें आर्थिक गतिविधियों को खोलने की प्रक्रिया को भी रोकना पड़ेगा। मेरी आप सब लोगों से गुजारिश है कि कोरोना से संबंधित जो भी एहतियात हैं, उसको जरूर बरतें। एक तो अपनी सुरक्षा, अपने परिवार की सुरक्षा, अपनी सेहत और अपनी जिंदगी के लिए और दूसरा यह कि अगर सभी लोग मिलकर कोविड-19 के एहतियात बरतेंगे, तभी दिल्ली के अंदर और आर्थिक गतिविधिया खोली जा सकेंगी। अगर कोरोना फिर से बढ़ने लग गया, तो हमारे पास फिर से लॉकडाउन लगाने के अलावा और कोई चारा नहीं बचेगा। हम नहीं चाहते हैं कि फिर से लॉकडाउन लगाना पड़े, हम लॉकडाउन के पक्ष में बिल्कुल भी नहीं है और आप भी नहीं चाहते हैं। लॉकडाउन कोई अच्छी चीज नहीं है, इसे मजबूरी में लगाना पड़ता है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने लोगों से पुन: अपील करते हुए कहा कि जब तक बहुत जरूरत न पड़े, तब तक घर से बाहर न निकलें। बहुत जरूरी हो, तभी घर से बाहर निकलें।

कोविड से प्रभावित परिवार को मिले दस हजार रुपए आर्थिक सहायता : कांग्रेस

- कृष्णा तीरथ ने दिल्ली सरकार पर कोरोना महामारी को लेकर साधा निशाना
- आर्थिक संकट से जूझ रहे लोगों के हित में कोई कारगर योजना नहीं : तीरथ

(एजेंसी)

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री कृष्णा तीरथ ने शुक्रवार को दिल्ली सरकार पर कोरोना महामारी को लेकर निशाना साधा, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल कोविड महामारी में दिन प्रतिदिन नई-नई घोषणाएं करके राजनीतिक खेल, खेल रहे हैं जबकि कोविड के कारण पूरी दिल्ली बेहाल है। इस अवसर पर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अनिल चौधरी और परवेज आलम खान भी उपस्थित थे। तीरथ ने कहा कि केजरीवाल सरकार ने लॉकडाउन के कारण आर्थिक संकट से जूझ रहे दिल्लीवासियों के हित में अभी तक कोई कारगर योजना नही बनाई है।

कृष्णा तीरथ ने कहा कि पूरी दिल्ली में लॉकडाउन लगाने से बेहतर होगा कि जहां केस ज्यादा है वहां अधिक से अधिक कंटेनमेंट जोन बनाए जाए ताकि कोविड संक्रमण को बढ़ने से रोका जा सके तथा दिल्ली में व्यवसायिक और आर्थिक गतिविधियां सामान्य रुप से चल सकें। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन से जहां एक ओर श्रमिक आर्थिक संकट के कारण दिल्ली छोड़ रहे है, वहीं व्यापारी वर्ग, छोटे-बड़े उघोग, दुकानदार के मालिक और इनमें कर्मचारियों की अजीविका भी प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन लगाने से बेहतर है अनलॉक प्रक्रिया में कंटेन्मेंट जोन के आधार पर बाजारों का संचालन हो ताकि किसी भी व्यापारी अथवा मजदूर की अजीविका प्रभावित न हो।

संक्षिप्त खबर

दर्जनभर लोगों से ठगी करने के आरोप में युवक गिरफ्तार

नई दिल्ली। महामारी के दौरान ऑक्सीजन कंस्ट्रेटर देने के नाम पर एक दर्जन से ज्यादा लोगों से ठगी करने वाले एक युवक को पश्चिमी जिला पुलिस की साइबर सेल ने गिरफ्तार किया है। आरोपी सेहज सिंह मॉडल टाऊन में रहता है और उसने फेसबुक ओर व्हाटसएप पर अपना नंबर वायरल किया था। जिससे लोग उसे मदद के लिए फोन कर रहे थे। फिलहाल पुलिस ने उसे जेल भेज दिया है।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि कीर्ति नगर के रहने वाले ऋषभ सचदेवा ने पुलिस को अपने साथ हुई ठगी की शिकायत दी। अपनी शिकायत में उन्होंने बताया कि उनकी माँ कोरोना संक्रमित हो गई थी। उनका आक्सीजन लेवल गिरने लगा। ऐसे में उन्हें माँ को आकसीजन देने के लिए आक्सीजन कंस्ट्रेटर की जरुरत थी। कई लोगों से सम्पर्क करने के बाद उन्हें आरोपी का नंबर मिला, जिसने आक्सीजन कंस्ट्रेटर 70 हजार रुपए में देने की बात कही और 10 हजार रुपए एडवांस लेकर पीड़ित का नम्बर ब्लाक कर दिया। कीर्ति नगर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरु की। मामले में साइबर सेल के इंस्पेक्टर अरुण कुमार, एसआई अमित वर्मा, महेश कुमार और हेडकांस्टेबल विवेक जैतवान की टीम ने आरोपी पेटीएम अकाउंट और मोबाइल नम्बर की मदद से उसकी जानकारी जुटाई और उसे मॉडल टाउन इलाके से दबोच लिया। आरोपी के पास से मोबाइल और सिम कार्ड बरामद किया गया, जिससे वह ठगी की वारदातों को अंजाम दे रहा है। पूछताछ के सामने आया कि वह एक दर्जन से ज्यादा लोगों को ठग चुका है। आरोपी ने बताया कि उसने खुद ही एक मैसेज बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया था। जिससे लोग उसे सम्पर्क कर सके।

गुणवत्तापूर्ण ऑनलाइन शिक्षण सामग्री विकसित करने के लिए वेबिनार आयोजित

नई दिल्ली। विद्यार्थियों को प्रगतिशील और रचनात्मक रूप से पढ़ाई में जोड़ने के लिए अच्छी और गुणवत्तापूर्ण ऑनलाइन शिक्षण सामग्री विकसित करने के उद्देश्य से, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के उपक्रम विज्ञान प्रसार के सहयोग से एक इंटरैक्टिव वेबिनार का आयोजन किया। यह वेबिनार पालिका परिषद और नवयुग स्कूलों में पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिए ऑनलाइन सीखने और सिखाने के लिए स्मार्ट वीडियो कैसे बनाएं विषय पर आधारित था। इस अवसर पर पालिका परिषद के निदेशक शिक्षा डीपी सिंह ने कहा कि कोविड-19 महामारी से शिक्षण संस्थान बहुत प्रभावित हुए हैं और इसके परिणामस्वरूप पिछले साल से स्कूल बंद हैं और सीखने तथा सिखाने का तरीका कक्षाओ से बदल कर ऑनलाइन हो गया है। उन्होंने आगे बताया कि इस महामारी की स्थिति के बावजूद, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद का शिक्षा विभाग अपने स्कूली छात्रों के शैक्षणिक भविष्य की देखभाल के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। इसी उद्देश्य के लिए, पालिका परिषद ने अटल आदर्श शिक्षा और नवयुग प्रगति नामक दो यूट्यूब चैनल लॉन्च किए। जो पालिका परिषद विद्यालयों में प्रौद्योगिकी के माध्यम से विद्यार्थियों को पढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। इस वेबिनार में प्रख्यात पैनलिस्ट, सौरव सेन वरिष्ठ सलाहकार, प्राची गुप्ता सामग्री प्रबंधक, पुनीत कद परियोजना प्रबंधक, करनजीत विद्यालय सम्पर्क प्रमुख ने शिक्षकों के साथ सक्रिय रूप से विचारों का आदान प्रदान किया।

उतरी निगम कर रहा बच्चों के लिए सौ बेड का अस्पताल तैयार

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। उत्तरी दिल्ली के महापौर जय प्रकाश ने उत्तरी दिल्ली नगर निगम के श्रीमती गिरधर लाल प्रसूति अस्पताल में बच्चों के लिए अलग से 100 बेड का समर्पित कोविड अस्पताल बनाए जाने के संबंध में व्यवस्थाओं का जायज़ा लेने के लिए अस्पताल का निरीक्षण किया।

महापौर जय प्रकाश ने बताया कि यह देखने में आया है कोविड की दूसरी लहर में बच्चों में भी कोरोना संक्रमण फैल रहा है जिसे देखते हुए उत्तरी दिल्ली नगर निगम के श्रीमती गिरधर लाल प्रसूति अस्पताल में बच्चों के लिए अलग से 100 बेड का समर्पित कोविड अस्पताल बनाए जाने पर गंभीर विचार किया जा रहा है।

महापौर जय प्रकाश ने बताया कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम का गिरधर लाल अस्पताल एक छोटा अस्पताल है जहा पर बच्चों के लिए अलग से एक समर्पित कोविड अस्पताल बनाया जा सकता है जिसके संबंध में अधिकारियों को व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम के तीन अस्पताल हिंदूराव अस्पताल, आर बी आई पी एम टी और बालकराम अस्पताल कोरोना मरीजों के उपचार के लिए कार्य कर रहे है।

कोविड टीकाकरण को लेकर आप ने केंद्र सरकार से पूछे सवाल

पर्याप्त संख्या में वैक्सीन क्यों नहीं कराई जा रही उपलब्ध

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता राघव चड्ढा ने वैक्सीनेशन को लेकर केंद्र सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि जब राज्य सरकारें, जनता के साथ मिलकर कोरोना की दूसरी लहर का मुकाबला कर रही हैं, तब भाजपा शासित केंद्र सरकार द्वारा वैक्सीनेशन कार्यक्रम की आड़ में घोटाला किया जा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि भाजपा शासित केंद्र सरकार को पारदर्शी तरीके से खुलासा करना चाहिए कि निजी अस्पतालों को कितनी वैक्सीन की डोज उपलब्ध कराई गई है।

क्या केंद्र सरकार ने निजी अस्पतालों को वैक्सीनेशन के नाम पर आम जनता को लूटने की इजाजत दे दी है? वैक्सीन कंपनियों व निजी अस्पतालों और केंद्र सरकार के बीच क्या सांठगांठ और समझौता है? उन्होंने कहा कि पिछले पांच दिनों से दिल्ली सरकार द्वारा संचालित वैक्सीनेशन सेंटर बंद हो गए हैं, क्योंकि केंद्र सरकार वैक्सीन उपलब्ध नहीं करा रही है। पूरे भारत में यही हाल है। वहीं, निजी वैक्सीनेशन सेंटर अपनी पूरी क्षमता के साथ चालू हैं।

भाजपा शासित केंद्र सरकार को बताना चाहिए कि केंद्र सरकार राज्य सरकारों को पर्याप्त संख्या में वैक्सीन क्यों नहीं उपलब्ध करा रही है? आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और विधायक राघव चड्ढा ने शुक्रवार को प्रेसवार्ता को संबोधित किया। राघव चड्ढा ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि देश में वैक्सीनेशन की आड़ में एक बहुत बड़ा घोटाला चल रहा है। लोग, सामाजिक संस्थाएं और कुछ-कुछ सरकारें लोगों की जान बचाने का काम कर रही है। वहीं एक तरफ और वैक्सीनेशन की आड़ में एक घोटाला रचा जा रहा है।

पिछले पांच दिनों से टीकाकरण केंद्र हो गए हैं बंद : राघव चड्ढा

केवल निजी कंपनियों को वैक्सीन की आपूर्ति की जा रही है : आतिशी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता एवं विधायक आतिशी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 'आपदा में अवसर' का उपदेश दिया था और केंद्र सरकार ने घोटाला करने के लिए कोविड वैक्सीनेशन अभियान में ही 'अवसर' तलाश लिया। भारत बायोटेक और सिरम इंस्टीट्यूट को लाभ पहुंचाने के लिए केवल निजी अस्पतालों को वैक्सीन की आपूर्ति की जा रही है। इस वैक्सीन घोटाले के लिए केंद्र जवाबदेह है। निजी अस्पताल लोगों को 1000-1350 रुपए लेकर वैक्सीन लगा रहे हैं, जबकि राज्य सरकारों को नि:शुल्क वैक्सीनेशन के लिए वैक्सीन नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा वैक्सीन की जानबूझ कर कमी पैदा की गई है, क्योंकि केंद्र ने फाइजर, मॉडर्ना, जॉनसन एंड जॉनसन जैसे अन्य वैक्सीन को मंजूरी नहीं दी, जिन्हें डब्ल्यूएचओ समेत कई देशों ने मंजूरी दी है। केंद्र सरकार ने इतना बड़ा वैक्सीन घोटाला नहीं किया होता तो, इतने सारे युवाओं की जान बच जाती। केंद्र को जवाब देना चाहिए कि इन दोनों कंपनियों से उसकी क्या सांठगांठ है, जिसके चलते केंद्र सरकार दोनों कंपनियों की तरफदारी कर रही है।

कोरोना महामारी के बीच भाजपा का दिल्ली सरकार पर हमला

आप के मोहल्ला क्लीनिक क्यों हैं बंद : आदेश

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। कोरोना को लेकर दिल्ली में जो स्थिति इस वक्त बनी हुई है उसमें 100 फीसदी केजरीवाल सरकार की लापरवाही और कुशासन की देन है। ये कहना है दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष आदेश गुप्ता का।

उन्होंने कहा गरीब हो या अमीर सभी को सरकार की बेबस और लचर स्वास्थ्य व्यवस्था का शिकार होना पड़ा है। खुद के स्वास्थ्य विभाग की सबसे बेहतरीन नमूनों में से एक मोहल्ला क्लीनिक जिसके नाम पर केजरीवाल द्वारा खूब प्रचार किया गया और उस प्रचार में पानी की तरह पैसे बहाए गए।

इसे गरीबों के लिए संजीवनी तक की संज्ञा दी गई, लेकिन आज महामारी में सारे मोहल्ला क्लीनिक बंद हैं। केजरीवाल द्वारा बताया गया कि मोहल्ला क्लीनिक दिल्ली के गरीबों के लिए रामबाण साबित होगा और अब अस्पतालों में लंबी लाइन लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

सस्ती और बेहतर सुविधाओं के साथ लोग इसमें अपना इलाज करा सकेंगे, लेकिन आज स्थिति यह है कि यह मोहल्ला क्लीनिक की जरूरत जब सबसे ज्यादा गरीबों को पड़ी तब यह सिर्फ चूहे और शराबियों के शराब पीने का अड्डा बन कर रह गई हैं और साथ ही साथ केजरीवाल के बैनर और पोस्टर लगाने की जगह। प्रदेश कार्यालय में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता, नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित किया। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा प्रवक्ता निखत अब्बास उपस्थित थीं।

केजरीवाल सरकार ने मोहल्ला क्लीनिक खोले जाने के बाद किया था खूब प्रचार : गुप्ता

मोहल्ला क्लीनिक को लेकर जो भी दावे किए वे बिल्कुल झूठे : गुप्ता

आदेश गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार ने मोहल्ला क्लीनिक को लेकर जो भी दावे किए वे बिल्कुल झूठे हैं। डॉक्टरों का कहना था कि हमें पीपीई किट के साथ अन्य जरूरी और मूलभूत सुविधाएं नहीं दी जाती हैं। इसीलिए डर रहता है कि हम भी कोरोना पॉजिटिव न हो जाए। ऐसे में जब हमें अपनी ही सुरक्षा का डर लग रहता है तो हम मरीजों की सुरक्षा कैसे कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली में लगभग 504 मोहल्ला क्लीनिक हैं। इनमे डॉक्टर सिर्फ रेफरल के रूप में काम करते है।

कार्बन डाईऑक्साइड कम करने में मदद कर रही जेबीएम इलेक्ट्रिक सिटी बसें

(एजेंसी)

नई दिल्ली। दिल्ली की सड़कों पर दौड़ रही जेबीएम ऑटो लिमिटेड द्वारा निर्मित ईको-लाइफ इलेक्ट्रिक बस जीरो उत्सर्जन वाहन जेईवी है और यह करीब 1,000 टन के बराबर कार्बन डाईऑक्साइड कम करेगी और 10 वर्षों के परिचालन के दौरान करीब 350,000 लीटर डीजल की बचत भी कर रही है। यह भारत में सार्वजनिक परिवहन परिचालन में एक बड़ा बदलाव है। फास्ट चार्जिंग लिथियम-आयन बैटरी द्वारा संचालित ईको-लाइफ शहर की यातायात स्थिति के आधार पर प्रतिदिन एक बार में 250 किलोमीटर तक जा सकती है। ये बसें रियल टाइम पैसेंजर इन्फॉर्मेशन सिस्टम, इमरजेंसी के लिए पैनिक बटन, ऑटोमेटिक बस व्हीकल लोकेशन सिस्टम, स्टॉप रिक्वेस्ट बटन जैसे नए फीचर्स से संपन्न है। जेबीएम ग्रुप के वाइस-चेयरमैन निषांत आर्य ने कहा, जेबीएम पूरे देश में अत्याधुनिक ई-मोबिलिटी इकोसिस्टम तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। अहमदाबाद में इलेक्ट्रिक बसों की शहर के पर्यावरण अनुकूल परिवहन समाधान मुहैया कराने के हमारे विजन के अनुरूप है। हमारी बसें दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, अंडमान एवं निकोबार, कर्नाटक आदि जैसे अन्य कई राज्यों में भी लोगों की सेवा करने में सफल रही हैं।

तैयारी मॉनसून से पूर्व तैयारियों को लेकर तीनों नगर निगमों ने कसी कमर

बीस जून तक निगम के सभी नालों की हो जाएगी पूरी सफाई

नई दिल्ली ,(एजेंसी)।

उत्तरी दिल्ली के महापौर जय प्रकाश, दक्षिणी दिल्ली की महापौर अनामिका मिथलेश और पूर्वी दिल्ली के महापौर निर्मल जैन ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि दिल्ली की तीनों नगर निगम 20 जून से पहले सभी नालों से गाद निकालने का कार्य पूरा कर लेंगी। महापौर जय प्रकाश ने बताया कि दिल्ली में मुख्यता पांच एजेंसियों के नाले हैं जिममें बड़े नाले दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग, डीएसआईडीसी, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग और दिल्ली जल बोर्ड के है। उन्होंने बताया कि दिल्ली के तीनों नगर निगमों के छोटे नालों की निकासी दिल्ली सरकार के इन विभागों के बड़े नालों में है।

- सभी एजेंसियां मिलकर कार्य करें तो जल भराव की स्थिति से बचाया जा सकता है : जय प्रकाश

उन्होंने कहा कि यदि सभी एजेंसियां मिलकर मॉनसून से पहले कार्य करें तो दिल्ली को जल भराव की स्थिति से बचाया जा सकता है। महापौर जयप्रकाश ने बताया कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम के अंतर्गत 192 बड़े नाले आते हैं जिनकी गहराई चार फीट तक है और जिनके लंबाई 112.25 किलोमीटर है।

इन नालों से गाद निकालने का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। उन्होंने बताया कि गाद निकालने के कार्य में 555 नाला बेलदार, 16 सक्शन मशीन, 2 सुपर शकर मशीन और जेसीबी जैसे अत्याधुनिक मशीनों को को लगाया गया है। उन्होंने बताया कि इन नालों से 8312 मैट्रिक टन गाद निकाल कर भलस्वा लैंडफिल साइट पर भेजा गया है।

उन्होंने बताया कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम के अंतर्गत 515 छोटे नाले आते हैं जिनकी लंबाई 492 किलोमीटर है। इन नालों से गाद निकालने का कार्य चल रहा है उन्होंने कहा कि लोक निर्माण विभाग में अभी तक सिर्फ 124.34 मैट्रिक टन गाद ही निकाल कर भलस्वा लैंडफिल साइट्स पर भेजी है। महापौर जय प्रकाश ने दिल्ली सरकार से निवेदन किया कि वो इस लॉकडाउन का फायदा उठाएं और अपने नालों से गाद निकालने का कार्य पूरा करें ताकि मॉनसून के समय दिल्ली में जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो। महापौर जय प्रकाश ने कहा कि दिल्ली नगर निगम के छोटे नालों की निकासी दिल्ली सरकार के बड़े नालों में है यदी बड़े नाले ही साफ नहीं होंगे तो छोटे नालों से पानी की निकासी नहीं होगी और जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

दक्षिणी दिल्ली की महापौर अनामिका मिथिलेश ने बताया कि दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने नालों से गाद निकालने का कार्य 60-65 प्रतिशत तक पूरा कर लिया है।उन्होंने बताया कि उन्होने स्वयं जगह जगह जाकर नालों से गाद निकालने के कार्य का निरीक्षण किया है।उन्होंने बताया कि दक्षिणी दिल्ली नगर निगम के अंतर्गत 272 नाले हैं जिनकी कुल लंबाई 188.38 किलोमीटर है। उन्होंने बताया कि इन नालों से लगभग 16, हज़ार मैट्रिक टन गाद निकाली जा चुकी है।

पूर्वी दिल्ली के महापौर निर्मल जैन ने बताया कि पूर्वी दिल्ली नगर निगम के अंतर्गत 219 नाले हैं जिनकी कुल लंबाई 121 किलोमीटर है। उन्होंने बताया कि पूर्वी दिल्ली नगर निगम ने 46000 मैट्रिक टन गाद निकालने का लक्ष्य रखा है, जिसमें से 10,000 मैट्रिक टन गाद निकालने का कार्य अभी तक पूरा किया जा चुका है और शेष कार्य 20 जून तक पूरा कर लिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि पूर्वी दिल्ली नगर निगम ने 180 छोटे पम्पों की व्यवस्था की है जिनका प्रयोग जरूरत पढ़ने पर किया जाएगा।

फेसबुक से दोस्ती पर महिला से दुष्कर्म, गिरफ्तार

(एजेंसी)

नई दिल्ली। फेसबुक से दोस्ती कर छतरपुर की रहने वाली महिला से दुष्कर्म के मामले में राजस्थान के रहने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

युवक ने महिला को शादी का झांसा देकर कई वर्ष तक दुष्कर्म किया इस दौरान महिला ने एक बच्चे को जन्म भी दिया। इसके बावजूद भी युवक ने महिला को शादी से इंकार कर दिया। जिसके बाद महिला ने वसंत कुंज थाने में शिकायत दी।

पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी राजेंद्र उर्फ राजू डांगी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर पूर्व पत्नी को दहेज के लिए प्रताड़ित करने मारपीट करने और दुष्कर्म करने के मुकदमे पहले से दर्ज है।

संपादकीय

तूफान दर तूफान

भारत के पश्चिमी तट पर आए तूफान 'तौकते' के तुरंत बाद बंगाल की खाड़ी में आए तूफान 'यास' ने भारत के पूर्वी तट पर आक्रमण किया है। यह गनीमत है कि यास का स्वरूप उतना भयानक नहीं हुआ, जितनी आशंका थी, लेकिन अब भी वह बहुत खतरनाक है। पश्चिम बंगाल और ओडिशा में उसने बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाया है, हालांकि जान का नुकसान बहुत कम हुआ है। हिंद महासागर में यह तूफान आने के मौसम की शुरुआत है। यह मौसम आम तौर पर नवंबर तक रहता है। जो लोग इस तूफान की मार से प्रभावित हुए हैं, उन्हें अच्छी तरह याद होगा कि पिछले साल इन्हीं दिनों इस क्षेत्र में तूफान 'अंफान' आया था, जो ज्ञात इतिहास के सबसे भयावह तूफानों में से एक था, जिसमें लगभग सवा सौ लोगों की जान गई थी और एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के आर्थिक नुकसान का आकलन किया गया था। भारतीय उप-महाद्वीप के इतिहास में किसी तूफान से होने वाला यह सबसे बड़ा नुकसान है। उसके तुरंत बाद पश्चिमी तट पर भयावह तूफान 'निसर्ग' ने आक्रमण किया था। निसर्ग तूफान इसलिए अनोखा था, क्योंकि यह साल के उस वक्त में आया, जब पश्चिमी तट पर तूफान बहुत कम आते हैं। लेकिन पिछले साल निसर्ग के बाद इस साल तौकते का आना और भी ज्यादा अनोखा है।

मौसम का इतिहास बताता है कि इस साल कुछ छोटे-बड़े तूफान और आ सकते हैं। अच्छा हो कि ज्यादातर तूफान छोटे हों और उनसे कम से कम नुकसान हो। महामारी के दौर में तूफानों का आना ऐसा लगता है, जैसे एक के बाद दूसरी आपदा टूट पड़ी हो, जैसी दुनिया भर के धार्मिक ग्रंथों और पौराणिक साहित्य में कहानियां मिलती हैं। यह सही है कि मनुष्य ने विज्ञान और टेक्नोलॉजी के जरिये आपदाओं से होने वाले नुकसान को काफी कम किया है, लेकिन एक हद के बाद प्रकृति के आगे मनुष्य निर्बल हो जाता है। तूफानों के मामले में पहले से चेतावनी देने और तैयारी करने की वजह से अब जान-माल का नुकसान काफी हद तक रोका जा सकता है, लेकिन यह भी सही है कि ग्लोबल वार्मिंग और मौसम के बदलते मिजाज की वजह से ऐसी आपदाएं ज्यादा और अप्रत्याशित रूप से आ रही हैं। ऐसे में, ज्यादा तैयारी और सावधानी की जरूरत है। न सिर्फ तूफान, बल्कि सूखा, अतिवृष्टि और बाढ़ की घटनाएं भी लगातार बढ़ रही हैं और उनसे नुकसान भी ज्यादा हो रहा है। पिछले महीनों में हिमालयी क्षेत्र में बेमौसम बादल फटने की कई घटनाएं मौसम के बदलते और अनिश्चित स्वरूप को ही दिखाती हैं।

तूफान की चेतावनी और उससे बचने के उपायों का जो तंत्र हमने विकसित किया है, उसमें सुधार की अभी बहुत गुंजाइश है, लेकिन वह काफी प्रभावी है। इससे हम उस दूसरी आपदा के मामले में सीख ले सकते हैं, जिसे अभी भुगत रहे हैं। कोरोना के कहर से यह सीख लेना जरूरी है कि बीमारियों की रोकथाम और उनसे बचाव के लिए एक मजबूत और कारगर सार्वजनिक स्वास्थ्य तंत्र का होना जरूरी है, जो वक्त रहते खतरे का आकलन कर सके और उसकी रोकथाम के उपाय कर सके। मौसम का मिजाज जैसे बदल रहा है, उससे पैदा होने वाले खतरों का सामना सिर्फ एक प्रभावशाली और कारगर जन-कल्याणकारी प्रशासन तंत्र से ही संभव है।

जान भी, इम्तिहान भी

कोविड़-19 की दूसरी लहर के कारण वित्त वर्ष 2021-22 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीड़ीपी) की दर अनुमान से 0.8 प्रतिशत कम रहेगी और इसके 9.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। ब्रिटिश ब्रोकरेज फर्म बार्कलेज ने कहा है कि कोरोना वायरस के संक्रमण की दूसरी लहर का अर्थव्यवस्था पर असर उसके शुरुआती अनुमानों से अधिक रहना है। गौरतलब है कि कोविड़-19 ने तमाम देशों की स्वास्थ्य प्रणालियों को ध्वस्त करते हुए उनकी अर्थव्यवस्थाओं को कड़ा झटका दिया है। महामारी की पहली लहर ने भारत में न केवल स्वास्थ्य व्यवस्था को चरमरा दिया, बल्कि अर्थव्यवस्था पर भी भारी पड़ी। देश की जीड़ीपी को गहरा झटका दिया और उद्योग-धंधों का पहिया थाम दिया। लॉकड़ाउन लगाए जाने से कामगार रोजगारविहीन हो गए जिससे उन्हें सैकड़ों मील दूर अपने घर-गांव की तरफ पैदल ही निकल लेने को विवश होना पड़ा। पहली लहर मद्धिम पड़ने पर अर्थव्यवस्था पटरी पर आने लगी और लोग बेपरवाह हो गए। कोरोना संबंधी जरूरी एहतियात बरतना करीब-करीब छोड़ दिया। तभी कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर कहर बनकर टूटी। लोगों की जिंदगियों को लीलने लगी। राज्यों में लॉकड़ाउन लगाने की नौबत आ गई। नतीजतनग उद्योग-धंधे करीब-करीब ठप हो गए। खासकर लघु एवं मध्यम उद्योग ठहर से गए। छोटे-मोटे कारोबार और बाजारबंदी से लगने लगा है कि हालात सामान्य होने में लंबा समय लगना है। हालांकि भारत में अब कोविड़-19 संक्रमण की दूसरी लहर कमजोर पड़ने लगी हैग लेकिन इसकी रोकथाम के लिए लागू किए गए कड़े लॉकड़ाउन की आर्थिक कीमत कहीं बड़ी है। बार्कलेज के भारत में प्रमुख अर्थशास्त्री राहुल बाजोरिया के मुताबिक, टीकाकरण की धीमी रफ्तार से आर्थिक गतिविधियां सामान्य होने में अड़चन आना तय है। इससे मध्यम अवधि के जोखिम पैदा होने का अंदेशा है। खास तौर से अगर देश में तीसरी लहर आती है तो। इन्हीं तमाम अंदेशों और आशंकाओं के चलते वित्त वर्ष 2021-22 के जीड़ीपी की वृद्धिदर के पूर्वानुमान दर को 0.80 प्रतिशत घटाकर 9.2 प्रतिशत आका गया है। हालांकि एसबीआई की रिपोर्ट इकोरैप ने कहा है कि भारत के 25 देशों में पांचवी सबसे तेजी से बढ़ंती अर्थव्यवस्था बनने की संभावना धूमिल नहीं पड़ी है।

प्रवीण कुमार सिंह

यह तो नहीं, पर वब है

जी वैक्सीन तो नहीं है, पर टूलकिट है, ले लो। अरे भैया, टूलकिट तो इस लॉकडाउन में मिस्त्रियों के ही काम नहीं आ रहे। अरे, यह वह वाला टूलकिट नहीं है, यह कांग्रेस वाला है-मोदी जी को बदनाम करने वाला। अरे मोदी जी को बदनाम करने वाले टूलकिट को तुम क्यों बेच रहे हो भैया, कांग्रेस के एजेंट हो गए हो क्या? बकवास मत करो। लेना हो तो लो वरना ट्वीटर की तरह भाड़ में जाओ। अच्छा हां, ऑक्सीजन तो नहीं है पर कुछ रुदन है, कुछ आंसू हैं। ले लो। क्या गजब करते हो भैया, मगरमच्छों की सोहबत का यह असर नहीं होना चाहिए। वैसे भी वो क्या फिल्मी गाना है कि तबाही तो हमारे दिल पे गुजरी आप क्यों रोए। और आप हमारी भूमिका क्यों छीन रहे हैं, रोना तो हमें हैं, आपको तो आंसू पौंछने हैं। अपनी भूमिका में आइए और हां, ऑक्सीजन है क्या? नहीं, ऑक्सीजन तो नहीं हैं, पर कंगना रनौत हैं, वे प्रकृति से ऑक्सीजन लूटने पर बड़ी नाराज हैं। अरे साहब, वो तो हमारी गंगा जी को ही नाइजीरिया ले गई। भगीरथ कितनी मुश्किल से लाए थे।

खैर, ऑक्सीजन है क्या? अरे, बोला न नहीं है। बुलाएं क्या बाबा रामदेव को। अभी अनुलोम विलोम से इतनी ऑक्सीजन मचा देंगे कि हो सकता है फिर तुम हाइड्रोजन मांगने लगो। जी गलती हो गई, लेकिन आप बाबा जी को मत बुलाइए, वो देखिए डॉक्टर भागने लगे हैं। डॉक्टर बेचारे पहले ही परेशान हैं कोरोना का इलाज कर करके। अरे हजार डॉक्टरों की मौत के बाद भी उन्हें सम्मान नहीं दे सकते तो अपमान तो मत कीजिए। आपको अपनी दवा बेचनी है तो बेचिए। और हां, दवा से याद आया दवा है क्या? नहीं दवा तो नहीं है कोरोनिल है, चाहिए। क्या कारोनिल दवा नहीं है? किसकी? अरे छोड़ो यार, चलो गाय के गोबर से सामूहिक स्नान करते हैं। कुंभ में किया था ना सामूहिक स्नान। लेकिन यहां गाय के गोबर से स्नान की बात हो रही है। क्या गौमूत्र पान से काम नहीं चलेगा। ऑक्सीजन नहीं होगी, वैक्सीन, दवाएं भी नहीं होंगी, अस्पताल नहीं होंगे और फिर रोटी भी नहीं होगी तो गौमूत्र से कैसे इंकार करेंगे। अच्छा तब तक यज्ञ-हवन से काम चलाओ। अब यज्ञ-हवन क्यों? अमेरिका में तो चुनाव हो लिया। नहीं, यह हवन कोरोना पर जीत के लिए है। अरे यार, ट्रंप को तो जीत दिला नहीं पाए। हमें क्या जीत दिलाओगे। छोड़ो।

टीकाकरण की बदलिए रणनीति

दुनिया में वैक्सीन के सबसे बड़े उत्पादक देश के रूप में प्रतिष्ठित भारत कोविड-19 की इस घातक दूसरी लहर में अपनी योग्य आबादी के टीकाकरण के लिए संघर्ष कर रहा है। कोरोना की यह लहर न सिर्फ लोगों की जान ले रही है, बल्कि उनकी आजीविका को भी लील रही है। इससे हमारी अर्थव्यवस्था गंभीर रूप से प्रभावित हुई है, जिसमें कुछ महीने पहले सुधार के संकेत दिखे थे। देश में दो टीकों की मंजूरी और संक्रमण के मामले में सबसे निचले स्तर पर पहुंचने के कारण साल 2021 की एक आशाजनक शुरुआत हुई थी। लेकिन अब हम दुनिया में सबसे अधिक कोविड मामलों से मुकाबिल हैं, और इससे भी अहम बात यह है कि इस बार मौत का आंकड़ा काफी बढ़ गया है। पहली लहर में वायरस ने अमूमन बुजुर्गों और अन्य बीमारियों से ग्रसित लोगों को अधिक निशाना बनाया था, लेकिन इस बार इसने नौजवानों की भी जान ली है। मरने वाले 20 फीसदी लोगों की उम्र 45 साल से कम है। यह टीकाकरण की हमारी रणनीति के लिए एक बड़ी चुनौती है। जनवरी के मध्य में जब भारत ने टीकाकरण अभियान की शुरुआत की थी, तब हमने उम्र-आधारित रणनीति अपनाई और अग्रिम मोर्चे पर तैनात स्वास्थ्यकर्मियों को टीका लगाया। 1 फरवरी से 60 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए, 1 मार्च से 45 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए और 1 मई से 18 साल व इससे अधिक उम्र के लिए टीकाकरण शुरू करने की घोषणा की गई। हालांकि, हमें जल्द ही यह एहसास हो गया कि ऐसा संभव नहीं है, क्योंकि हमारी वयस्क आबादी को टीका लगाने के लिए टीके की जितनी खुराक चाहिए, उतनी हमारे पास नहीं है। सरकार का अनुमान है कि इसके लिए 2.2 अरब खुराक की जरूरत है, जो दिसंबर तक तैयार की जा सकती है। पर कई लोग इसे अति-महत्वाकांक्षी और सच से मुंह फेरने जैसा आकलन बता रहे हैं। निजी क्षेत्र का मानना है कि कोविशील्ड, कोवैक्सीन, स्पूतनिक-वी, जाइकोव-डी, नोवावैक्स व जेऐंडजे मिलकर दिसंबर, 2021 तक आधा या लगभग 1.2 अरब खुराक ही पूरी कर सकते हैं, जबकि फाइजर, स्पूतनिक और मॉडर्ना से संभवतः 10-20 करोड़ खुराकें आयात की जा सकती हैं। इससे ज्यादा तो कतई संभव नहीं है।

> टीके की कमी को देखते हुए हमें टीकाकरण के लिए लक्षित प्राथमिकता तय करनी होगी। यही अभी की सही रणनीति होगी।

ऐसे में, हमारी चुनौती टीकाकरण की ऐसी रणनीति तैयार करने की है, जो न सिर्फ जोखिम वाले लोगों की जान बचाए, बल्कि संक्रमण के प्रसार पर भी लगाम लगाए। अंतिम जनगणना के मुताबिक, 63 फीसदी आबादी 18 वर्ष से अधिक उम्र की है, और इसीलिए वह टीकाकरण के योग्य है। इसका मतलब है कि हमें देश भर में लगभग 82 करोड़ लोगों को टीका लगाने की जरूरत है। अगर हम मान लें कि 18 करोड़ लोगों ने टीके की कम से कम एक खुराक ले ली है, तब भी 64 करोड़ लोग अभी टीके से दूर हैं। चूंकि 'हर्ड इम्यूनिटी' के लिए 70 फीसदी आबादी को टीके की दोनों खुराकें लगनी चाहिए, इसलिए अब करीब 45 करोड़ लोगों का टीकाकरण जरूरी है, जिसके लिए हमें 90 करोड़ खुराक की दरकार है। इसीलिए, मौजूदा उत्पादन भी हमें साल के अंत तक सुरक्षित स्थिति में पहुंचने और तीसरी लहर को टालने में मदद कर सकता है। और, जनवरी 2022 से हम 20 करोड़ मासिक के हिसाब से बूस्टर डोज देना भी शुरू कर सकते हैं।

इसी तरह, अगर हम सुनिश्चित करना चाहते हैं कि टीके की एक भी खुराक बरबाद न हो, तो हमें इसके भंडारण, ढुलाई आदि की व्यवस्था दुरुस्त करनी होगी, और यह तभी हो सकता है, जब केंद्रीय व्यवस्था के उलट यह जिम्मा राज्यों को दिया जाए। अभी केंद्र सरकार ने एक मॉडल की घोषणा ही है, जिसमें 50 फीसदी खरीद केंद्र करेगा, जबकि शेष राज्य सरकारें और निजी क्षेत्र। निश्चय ही, राज्यों में टीके की खरीद और साझा जिम्मेदारियों के साथ उसके वितरण संबंधी सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) का यह मॉडल टीकाकरण में कारगर साबित होगा। जरूरत महामारी विज्ञान के हिसाब से टीकाकरण को आगे बढ़ाने की भी है। जब टीके कम हों, तब न्यायसंगत वितरण के बजाय हमें उसका इस तरह बंटवारा करना चाहिए कि वह अधिक से अधिक प्रभावी साबित हो। जैसे, हमें जिलावार जनसंख्या घनत्व, संक्रमण के मामले, मृत्यु दर और दोगुने होने की दर जैसे मानकों के आधार पर टीकाकरण की प्राथमिकता तय करनी चाहिए। इसके बाद जोखिम और संक्रमण के हिसाब से जिस व्यवसाय को खतरा ज्यादा है, उसके कर्मियों को तवज्जो देनी चाहिए। यदि हम कर्नाटक को एक उदाहरण मानें, तो बेंगलुरु को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी, जिसके बाद मैसूर, बेल्लारी, दक्षिण कन्नड़ जिले, धारवाड़ जैसे इलाके होंगे। महाराष्ट्र में मुंबई, पुणे, नासिक, औरंगाबाद का नंबर पहले आएगा। पंजाब में लुधियाना, अमृतसर, पटियाला जैसे इलाकों को प्राथमिकता मिलेगी।

कर्नाटक में 50 फीसदी टीके बेंगलुरु और शेष टीके तेज संक्रमण वाले जिलों में भेजना सही रणनीति होगी। हर व्यक्ति को कम से कम एक खुराक देने के लिए कर्नाटक को अगले तीन माह तक 50 लाख खुराक प्रति महीने के हिसाब से टीके चाहिए। इससे हम संक्रमण का प्रसार थाम सकते हैं। एक महीने में 50 लाख खुराक देने के लिए हमें राज्य में रोजाना 1.5 लाख टीकाकरण करना होगा। अगर बेंगलुरु को हर महीने 25 लाख लोगों को टीका लगना है, तो वहां 500 टीकाकरण केंद्र की जरूरत होगी, जहां हर दिन 100-250 खुराकें बांटी जाएं। मलिन बस्तियों, स्थानीय बाजारों और निर्माण स्थलों में प्रतिदिन 1,000 खुराक लगाने के लिए सामूहिक टीकाकरण शिविर भी लगाए जा सकते हैं। इससे न सिर्फ टीकाकरण में तेजी आएगी, बल्कि टीके को लेकर लोगों की झिझक भी कम होगी। व्यवसाय आधारित वर्गों में डिलिवरी करने वाले कर्मी, कैब ड्राइवर, दुकानदार, दुकान-कर्मचारी, निर्माण-कार्य में जुटे मजदूर आदि को प्राथमिकता दी जा सकती है। इसके बाद ऊंची-ऊंची इमारतों में रहने वाले लोग, गेटेड सोसाइटी और फिर बिल्डर फ्लैट में अकेले रहने वाले लोगों का टीकाकरण किया जा सकता है। एक बार जब शहर सुरक्षित हो जाएं, तब उसके बाद शहरों में आने-जाने वाले रास्तों पर, और अंत में राज्य के बाकी हिस्से में सघन टीकाकरण अभियान चलाया जा सकता है। यह मॉडल पूरे देश में अपनाया जा सकता है। टीके की कमी को देखते हुए हमें टीकाकरण के लिए लक्षित प्राथमिकता तय करनी होगी। यही अभी की सही रणनीति होगी।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

सरकार और किसान के बीच संवाद का यह सही वक्त

किसान आंदोलन को चलते-चलते छह महीने पूरे हो गए हैं। ऐसा लगता था कि शाहीन बाग आंदोलन की तरह यह भी कोरोना के रेले में बह जाएगा लेकिन पंजाब, हरियाणा और पश्चिम उत्तर प्रदेश के किसान अबतक अपनी टेक पर टिके हुए हैं। उन्होंने आंदोलन के छह महीने पूरे होने पर विरोध-दिवस आयोजित किया। जो खबरें आई, उनसे ऐसा लगता है कि यह आंदोलन सिर्फ ढाई प्रांतों में सिकुड़कर रह गया है। पंजाब, हरियाणा और आधा उत्तर प्रदेश। इन प्रदेशों के भी सारे किसानों में यह फैल पाया है नहीं, यह भी नहीं कहा जा सकता। यह आंदोलन तो चौधरी चरण सिंह के प्रदर्शन के मुकाबले भी फीका ही रहा है। उनके आह्वान पर दिल्ली में लाखों किसान इंडिया गेट पर जमा हो गए थे।

दूसरे शब्दों में शक पैदा होता है कि यह आंदोलन सिर्फ खाते-पीते या मालदार किसानों तक ही तो सीमित नहीं है? यह आंदोलन जिन तीन नए कृषि-कानूनों का विरोध कर रहा है, यदि देश के सारे किसान उसके साथ होते तो अभीतक सरकार घुटने टेक चुकी होती लेकिन सरकार ने काफी संयम से काम लिया है। उसने किसान-नेताओं से कई बार खुलकर बात की है। अब भी उसने बातचीत के दरवाजे बंद नहीं किए हैं।

किसान नेताओं को अपनी मांगों के लिए आंदोलन करने का पूरा अधिकार है लेकिन उन्होंने जिस तरह से भी छोटे-मोटे विरोध-प्रदर्शन किए हैं, उनमें कोरोना की सख्तियों का पूरा उल्लंघन हुआ है। सैकड़ों लोगों ने न तो शारीरिक दूरी रखी और न ही मुखपट्टी लगाई। पिछले कई हफ्तों से वे गांवों और कस्बों के रास्तों पर भी कब्जा किए हुए हैं। इसीलिए आम जनता की सहानुभूति भी उनके साथ घटती जा रही है।

हमारे विरोधी नेताओं को भी इस किसान विरोध-दिवस ने बेनकाब कर दिया है। वे कुंभ-मेले और प.बंगाल के चुनावों के लिए भाजपा को कोस रहे थे, अब वही काम वे भी कर रहे हैं। उन्हें तो किसान नेताओं को पटाना है, उसकी कीमत चाहे जो भी हो। कई प्रदर्शनकारी किसान पहले भयंकर ठंड में अपने प्राण गंवा चुके हैं और अब गर्मी में कई लोग बेमौत मरेंगे। किसानों को उकसाने वाले हमारे नेताओं को किसानों की जिंदगी से कुछ लेना-देना नहीं है। सरकार का पूरा ध्यान कोरोना-युद्ध में लगा हुआ है लेकिन उसका यह कर्तव्य है कि वह किसान-नेताओं की बात भी ध्यान से सुने और जल्दी सुने। देश के किसानों ने इस वर्ष अपूर्व उपज पैदा की है, जबकि शेष सारे उद्योग-धंधे ठप्प पड़े हुए हैं। सरकार और किसान नेताओं के बीच संवाद फिर से शुरू करने का यह सही वक्त अभी ही है।

डिजिटल कारोबार का लाभप्रद परिदृश्य

कोरोना महामारी के दौर में कई लोगों ने झोलाछाप ड़ॉक्टरों को लेकर सकारात्मक बातें कही हैं। कइयों ने तो बाकायदा यह दलील तक दी कि गांवों में मौतों का आंकड़ा कम होने के पीछे झोलाछाप ड़ॉक्टरों की भूमिका है जबकि हकीकत इससे बिल्कुल उलट है। झोलाछाप ड़ॉक्टर कभी बेहतर इलाज कर ही नहीं सकते। हांग यह बात सच है कि हमारे देश में प्रशिक्षित ड़ॉक्टर कम हैं और गांवों में इनकी ज्यादा कमी है। इसके बावजूद अगर तरीके से स्वास्थ्य सुविधाओं पर काम किया जाए तो कम ड़ॉक्टरों के बावजूद इलाज की व्यवस्था बेहतरीन हो सकती है।

फर्ज कीजिए कि किसी शख्स को ऑक्सीजन की आवश्यकता है तो ऑक्सीजन सिलेंडर के बदले में ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मान्य एवं समतुल्य है परंतु ऑक्सीजन के बदले में नाइट्रस ऑक्साइड नहीं दे सकते। सनद रहे नाइट्रस ऑक्साइड बेहोशी की दवा है। खैर! भारत में पिछले एक दशक से स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में मानव संसाधन की कमी को पूरा करने की कवायद चल रही है परंतु इसके लिए अप्रशिक्षित झोलाछाप डॉक्टरों को योग्य एवं प्रशिक्षित डॉक्टर के समकक्ष बनाने का प्रयास गैर-जिम्मेदाराना एवं खतरनाक है। यह मेरी दृष्टि में ऑक्सीजन की कमी को नाइट्रस ऑक्साइड से पूरा करने जैसा है। दूसरी ओर कुछ उलटबासियां भी भारतीय स्वास्थ्य सेवाओं का अहम हिस्सा हैं। उदाहरण के लिए स्वास्थ्य सेवाओं विशेषकर सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में डिप्लोमाधारी डॉक्टर को डिग्रीधारी डॉक्टर के समकक्ष तब भी नहीं माना जाता जब डिप्लोमाधारी डॉक्टर डिग्रीधारी से 10 वर्ष का ज्यादा अनुभव रखता हो जबकि डिग्रीधारी डॉक्टर की जगह डिप्लोमाधारी डॉक्टर का उपयोग ऑक्सीजन सिलेंडर की जगह ऑक्सीजन कंसंट्रेटर के उपयोग की तरह है। यह बात स्वास्थ्य सेवाओं में नायकत्व का जीवंत उदाहरण है। कौशल का प्रशिक्षण एवं कुशल व्यक्ति को चिह्नित करना एवं प्रमाणपत्र देना। कुछ झोलाछाप डॉक्टरों में भी कुछ कौशल है। उन्हें चिह्नित कर प्रमाणपत्र प्रदान करना चाहिए एवं उनका उस कार्य के लिए उपयोग करना चाहिए। मैं तो ऐसा भी प्रमाणपत्र देने के लिए भी तैयार हूं, 'वयस्क का ब्लड प्रेशर मापने के लिए प्रशिक्षित' क्योंकि बच्चों का ब्लड प्रेशर मापना कोई बच्चों का खेल नहीं है! कौशल की सीमाएं पार कर कार्य करने पर कठोर कार्रवाई हो। गांव में 'ट्रेंड दाई' के पद से विभूषित स्वास्थ्य कर्मी-स्त्री रोग विशेषज्ञ की तरह कार्य करेंगी तो खतरनाक होगा। प्रत्येक क्षेत्र की तरह इस क्षेत्र में भी प्रतिभाओं को ढूंढना पड़ेगा और प्रशिक्षित करना पड़ेगा।

भारत में कुछ वर्ष पहले तक क्रिकेट में फास्ट बॉलर उपलब्ध नहीं थे। एमआरएफ पेस फाउंडेशन ने प्रतिभाओं को ढूंढा। उन्हें प्रख्यात फास्ट बॉलर डेनिस लिली द्वारा प्रशिक्षित कराया। नतीजा सामने है। भारत में अब चोटी के फास्ट बॉलर हैं। बस प्रयास की आवश्यकता है। प्रशिक्षण के लिए मानदंड स्थापित हों। प्रशिक्षण के लिए संस्थाएं स्थापित एवं विकसित हों तथा संस्थाएं भ्रष्टाचार से मुक्त हों। इग्नू इस दिशा में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में थोड़ा प्रयास कर रहा है। उन प्रयासों को विस्तार देना होगा एवं नई संस्थाएं स्थापित करनी होंगी।

क्रॉस पैथी-जैसे होम्योपैथी के प्रशिक्षित डॉक्टर द्वारा एलोपैथी चिकित्सा या आयुर्वेद के डॉक्टर द्वारा एलोपैथी चिकित्सा के सवाल पर मेरा मत स्पष्ट है। कौशल विशिष्ट प्रमाणपत्र एवं यदि आवश्यक हो तो प्रशिक्षण। एलोपैथी के डॉक्टर द्वारा होम्योपैथी या आयुर्वेद प्रैक्टिस करने पर भी कौशल विशिष्ट प्रमाणपत्र एवं प्रशिक्षण की व्यवस्था हो। आयुर्वेद के भी प्रशिक्षित डॉक्टर हैं और होम्योपैथी के भी प्रशिक्षित डॉक्टर हैं परंतु जैसे एलोपैथी के झोलाछाप डॉक्टर हैं वैसे ही आयुर्वेद एवं होम्योपैथी के भी झोलाछाप डॉक्टर हैं। दोनों को एक ही तराजू में तोलना घोर अन्याय है। स्वास्थ्यकर्मी में संवेदनशीलता, सहिष्णुता एवं संवाद की क्षमता का भी विकास किया जाए। यह भी महझवपूर्ण कौशल होगा।

प्रोटोकॉल की अहम भूमिका-प्रोटोकॉल स्पष्ट हो तो कम योग्यता में भी कार्य आसानी से संपादित हो जाता है। सामूहिक कार्यक्षमता में वृद्धि होती है। त्रुटि की संभावना कम हो जाती है। प्रोटोकॉल के अभाव में त्रुटि का आरोप सरल हो जाता है। प्रोटोकॉल कई स्तर पर विकसित किए जा सकते हैं। केंद्र के स्तर परग राज्य के स्तर पर, जिले के स्तर पर। मेरा तो सुझाव है कि जनता कुछ छोटी-छोटी समितियां बनाए-एक तरह का क्लब बनाए-एक तरह की मानसिकता एवं सामाजिक स्तर के लोग साथ आएं और-स्वास्थ्य उपभोक्ता समितियों का निर्माण करें। ये समितियां स्थानीय प्रशासन की मदद से आम/प्रचलित बीमारियों का प्रोटोकॉल तैयार कर लें।

झोलाछाप डॉक्टर से बेहतर नर्स एवं पैरामेडिकल स्टाफ-बीएससी नर्सों को आसानी से फिजीशियन असिस्टेंट बनाया जा सकता है। झोलाछाप डॉक्टरों से सौ दर्जे बेहतर प्रमाणित होंगे ये लोग। एक अच्छी नर्स (एएनएम, जीएनएम, बीएससी) की उपलब्धता डोमिसिलियरी ट्रीटमेंट को नई ऊंचाइयां दे सकेगी, अस्पताल पर दबाव कम होगा, खर्च भी कम आएगा। तकनीक एवं टेलीमेडिसिन की भूमिका तकनीक कौशल को सरल बना सकती है।

आतथक ढांचा-केंद्र और राज्य सरकारें जनस्वास्थ्य सेवाओं में अपनी भागीदारी बढ़ाएं। जीडीपी का एक बेहतर हिस्सा प्रदान करें।

वैधानिक व्यवस्था-सिक्योरिटीज अपीलेट ट्रिब्यूनल-जिस तरह शेयर मार्केट के लिए गठित की गई है, वैसे ही स्वास्थ्य सेवा ट्रिब्यूनल की तत्काल स्थापना हो अन्यथा कानूनी दांवपेच में उलझ कर स्वास्थ्य के मानव संसाधन की योजना दम तोड़ देगी।

जनता की भागीदारी एवं सहयोग-जनता की शिक्षा विशेषकर महिलाओं की शिक्षा की स्वास्थ्य के जन आंदोलन में बड़ी भूमिका होगी। स्वास्थ्यकतमयों के प्रति हिंसक व्यवहार अक्षम्य एवं दंडनीय हो। जनता का हिंसक व्यवहार क्षेत्र से प्रतिभाओं को दूर धकेल देगा। वैसे ही स्वास्थ्य व्यवस्था काफी दबाव में है। कोरोना काल में स्पष्ट हो गया है कि ज्यादातर समस्याओं के लिए स्वास्थ्यकर्मी जिम्मेदार नहीं हैं।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

भिंड : एक युवक ने गोली मारकर कर ली आत्महत्या

भिण्ड। देहात थाना क्षेत्रांतर्गत जोशी नगर में एक युवक ने अपने आप को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। जिसकी सूचना परिजनों ने पुलिस को दी, मौके पर पहुंचकर शव को पीएम के लिए भेजकर परिजनों के सुर्पुद कर दिया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर विवेचना में लिया है। पुलिस के अनुसार शुक्रवार दोपहर 12.20 बजे राज यादव पुत्र बाबूसिंह यादव निवासी जोशी नगर ने घर के अंदर कमरे में अवैध कट्टे से गोली मारकर आत्महत्या ली, जिसकी सूचना मिलते ही घटना स्थल पुलिस पहुंच गई और शव को लेकर जिला अस्पताल पहुंची, जिसके बाद पीएम कराकर परिजनों के सुर्पुद कर दिया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर विवेचना में लिया है।

राजगढ़ : 70 वर्षीय बुजुर्ग की लट्ठ मारकर हत्या

राजगढ़। जिले के बोड़ा क्षेत्र के तूती; तुलसीनगर गांव में शुक्रवार सुबह 8 बजे सुरेश पिता चंदर सिंह राजपूत तूती ने मृतक 70 वर्षीय बुजुर्ग प्रभुलाल पिता प्रताप वर्मा को खेत पर बुलाकर दारू पार्टी की ओर सुरेश ओर प्रभुलाल किसी बात पर विवाद हो गया तो सुरेश राजपूत ने 70 वर्षीय बुजुर्ग को लट्ठ मारकर हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी सुरेश राजपूत फरार होने में कामयाब हो गया । घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची 100 डायल ओर बोड़ा पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। दिनदहाड़े हुई हत्या की वारदात के बाद सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की तफ्तीश में जुट गई है। बोड़ा पुलिस ने फिलहाल बुजुर्ग के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और पोस्टमार्टम होने के बाद शव को परिजनों को सौप दिया और आरोपी की तलाश में जुट गई है।

इंदौर : आंधी में उड़ा टीन नाबालिग के सिर में लगा, मौत

इंदौर। गुरुवार शाम शहर में चली तेज आंधी और बारिश में एक नाबालिग की जान चली गई। वह अपनी झोपड़ी में बैठा था। उसी दौरान आंधी की वजह से झोपड़ी की टीन उड़ी और नाबालिग के सिर में लग गई। मामला गांधीनगर थाना क्षेत्र के पावर हाउस के पीछे झोपड़पट्टी का है। मृतक का नाम सोनू पिता जगदीश गावड़ (17) साल है। परिवार मूलरूप से झाबुआ का रहने वाला है, जो इंदौर में झोपड़पट्टी में रहकर मजदूरी करता है। गुरुवार शाम सोनू झोपड़ी में माता-पिता के साथ बैठा था। उसी दौरान तेज हवा और आंधी की वजह से उसकी झोपड़ी गिर गई और ऊपर लगी टीन से सोनू के सिर में गंभीर चोट लगी। उसे अस्पताल ले गए लेकिन तब तक उसकी मौत हो गई थी।

डबरा: अवैध उत्खनन कर रहीं दो पनडुब्बियां कराई नष्ट

डबरा। लंबे समय से पुलिस की अनदेखी से नदी की गहरी से रेत निकालकर सिंध नदी को खोखला कर चुकी पनडुब्बियां इन दिन पुलिस के निशाने पर है, हालांकि पुलिस द्वारा वर्तमान में भी कार्रवाई की रस्म अदायगी की जा रही है, इसके पीछे जो कारण है, वह भविष्य के गर्त में है, वैसे भी जिन घाटों पर दर्जनो पनडुब्बियां चलती हो, वहां एक दो पनडुब्बी नष्ट किया जाना, कार्रवाई की औपचारिकता ही है। शुक्रवार एसडीओपी डबरा के नेतृत्व में सिंध नदी की रेत उगलने वाले कैथोंदा एंव बाबूपुर घाट पर एक एक पनडुब्बी नष्ट करते हुए पुलिस ने पनडुब्बियों के खिलाफ अपना अभियान जारी रखा है। शुक्रवार कोएसडीओपी विवेक शर्मा और पिछोर थाना प्रभारी रमेश शाक्य के नेतृत्व में कैथोंदा और बाबूपुर घाट पर मिली दो पनडुब्बियों दोनों को जलाकर नष्ट कर दिया गया।

भिंड: दो युवकों की चंबल नदी में डूबने से मौत

भिण्ड। अटेर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले चंबल नदी के अटेर घाट पर नहाने के दौरान दो युवकों की डूबने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार रिश्तों में चार जिगरी दोस्त जो कि हिम्मतपुरा अपने मामा के घर आये हुये थे, चारों युवां जिनमें राजू राठौर, अर्जुन राठौर निवासी अंबाह, ब्रज राठौर निवासी गुडगाँव तथा रामनिवास राठौर एवं शौभारम राठौर उम्र 22 वर्ष निवासी हिम्मतपुरा चंबल नदी में अटेर घाट तें नहाने के लिये घर से लगभग दो बजे निकले थे, लेकिन नदी पर पहुँचते ही चारों लोगों ने गहरे गड्डों को न देखते हुये चंबल नदी में छलाँग लगा दी, जिससे दो लोग गहरे गड्ढों में चले गए, चारवाहों ने एक को बचा लिया और तत्काल इसकी सूचना अटेर पुलिस को दी तभी अटेर थाने पुलिस ने पहुँचकर रेस्क्यू प्रारंभ कराया गया, जहाँ एक अर्जुन राठौर की मौत हो गई वहीं एक अन्य की तलाश जारी है।

रायपुर: पतंजलि गुरुकुल से छुड़ाए गए छग के चार बच्चे

रायपुर। पतंजलि गरुकुल में बंधक बनाए गए छत्तीसगढ़ के चार छात्रों को छुड़ाए जाने की मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ट्वीट कर जानकारी दी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि बंधन बनाए बच्चों को गरियाबंद कलेक्टर और एसपी की पहल पर छोड़ दिया गया है। दरअसल, पूरा मामला पतंजलि गुरुकुलम हरिद्वार स्थित वैदिक कन्या गुरुकुलम स्कूल का है, जहां पतंजलि गुरुकुल स्कूल प्रबंधन ने छत्तीसगढ़ के 4 बच्चों को रोककर रखा था। गरियाबंद जिले के इन बच्चों परिजनों से सिक्योरिटी मनी के नाम पर 2 लाख रुपए जमा करा रहा था। पैसा जमा नहीं करने पर बच्चों को स्कूल से आने नहीं दिया जा रहा था। मामले की शिकायत मुख्यमंत्री भूपेश बघेल तक पहुंच गई थी।

बाजार बंद कराने पर विवाद, भीड़ ने पुलिसकर्मी को दौड़ाकर पीटा

छतरपुर जिले के बमीठा थाना क्षेत्र के ग्राम झमटुली का मामला

छतरपुर, (एजेंसी)। बमीठा थाना क्षेत्र के ग्राम झमटुली में छतरपुर पुलिस के एक आरक्षक के साथ भीड़ के द्वारा दौड़ा-दौड़ाकर मारपीट करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मारपीट का वीडियो विचलित करने वाला है। इस वीडियो में दिख रहा है कि आरक्षक के पीछे एक दर्जन से ज्यादा लोग डण्डा लेकर दौड़ रहे हैं। किसी तरह वह जान बचाने के लिए एक घर में घुसता है जहां भीड़ उस पर टूट पड़ती है। भीड़ के द्वारा डण्डों से सिपाही की मारपीट की जाती है और फिर लोग मौके से भाग जाते हैं।

ये है मामला : दरअसल बमीठा थाने की पुलिस क्षेत्र के ग्राम झमटुली में कोरोना कर्फ्यू का पालन कराने पहुंची थी। शुक्रवार को झमटुली में बाजार लगता है। बाजार में भीड़ को रोकने के लिए डायल 100 में मौजूद ड्राइवर और एक सिपाही यहां पहुंचते हैं। यहां लोगों को दुकानें बंद करने की समझाइश देते हैं। हल्लनपुरी नामक एक व्यक्ति दुकान बंद करने से मना करता है तो सिपाही संतराम उसे डण्डा मार देते हैं। डण्डे की चोट के कारण पहले से नशे में मौजूद हल्लन के सिर से खून निकल आता है और खून को बहता देख हल्लन सहित अन्य लोग डण्डा लेकर पुलिस की ओर दौड़ पड़ते हैं। डायल 100 का ड्राईवर जान बचाने के लिए गाड़ी लेकर भाग जाता है लेकिन आरक्षक संतराम भीड़ ने नहीं बच पाते। भीड़ उन्हें दौड़ाते हुए खदेड़ती रहती है। इसी बीच एक घर में शरण के लिए घुसे संतराम पर पीछे से पहुंची भीड़ जमकर डण्डे बरसाती है। किसी तरह आसपास के लोग जमा होते हैं और मारपीट कर रहे लोगों को मौके से भगाते हैं।

इनका कहना है...

कोरोना कर्फ्यू का पालन कराने झमटुली गई पुलिस पर हमले की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पुलिस बल भेजा गया है। घायल आरक्षक का इलाज कराने के बाद मारपीट करने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

संदीप दीक्षित
थाना प्रभारी बमीठा

आर्मी इंटेलीजेसी ने आर्मी की वर्दी पहने एक संदिग्ध को पकड़ा

सागर, (एजेंसी)। आर्मी इंटेलीजेसी और पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। सागर में सेना की वर्दी पहने हुए एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। इस संदिग्ध युवक के पास से सेना के जुड़े कुछ फर्जी दस्तावेज भी बरामद किये गये हैं। पकड़े गये संदिग्ध युवक से पुलिस पूछताछ कर रही है।

थाना से मिली जानकारी के मुताबिक यह संदिग्ध युवक लंबे समय से आर्मी की ड्रेस पहनकर आसपास के क्षेत्रों में घूमा करता था। इसी के चलते युवक पर लगातार नजर रखी जा रही थी। आर्मी इंटेलिजेंस ने युवक को पुलिस के सुपुर्द कर दिया है पुलिस द्वारा संदिग्ध युवक से पूछताछ की जा रही है। जानकारी के मुताबिक पकड़े गए युवक की पहचान करन कुमार पिता मदन लाल निवासी अशोक रोड सदर सागर के रूप में हुई है। युवक के पास से पुलिस ने दो चाकू भी बरामद किए हैं। उसके पास से एक एटीएम व भाई के नाम महेंद्र कुमार के नाम का कैंटीन कार्ड व मां भारती बाई के नाम से एक सेना का कार्ड मिला है।

ग्वालियर में सेक्स रैकेट का खुलासा पार्लर संचालिका व पांच युवतियां धराई

ग्वालियर (एजेंसी)।

पुलिस ने ऑर्गेनिक ब्यूटी एंड सैलून स्पा सेंटर में सेक्स रैकेट पकड़ा है। यहां शहर की लड़कियों को कॉल गर्ल बनाकर पेश किया जा रहा था। पुलिस ने स्पा सेंटर की आड़ में चल रहे इस सेक्स रैकेट के अड्डे से पांच लड़कियों के अलावा रैकेट की मास्टर माइंड महिला को भी हिरासत में लिया है। पुलिस ने यह कार्रवाई शुक्रवार शाम गोविंदपुरी रोड पर की है।

विश्वविद्यालय थाना पुलिस को कुछ दिन से मुखबिर के द्वारा सूचना मिल रही थी कि सिटी सेंटर के गोविंदपुरी स्थित जीटीवी टॉवर बिल्डिंग में द ऑर्गेनिक ब्यूटी एंड सैलून स्पा सेंटर की आड़ में सेक्स रैकेट चलाया जा रहा है। पुलिस ने इस सूचना की पुष्टि करने के लिए एक पुलिसकर्मी को कस्टमर बनाकर स्पा सेंटर में भेजा। यहां कस्टमर बनकर पहुंचे पुलिसकर्मी से अंदर बैठी एक आयशा नाम की महिला ने कॉल गर्ल के लिए डील की। कस्टमर बनकर गए पुलिसकर्मी को अंदर युवतियां दिखाई गईं। जब यह साफ हो गया कि स्पा सेंटर की आड़ में धंधा चल रहा है तो पुलिसकर्मी ने अपनी टीम को संकेत दिया। जिसके बाद एएसपी हितिका वासल के निर्देश पर पहले से तैयार खड़ी टीम ने स्पा सेंटर पर रेड मारी। जहां पांच युवतियां और इस स्पा सेक्स रैकेट की मास्टरमाइंड महिला को हिरासत में लिया गया। साथ ही स्पा सेंटर से 15 हजार रुपए नकद बरामद हुए। स्पा सेंटर से पकड़ी गई पांच युवतियों और महिला को विश्वविद्यालय थाना लाकर मामला दर्ज किया जा रहा है। स्पा सेंटर के अंदर से बरामद लड़कियों की उम्र 20 से 24 साल के बीच है। एक लड़की पूनम (बदला हुआ नाम) जिसकी उम्र 20 साल है। वह खुद को शहर के एक बड़े कॉलेज की छात्रा बता रही है।

होशंगाबाद के खनन माफिया ने नरसिंहपुर में मचाया उत्पात

फायरिंग कर निजी कंपनी के दो कर्मचारियों को किया अगवा

अवैध खनन से रोका तो कर्मचारियों को पीटा

नरसिंहपुर, (एजेंसी)। शुक्रवार देर रात होशंगाबाद के रेत माफिया ने सालीचौका क्षेत्र की दूधी नदी खदान में जिले की अधिकृत रेत खनन कंपनी के कर्मचारियों के साथ लाठी-डंडों से मारपीट की। जिससे कर्मचारी लहूलुहान हो गए। इस दौरान फायरिंग भी की गई, बताया जा रहा है कि होशंगाबाद के माफिया धनलक्ष्मी के दो कर्मचारियों का अपहरण करके ले गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस बल मौके पर पहुंच गया है। क्षेत्र में तनाव के हालात पैदा हो गए हैं।

जानकारी के अनुसार दूधी नदी की रेत खदान पर अवैध कब्जे और अवैध खनन को लेकर लंबे समय से होशंगाबाद जिले में सक्रिय आरकेटीसी कंपनी के लोग सक्रिय हैं। वे सालीचौका क्षेत्र के कुछ पुराने खननकर्ताओं को आश्रय देकर जिले में अशांत माहौल पैदा करने में जुटे हैं। पहले भी बेदर खदान से अवैध रास्ते को लेकर विवाद हो चुका है। पुलिसबल की तैनाती तक करनी पड़ी थी। कुछ दिन पहले ही मालहन बाड़ा की रॉयल्टी पर्ची पर होशंगाबाद की रेत सप्लाई का मामला सुर्खियों में रहा था। तभी से आशंका जताई जाने लगी थी, कि जिले में होशंगाबाद के माफिया कोई बड़ा घटनाक्रम अंजाम देने की फिराक में हैं। इस बात की जानकारी होने के बावजूद जिला प्रशासन ने एहतियातन कोई सख्त कदम नहीं उठाया। इसका परिणाम शुक्रवार रात दूधी नदी खदान में हुई फायरिंग और अपहरण की घटना है।

बताया जा रहा है कि केकरा गांव में धनलक्ष्मी के कर्मचारियों को जानकारी लगी कि कुछ लोग दूधी खदान से रेत चोरी कर रहे हैं, तो कंपनी के कर्मी इसकी पड़ताल करने पहुंचे। ये देख माफिया के लोगों ने फायरिंग कर दी। इस संबंध में सालीचौका चौकी प्रभारी पीयूष साहू ने बताया कि घटनाक्रम की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दे दी गई है। घटना की जांच की जा रही है

शहडोल में कोयला जब्त करने गई टीम पर पथराव

शहडोल । एसईसीएल सोहागपुर एरिया की कोयला खदानों में कोयला चोरी रोकने को लेकर जिस तरह से सुरक्षा विभाग एवं एसआईएस एफ के द्वारा कार्रवाई की जा रही है। विभाग को यह सूचना मिल रही थी कि करकटी मार्ग के अगल-बगल भारी मात्रा में चोरी का कोयला एकत्र किया गया है और इसी को लेकर शुक्रवार को विभागीय टीम कोयला जप्त करने के लिए मौके पर पहुंची, इस टीम में एसआई ब्रह्मानंद दुबे के साथ सुरक्षा बल के जवान भी शामिल थे, लेकिन जैसे ही कार्यवाही को लेकर टीम मौके पर पहुंची, यहां पर झाड़ियों में लुके कोयला चोरों ने पथराव शुरू कर दिया, लेकिन सुरक्षा विभाग की टीम मौके से नहीं हटी और थोड़ा देर बाद कोयला चोर भागने में सफल हो गए, लेकिन यहां पर सुरक्षा विभाग की टीम ने करीब 40 बोरी कोयले को जब्ती बनाने में सफलता पा ली।

प्रेमिका के साथ बंद कमरे में मिला पति, पत्नी ने दोनों को पीटा, वीडियो वायरल

उज्जैन। उज्जैन से करीब 50 किमी दूर पति पत्नी और वो का हाई वोल्टेज फैमिली ड्रामा चला। पूरे मोहल्ले में तमाशा मच गया। पत्नी ने पति को प्रेमिका के साथ रंगे हाथों पकड़ लिया। पुलिस के आने से पहले ही पत्नी ने दोनों की धुनाई कर दी। नागदा में रहने वाले पति को उनकी पत्नी ने प्रेमिका के साथ एक घर में पकड़ लिया। पत्नी अपनी बहन के साथ भारत कॉमर्स के उस मकान पर पहुंच गयी थी जहां पति अपनी प्रेमिका के साथ मौजूद था। बाहर से ताला लगा हुआ था। पत्नी ने बिरलाग्राम पुलिस को खबर कर दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मकान का ताला तुड़वाया तो पति अपनी प्रेमिका के साथ मिला। पुलिस जब तक दोनों को बाहर निकाल पाती, उसी दौरान पत्नी ने पति ओर प्रेमिका की पिटाई कर दी।

इंदौर के गौतम जोशी ने क्राउड फंडिंग से सवा करोड़ में बनाई लव सॉरीज

20 से ज्यादा प्लेटफॉर्म पर हुई रिलीज

मुंबई। इस शुक्रवार को इंदौर के गौतम जोशी की फिल्म लव सॉरीज एमएक्स प्लेयर समेत कुल 20 अन्य डिजिटल ऐप प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई है। गौतम इंदौर से हैं। उन्होंने क्राउड फंडिंग से सवा करोड़ जुटाए और यह फिल्म बनाई। उन्होंने कहा कि इस फिल्म में एक दूसरे से जुड़ी चार अलग कहानियां हैं। तकनीकी तौर पर इसे एंथोलॉजी कहा जाता है।

मेन लीड करणवीर शर्मा और अर्चना गुप्ता हैं। उनकी कहानी का टायटल स्ट्राबेरी है बाकी मुख्य कलाकारों में मिस इंडिया रह चुकी स्टेफी पटेल, आकाश तलवार, पुनीत चौकसे, आकाश मखीजा, प्रतीक राव और निमकी मुखिया फेम प्रियांशु सिंह भी जाने पहचाने नाम हैं। गौतम जोशी ने बताया कि इस फिल्म में लव के कॉन्सेप्ट पर एक अलग टेक लिया गया है। एक बहस छेड़ी गई है कि बरसों से कहीं इस प्यार की अवधारणा को पीढ़ी दर पीढ़ी कहीं ज्यादा ही तो तवज्जो नहीं दे दी गई। हमने इसे एमपी के अलग अलग इलाकों में शूट किया है। हम आज के भारत में प्यार को लेकर जो युवाओं की सोच है, उसको आईना दिखाने की कोशिश की गई है।

डबरा में एक माह का राशन देकर दो माह की इन्ट्री कर रहा था सेल्समैन

फरवरी माह का राशन न मिलने पर हितग्राहियों ने किया हंगामा

डबरा। गरीबों के निबाले पर डाका डालने के आदी सहकारी समितियों की राशन की दुकानों सैल्समैन गरीब एंव जरूरतमंदों के हिस्से का अनाज डकराने से बाज नही आ रहे है। हितग्रहियों को गुमराह करते हुए एक माह का राशन देकर दो माह की इन्ट्री कर रहे ग्राम अरु वार्ड क्रमांक 02 की शासकीय उचित मूल्य की दुकान पर हितग्रहियों ने हंगामा कर दिया, जिसकी सूचना पर विधायक सुरेश राजे ने मौकेपर पहुंचकर हितग्रहियों से चर्चा करने के उपरांत सैल्समैन को गरीबों के हक का पूरा राशन वितरण करने के निर्देश दिए।

जानकारी के अनुसार अरू गांव में शासकीय उचित मूल्य की दुकान के सैल्समैन द्वारा फरवरी माह के राशन का वितरण नही किया गया, जब भी हितग्रही राशन की मांग करते अगले माह देने की बात सैल्समैन द्वारा की जाती, शुक्रवार को सैल्समैन मई माह का राशन वितरण कर रहा था, इस दौरान सैल्समैन ने राशनकार्ड पर फरवरी माह के राशन की इन्ट्री शुरू कर दी। जिस पर कुछ हितग्राहियों ने सैल्समैन द्वारा की जा रही गड़बडी को लेकर हंगामा कर दिया। सूचना मिलने पर विधायक सुरेश राजे तत्काल मौके पर पहुंचे और जनता की शिकायत सुन राशन दुकान संचालक प्रदीप पचौरी से जानकारी लेकर ग्रामीणों को उनके हक का फरवरी माह का राशन वितरण करने के निर्देश दिये। विधायक सुरेश राजे ने कहा है कि जनता का राशन समय पर बांटा जाए। ज्ञात रहे राशन की दुकानों पर तमाम अनियमितताएं व्याप्त है, सैल्समैन समय पर राशन वितरण नही करते।

जिला पंचायत सदस्य के बेटे ने खुद को मारी गोली, मौत

लायसेंसी बंदूक से किया फायर

नरसिंहपुर। जिले की गाडरवारा तहसील अंतर्गत सुदूर गांव डंगहा में शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे जिला पंचायत सदस्य दिनेश कौरव के 20 वर्षीय बेटे ने पिता की लायसेंसी 12 बोर की बंदूक से अपनी कनपटी पर फायर कर जान दे दी। सुबह के वक्त घर में जैसे ही गोली की आवाज गूंजी तो परिजनों सहित आस-पड़ोस के लोग घबरा गए। डोंगरगांव पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर प्रकरण को जांच में लिया है।

डोंगरगांव थाना प्रभारी एसआई प्रकाश पाठक ने बताया कि मृतक आकाश कौरव 20 वर्ष जिला पंचायत सदस्य दिनेश कौरव का पुत्र है। जिसने शुक्रवार की सुबह करीब 6 बजे अपनी बायीं कनपटी पर पिता की लायसेंसी बंदूक से फायर कर आत्महत्या की है। घटना की प्रारंभिक पूछताछ में परिजनों ने बताया है कि मृतक आकाश ने सुबह उठकर घटना को अंजाम दिया। मृतक के परिजनों ने बताया कि आकाश सतना के कॉलेज से एग्रीकल्चर की पढ़ाई कर रहा था और वह संक्रमणकाल के कारण काफी दिनों से घर में ही था। पुलिस के अनुसार उक्त घटना की जांच के दौरान यह जानकारी भी सामने आई है कि आकाश के किसी दोस्त ने भी फांसी लगाई है लेकिन यह पता नहीं चल रहा है कि वह दोस्त कहां का था और घटना कितनी सही है।

कार्रवाई अवैध खदानों को बंद कराने के लिए मैदान में उतरे भाजपा विधायक, इंदौर-इच्छापुर हाईवे की दो खदानें सीज

चार खदानों से निकाल रहे थे बिना रॉयल्टी रेत व गिट्टी

खण्डवा (एजेंसी)।

हिंदूवादी संगठन से जुड़े खनिज माफिया बंसल बंधुओं की अवैध खदानों को बंद कराने के लिए मैदान में उतरे भाजपा विधायक मौके पर पहुंचकर करवाई बड़ी कार्रवाई। आपको बता दें कि बरसों से खनिज का कारोबार कर रहे बंसल बंधुओं ने करोड़ों रुपए की बेशकीमती संपदाओं को नुकसान पहुंचाते हुए शासन को भी राजस्व की बड़ी मात्रा में चपत लगाई है। लगातार मिल रही अवैध उत्खनन की शिकायत के चलते जिले के भाजपा विधायकों ने मौके पर पहुंचकर अधिकारियों के साथ कार्यवाही की गई। अवैध कारोबार में लिप्त इन खनिज माफियाओं के द्वारा अपने काले कारोबार को छुपाने के लिए कई बार मीडिया का भी सहारा लिया लेकिन कहते हैं अति का अंत होता है बस इसी अति के चलते सत्तारूढ़ दल के विधायकों को स्वयं आगे आकर कार्रवाई करवानी पड़ी।

प्रशासन ने इंदौर/इच्छापुर हाईवें स्थित बंसल बंधुओं की की दो खदानें सीज करने कार्रवाई की। शिकायत में विधायकों ने हवाला दिया कि बंसल कंस्ट्रक्शन खनिज नियमों को दरकिनार करके करीब 4 खदानों से बिना रॉयल्टी रेत व गिट्टी निकाल रहा है। गुरुवार को राजस्व व खनिज विभाग के संयुक्त दल ने बंसल क्रेशर की भोजाखेड़ी व देशगांव में स्टोन क्रेशर की जांच की। कार्रवाई के दौरान खंडवा व पंधाना विधायक ने मौके पर खड़े रहकर नपती करवाई।

काफी अनियमितताएं पाई गई : शिकायत में हवाला दिया गया था कि बंसल बंधुओं की भोजाखेड़ी, रूधी, वीरपुर, कुंडलेश्वर, गोराडिया, देशगांव में स्टोन क्रेशर है, जहां काफी अनियमितताएं है। जिसके बाद कलेक्टर ने एसडीएम डॉ.ममता खेड़े, खंडवा तहसीलदार प्रतापसिंह अगास्या, पंधाना प्रभारी तहसीलदार विजय सैनानी, खंडवा जनपद सीईओ महेंद्रसिंह घनघोरिया, खनिज अधिकारी सचिन वर्मा को जांच के आदेश दिए थे। जिसके बाद गुरुवार को पूरा अमला भोजाखेड़ी व देशगांव स्थित स्टोन क्रेशर पर जांच के लिए पहुंचा। जांच दल ने दोनों खदानें सीज कर दी।

राज्यसभा सांसद तनखा ने इंदौर प्रेस क्लब को दिए दो लाख रुपए

जबलपुर। राज्यसभा सांसद और देश के ख्यात अधिवक्ता श्री विवेक कृष्ण तनखा ने इंदौर प्रेस क्लब को पत्रकार साथियों को राशन किट उपलब्ध करवाने के लिए दो लाख का आर्थिक सहयोग किया है।

श्री तनखा ने पत्रकार साथियों की मदद के लिए इंदौर प्रेस क्लब द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की है और कहा है कि वह ऐसे पुनीत कार्य में मदद के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। इंदौर प्रेस क्लब के अध्यक्ष अरविंद तिवारी ने शुक्रवार सुबह विवेक तनखा को एक पत्र भेजकर कोरोना संक्रमण के दौर में उनके द्वारा अपने निजी संपर्कों से प्रदेश को ऑक्सीजन एवं अन्य चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के मामले में किए गए सफल प्रयास के लिए साधुवाद दिया था। प्रेस क्लब अध्यक्ष ने उन्हें इंदौर प्रेस क्लब द्वारा इस कठिन दौर में पत्रकार साथियों की मदद के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी भी दी थी। प्रेस क्लब अध्यक्ष का पत्र मिलने के कुछ ही मिनट के भीतर श्री तनखा ने दूरभाष पर उनसे संपर्क किया और कहा कि वह भी पत्रकार साथियों की मदद करना चाहते हैं। कुछ ही घंटे के भीतर उनके कार्यालय से प्रेस क्लब को एक मेल प्राप्त हुआ जिसमें लिखा था कि इंदौर प्रेस क्लब को पत्रकार साथियों की मदद के लिए 200000 का सहयोग कर रहे हैं। मेल के साथ चेक की फोटो कॉपी भी संलग्न थी।

वनप्लस 10 जून को नॉर्ड सीई और यू सीरीज का नया टीवी लॉन्च करेगा : सीईओ

नई दिल्ली।

तकनीकी दिग्गज वनप्लस 10 जून को अपनी नॉर्ड सीरीज के तहत एक नए स्मार्टफोन के साथ-साथ अपनी यू सीरीज के तहत एक नया टीवी लॉन्च करेगी, जिसका निर्माण भारत में किया जाएगा। कंपनी के संस्थापक और सीईओ पीट लाउ ने गुरुवार को यह जानकारी दी। कंपनी वनप्लस नॉर्ड सीई को लॉन्च करेगी और नए टीवी ऑफरिंग के साथ वनप्लस टीवी यू सीरीज का विस्तार करेगी। लाउ ने मीडिया से कहा, मौजूदा उत्पादों की पेशकश और क्षमताओं को मजबूत करते हुए वनप्लस इस साल अपनी टीडब्ल्यूएस पेशकशों का भी विस्तार करेगा। जुलाई 2020 में लॉन्च होने के बाद से कंपनी ने अपनी नॉर्ड सीरीज के लिए 200 प्रतिशत (साल-दर-साल) की वृद्धि दर्ज की है। लाउ ने कहा, नॉर्ड सीई एक ऐसा उत्पाद होगा, जो यूजर्स के लिए सिग्नेचर नॉर्ड अनुभव लाने के साथ-साथ एक डिवाइस में आवश्यक उत्कृष्ट सुविधाओं को वितरित करने पर केंद्रित है। काउंटरप्वाइंट रिसर्च के अनुसार, वनप्लस ने भारत में 2021 की पहली तिमाही में सालाना आधार पर 300 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की, जो वनप्लस नॉर्ड और वनप्लस 8टी शिपमेंट द्वारा संचालित है। कंपनी ने कहा कि वह स्मार्ट उपकरणों के व्यापक स्पेक्ट्रम में कनेक्टिविटी को समेकित रूप से एकीकृत और वितरित करने पर भी ध्यान केंद्रित करेगी। लाउ ने कहा, वनप्लस में, हम उपभोक्ताओं के लिए एक बेहतर अनुभव प्रदान करने के लिए स्मार्ट बैंड, स्मार्ट वॉच और स्मार्ट टीवी जैसे आईओटी उत्पादों को देख रहे हैं। महामारी ने यूजर्स के लिए बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करने और अधिक मूल्य योगदान करने में इन आईओटी उत्पादों के

महत्व पर प्रकाश डाला है। वनप्लस ने इस हफ्ते एक बजट अनुकूल स्मार्ट टीवी पोर्टफोलियो पेश करने के साथ फ्लिपकार्ट के साथ अपनी साझेदारी को गहरा करने की घोषणा की। लाउ ने कहा कि वनप्लस भारत में विनिर्माण निवेश को मजबूत करने का इच्छुक है।

अब अपने 'लाइक्स' छिपा सकते हैं फेसबुक, इंस्टाग्राम के उपयोगकर्ता

नई दिल्ली :

सोशल नेटवर्किंग कंपनी फेसबुक ने बुधवार को कहा कि वह उपयोगकर्ताओं को फेसबुक और इंस्टाग्राम पर उनके पोस्ट पर लोगों द्वारा किए गए 'लाइक' की संख्या छिपाने की सुविधा देगी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि यह लोगों को उनके अनुभव को नियंत्रित करने की सुविधा देने से जुड़ी उसकी कोशिशों का हिस्सा है। फेसबुक ने कहा, 'हमने लाइक्स की संख्या छिपाने जैसे परीक्षण किए ताकि हम यह देख सकें कि क्या यह इंस्टाग्राम पर लोगों के अनुभव को दवाब से मुक्त कर सकता है। हमने लोगों और विशेषज्ञों से यह जाना कि लाइक्स की संख्या न देखना कुछ के लिए फायदेमंद है और कुछ के लिए परेशान करने वाली बात है, खासकर इसलिए क्योंकि लोग लाइक्स की संख्या का इस्तेमाल यह जानने के लिए करते हैं कि क्या प्रचलित हैं या लोकप्रिय है, इसलिए हम यह विकल्प दे रहे हैं।' दोनों सोशल नेटवर्किंग साइट पर अब हर व्यक्ति अपने सार्वजनिक 'लाइक्स' की संख्या छिपा सकता है ताकि वह इस बात का फैसला कर सके कि उसके लिए कौन सा विकल्प सही है। कंपनी ने साथ ही कहा कि वह लोगों को अपने अनुभव नियंत्रित करने के लिए और तरीके तलाश रहा है। इनमें वे नई विशेषताएं शामिल है जो लोगों को इंस्टाग्राम पर अपने डायरेक्ट मैसेज (डीएम) से आपत्तिजनक सामग्री पर रोक लगाने और फेसबुक के न्यूज फीड में क्या देखें और शेयर करें, इसे नियंत्रित करने के तरीकों की सुविधा देता है। उपयोगकर्ता सेटिंग्स में न्यू पोस्ट्स सेक्शन में जाकर दूसरों के पोस्ट पर लाइक्स की संख्या छिपा सकते हैं। यह नियंत्रण किसी भी उपयोगकर्ता के फीड में सभी पोस्ट पर लागू होता है। वे कोई पोस्ट शेयर करने से पहले लाइक्स की संख्या भी छिपा सकते हैं और लाइव जाने के बाद भी इस सेटिंग को बंद या चालू कर सकते हैं।

रियल्टी बूम- एनसीआर में 85 फीसदी लोगों ने पहला घर खरीदा, मुंबई में अलग रूझान

नई दिल्ली।

कोरोना महामारी के दौरान देश के दो अलग-अलग भागों में रियल्टी के क्षेत्र में विपरीत रूझान देखने को मिले हैं। देश के दो प्रमुख रियल एस्टेट हॉटस्पॉट- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में रियल्टी के क्षेत्र में ग्राहकों के कई विपरीत रुझान रहे हैं। एनारॉक की एक रिपोर्ट से पता चला है कि जुलाई 2020 और मार्च 2021 के बीच नौ महीनों में एनसीआर में लगभग 21,750 इकाइयों की बिक्री हुई और मुंबई महानगर क्षेत्र यानी एमएमआर में लगभग 47,140 इकाइयों की कुल आवास बिक्री हुई थी। इस दौरान एनसीआर में 85 प्रतिशत खरीदारों ने अपना पहला घर खरीदा जबकि एमएमआर में, बड़े पैमाने पर 65 प्रतिशत खरीदारों ने बड़ी संपत्तियों में अपग्रेड किया। एनसीआर में केवल 15 प्रतिशत अंतिम उपयोगकताओं को बड़े घरों में अपग्रेड करने की आवश्यकता महसूस हुई, जबकि एमएमआर में 65 प्रतिशत खरीदारों ने डब्ल्यूएफएच और ई-स्कूलिंग की नई सामान्य अनिवार्यताओं से प्रेरित होकर अपग्रेड किया। एमएमआर में घरों का औसत आकार 950 वर्ग फुट है जो एनसीआर के 1,250 वर्ग फुट से काफी छोटा है। एनारॉक रिपोर्ट में कहा गया है कि कम कीमतों, कम स्टांप शुल्क शुल्क, कम ब्याज दरों और डब्ल्यूएफएच व्यवहार्यता के बीच परिधि में जाने की बढ़ती प्राथमिकता ने भी अधिक एमएमआर होमबॉयर्स को 1 बीएचके से 2 बीएचके / 3 बीएचके में अपग्रेड करने के लिए प्रेरित किया। एनसीआर में, घर के स्वामित्व की नई महामारी से प्रेरित मांग का जवाब देने के लिए ऑल-टाइम-बेस्ट अफोर्डेबिलिटी ने पहली बार घर खरीदने वालों को आकर्षित किया। एनारॉक प्रॉपर्टी कंसल्टेंट्स के अध्यक्ष अनुज पुरी ने कहा, एमएमआर में पूर्व-कोविड युग में, मूल्यवान सीबीडी क्षेत्रों में और आसपास के क्षेत्रों में कार्यस्थलों के करीब रहने की आवश्यकता ने एमएमआर में कई खरीदारों को कॉम्पैक्ट कॉन्फिगरेशन का विकल्प चुनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, हालांकि, कोविड के बाद, नए हाइब्रिड और डब्ल्यूएफएच वातावरण में और विभिन्न बुनियादी उन्नयन के साथ, परिधीय क्षेत्र भी आकर्षक हो गए हैं।

कई घर खरीदारों को गैर-केंद्रीय स्थानों में बड़े घरों में अपग्रेड किया गया।

एचसीएल 30 जून तक अपने सभी कर्मचारियों का टीकाकरण करेगी

लखनऊ।

प्रमुख वैश्विक समूह एचसीएल ने घोषणा की है कि उसने 30 जून से पहले अपने भारत-आधारित, योग्य कर्मचारियों और उनके परिवारों के 100 प्रतिशत को कोविड वैक्सीन की पहली खुराक का टीकाकरण करने की योजना बनाई है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, एचसीएल (समूह की कंपनियों एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एचसीएल इंफोसिस्टम्स और एचसीएल हेल्थकेयर, और शिव नादर फाउंडेशन और इसके संस्थानों सहित) ने कम से कम एक खुराक के साथ अपने योग्य कर्मचारियों के 25 प्रतिशत से अधिक का टीकाकरण पहले ही कर लिया है।

एचसीएल कर्मचारियों और उनके परिवारों के साथ-साथ संगठन के साथ काम करने वाले तीसरे पक्ष के विक्रेता कर्मियों के लिए मुफ्त टीकाकरण सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए 100 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश कर रहा है। एचसीएल ने अभियान के अंत तक लगभग 7,00,000 खुराक (प्रति व्यक्ति दो खुराक सहित) देने की योजना बनाई है। एचसीएल अपने भारत स्थित कर्मचारियों के लिए कोविड-19 टीकाकरण सहायता प्रदान करने के लिए वैक्सीन निमार्ताओं और शीर्ष स्तरीय अस्पतालों के साथ चर्चा कर रही है। टीकाकरण अपनाने को प्रोत्साहित करने और कार्यक्रम के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए, यह कर्मचारियों पर लक्षित व्यापक संचार अभियान चला रहा है। अपने कर्मचारियों को टीकाकरण प्राप्त करने के लिए एक सुरक्षित और सुविधाजनक प्रक्रिया प्रदान करने के लिए, एचसीएल ने ऑन-प्रिमाइसेस टीकाकरण केंद्रों को सक्षम किया है। यह 24 मार्च से टीकाकरण अभियान चला रहा है, जिससे कर्मचारियों को एचसीएल हेल्थकेयर द्वारा प्रबंधित क्लीनिकों और नोएडा, लखनऊ और चेन्नई में एचसीएल के परिसरों में टीकाकरण का अवसर मिलता है। यह चरणबद्ध तरीके से अधिक केंद्रों को चालू करने की प्रक्रिया में भी है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद, 51 हजार के ऊपर निकला सेंसेक्स, निफ्टी भी उछला

मुम्बई ।

मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को उतार-चढ़ाव के बाद अंत में लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान 30 शेयरों बाला बीएसई सेंसेक्स 97.70 अंक यानी 0.17 फीसदी की बढ़त के साथ 51,115.22 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी 36.40 अंक यानी 0.24 फीसदी की बढ़त के साथ 15337.85 के स्तर पर बंद हुआ। मई महीने के सौदों की एक्सपायरी के बाजार में उथल-पुथल बनी रही। श्री सीमेंट, एसीबीआई, बाज ऑटो, कोटक बैंक और टेक महिंद्रा के शेयर तेजी के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। वहीं दूसरी ओर एचडीएफसी, बजाज फाइनेंस, ओएनजीसी, भारती एयरटेल और आईओसी के शेयर गिरावट के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। सेक्टोरियल इंडेक्स की बात करें तो उपभोक्ता वस्तुओं (एफएमसीजी) , रियल्टी और फार्मा के अतिरिक्त सभी सेक्टर्स बढ़त के साथ बंद हुए। इनमें सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और मेटल बैंक, प्राइवेट बैंक, फाइनेंस सर्विसेज, ऑटो, फार्मा, आईटी और मीडिया शामिल हैं। अनिल धीरूभाई अंबानी समूह की कंपनी रिलायंस इन्फास्ट्रक्चर में आजा बढ़त आई। इससे रिलायंस इन्फ्रा में अपर सर्किट लगाना पड़ा, जब यह 10 फीसदी की तेजी के साथ 68.20 पर पहुंच गया। इससे पहले सुबह एशियाई बाजारों से कमजोर रुझानों के बीच मासिक डेरिवेटिव सौदों की कटान से सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी के बाद गिरावट देखी गई। इस दौरान बीएसई सूचकांक 67.33 अंक की गिरावट के साथ 50,950.19 पर और निफ्टी 11.20 अंक गिरकर 15,290.25 पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स में सबसे अधिक एक फीसदी की गिरावट एशियन पेंट्स में रही। इसके अलावा बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, इंडसइंड बैंक, एचयूएल और मारुति भी लाल निशान में थे। वहीं दूसरी ओर टेक महिंद्रा, टीसीएस, टाइटन और एचसीएल टेक लाभ के साथ ही हरे निशान में थे।

जुलाई से 15 फीसदी तक महंगे होंगे फ्रिज, एसी और वॉशिंग मशीन

मुंबई ।

पेट्रोल-डीजल और खाने-पीने के सामान महंगे होने के बाद फ्रिज, एसी, वॉशिंग मशीन जैसे घरेलू उपकरणों की कीमतें भी 15 जुलाई से बढ़ने वाली हैं। दरअसल तांबा, कॉपर, एल्युमिनियम, स्टील की कीमतों में तेजी और उत्पादन लागत बढ़ने से निर्माता कंपनियां जुलाई के मध्य से इनकी कीमतें 10-15 फीसदी बढ़ा सकती हैं। इससे पहले फरवरी में भी कंपनियों ने दाम बढ़ाए थे। कंपनियों का कहना है कि देश में गर्मी शुरू होते ही फ्रिज, एसी, वॉशिंग मशीन आदि की मांग बढ़ जाती है। लेकिन अधिकतर राज्यों में लॉकडाउन के कारण इन घरेलू सहित गैर-जरूरी वस्तुओं की बिक्री अभी बंद है। लॉकडाउन में ढील मिलते ही इनकी बिक्री में तेजी आएगी, लेकिन आपूर्ति बाधित होने से मांग पूरी में दिक्कत आएगी और इसका असर कीमतों पर दिखेगा। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल वैश्विक स्तर पर कमोडिटी की कीमतें बढ़ी हैं और कोर कमोडिटी सीआरबी इंडेक्स में अप्रैल 2021 में सालाना आधार पर 70 फीसदी चढ़ा है। इसका असर उपभोक्ता टिकाऊ जैसे उद्योग पर पड़ेगा।

जेफ बेजोस का ऐलान- 5 जुलाई को छोड़ दूंगा अमेजन के CEO का पद

बिजनेस डेस्क। अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस ने कहा कि वह 5 जुलाई को **CEO** का पद छोड़ देंगे। अमेजन को इंटरनेट बुकस्टोर से ऑनलाइन शॉपिंग क्षेत्र की दिग्गज कंपनी बनाने वाले बेजोस ने बुधवार को कहा कि अमेजन के कार्यकारी एंडी जेसी 5 जुलाई को **CEO** की भूमिका संभाल लेंगे। बेजोस ने बुधवार को अमेजन के शेयरधारकों की बैठक के दौरान कहा कि हमने इस तारीख को चुना, क्योंकि मेरे लिए इसका भावनात्मक महत्व है। उन्होंने बताया कि ठीक 27 साल पहले 1994 में इसी दिन अमेजन की स्थापना हुई थी। कंपनी ने इस साल फरवरी में कहा था कि बेजोस कंपनी के **CEO** का पद छोड़ देंगे, लेकिन तब इसके लिए कोई तारीख नहीं बताई गई थी। कंपनी ने बताया था कि **CEO** का पद छोड़ने के बाद वह कार्यकारी अध्यक्ष की नई भूमिका में होंगे। बेजोस ने कहा कि उनके पास अन्य परियोजनाओं के लिए अधिक समय होगा, जिसमें उनकी अंतरिक्ष अन्वेषण कंपनी ब्लू ओरिजिन, उनके द्वारा चलाए जाने वाले परोपकार के काम और वाशिंगटन पोस्ट की देखरेख शामिल है। इस समय अमेजन में 13 लाख लोग काम करते हैं और ये दुनिया भर में करोड़ो लोगों और कारोबारों को सेवाएं देते हैं।

कोविड के मामलों में वृद्धि, लॉकडाउन से ग्रामीण खपत में कमी

नई दिल्ली। मोतीलाल ओसवाल इंस्टीट्यूशनल सिक्योरिटीज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ग्रामीण इलाकों में कोविड के मामलों में बढ़ोतरी और लॉकडाउन की वजह से वित्त वर्ष 2021 में ग्रामीण खपत में कमी आई है। गोदरेज एग्रोवेट के प्रबंध निदेशक बलराम सिंह यादव ने कहा कृषि-वस्तु की कीमतों में वृद्धि जल्द ही ठीक होने की उम्मीद है, क्योंकि कीमतें इस स्तर पर टिकाऊ नहीं हैं (15-20 प्रतिशत गिरावट की उम्मीद की जा सकती है)। बायो-डीजल सेगमेंट से मांग बढ़ने से अनाज की कीमतों में तेजी रहने की उम्मीद है। यादव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सीओवीआईडी मामलों की संख्या में वृद्धि और परिणामस्वरूप लॉकडाउन के कारण, वित्त वर्ष 2021 में ग्रामीण खपत धीमी हो गई। केंद्र सरकार ने ग्रामीण मांग को पुनर्जीवित करने के लिए विभिन्न पहल शुरू की हैं, जैसे कि सभी उर्वरकों (अर्थात यूरिया, डीएपी, और पीएंडके) को सब्सिडी देना। पीएम किसान सम्मान निधि के तहत 9.5 करोड़ किसानों को 190 अरब रुपये आवंटित किए गए हैं, जिनमें से 4.5 करोड़ किसानों को धन मिल चुका है। उन्होंने कहा कि खपत में गिरावट अस्थायी रहने की उम्मीद है और मांग में उम्मीद से ज्यादा तेजी से उछाल आने की उम्मीद है। भारत के घरेलू क्षेत्र में बंपर रबी सीजन देखा गया, जिससे वित्त वर्ष 22 में मजबूत विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ। वर्ष के लिए खाद्यान्न उत्पादन 30.7 करोड़ टन के उपर रहने की उम्मीद है। कोरोमंडल इंटरनेशनल के प्रबंध निदेशक समीर गोयल के हवाले से कहा गया है कि अप्रैल तक खाद्य मूल्य सूचकांक में लगातार 11वें महीने वृद्धि दर्ज की गई और मई 2014 के बाद से यह उच्चतम स्तर पर था। विश्व बैंक के अनुसार, अप्रैल में कीमतों में मक्के के लिए सालाना आधार पर 83 प्रतिशत, सोयाबीन के लिए 64 प्रतिशत, पाम तेल के लिए 76 प्रतिशत सालाना, चीनी के लिए 58 प्रतिशत और कपास के लिए सालाना आधार पर 43 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

यूको बैंक का मार्च तिमाही का शुद्ध लाभ पांच गुना होकर 80 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के यूको बैंक का शुद्ध लाभ बीते वित्त वर्ष की मार्च तिमाही में पांच गुना होकर 80 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कोलकाता मुख्यालय वाले बैंक ने इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 16.78 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। पूरे वित्त वर्ष 2020-21 में बैंक ने 167.04 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया। इससे पिछले वित्त वर्ष में बैंक को 2,436.83 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। चौथी तिमाही में बैंक की कुल आय 9.4 प्रतिशत बढ़कर 4,936.75 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 4,511.21 करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष के दौरान बैंक की कुल आय बढ़कर 18,166.42 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 18,005.55 करोड़ रुपये थी। बैंक की ब्याज आय घटकर 14,446.15 करोड़ रुपये रह गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 15,134.34 करोड़ रुपये थी। हालांकि, बैंक की अन्य आय बढ़कर 3,720.27 करोड़ रुपये पर पहुंच गई,जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 2,871.21 करोड़ रुपये थी। मार्च के अंत तक बैंक की सकल गैर निष्पादित आस्तियां (एनपीए) घटकर 9.59 प्रतिशत रह गईं, जो इससे पिछले वित्त वर्ष के अंत तक 16.77 प्रतिशत थी। मूल्य के हिसाब से सकल एनपीए 19,281.95 करोड़ रुपये से घटकर 11,351.97 करोड़ रुपये रह गया। बैंक का शुद्ध एनपीए घटकर 3.94 प्रतिशत या 4,389.50 करोड़ रुपये रह गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष के अंत तक 5,510.65 करोड़ रुपये था।

टूलकिट विवाद: ट्विटर ने सरकार पर लगाए आरोप, बताया- कर्मचारियों की सुरक्षा को खतरा

नई दिल्ली :

ट्विटर ने भाजपा नेता के ट्वीट में 'मैनिपुलेटेड मीडिया' का टैग लगाने के जवाब में ''पुलिस द्वारा डराने-धमकाने की रणनीति के इस्तेमाल' पर चिंता जताते हुए कहा है कि वह भारत में कर्मचारियों की सुरक्षा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए संभावित खतरे के बारे में चिंतित है। ट्विटर ने साथ ही कहा कि वह देश में अपनी सेवाएं जारी रखने के लिए भारत में लागू कानूनों का पालन करने की कोशिश करेगी। माइक्रोब्लॉगिंग मंच ने कहा कि वह आईटी नियमों के उन तत्वों में बदलाव की वकालत करने की योजना बना रहा है जो ''मुक्त और खुली सार्वजनिक बातचीत को रोकते हैं। ट्विटर ने कहा, ''फिलहाल, हम भारत में अपने कर्मचारियों के संबंध में हालिया घटनाओं और अपने उपयोगकर्ताओं की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए संभावित खतरे से चिंतित हैं। ट्विटर के प्रवक्ता ने कहा, ''भारत और दुनिया भर में नागरिक समाज के कई लोगों के साथ ही हम पुलिस द्वारा धमकाने की रणनीति के इस्तेमाल से चिंतित हैं। प्रवक्ता ने कहा कि वह कानून के दायरे में रहकर पारदर्शिता के सिद्धांतों, हर आवाज को सशक्त बनाने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और गोपनीयता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने सोमवार को कथित 'कोविड टूलकिट' के बारे में एक शिकायत की जांच के संबंध में ट्विटर इंडिया को नोटिस भेजा था। दिल्ली के लाडो सराय और गुरुग्राम में ट्विटर के दफ्तरों पर पुलिस के दो दल भी पहंचे थे। सरकार ने नए डिजिटल नियमों का बचाव करते हुए बुधवार को कहा कि वह निजता के अधिकार का सम्मान करती है और व्हॉट्सऐप जैसे संदेश मंचों को नए आईटी नियमों के तहत चिन्हित संदेशों के मूल स्रोत की जानकारी देने को कहना निजता का उल्लंघन नहीं है। इसके साथ ही सरकार ने सोशल मीडिया कंपनियों से नये नियमों को लेकर अनुपालन रिपोर्ट मांगी है। नए नियमों की घोषणा 25 फरवरी को की गयी थी। इस नए नियम के तहत ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप जैसे बड़े सोशल मीडिया मंचों (जिनके देश में 50 लाख से अधिक उपयोगकर्ता हैं) को अतिरिक्त उपाय करने की जरूरत होगी। इसमें मुख्य अनुपालन

अधिकारी, नोडल अधिकारी और भारत स्थित शिकायत अधिकारी की नियुक्ति आदि शामिल हैं। सैन फ्रांसिस्को स्थित कंपनी ने कहा कि वह भारत को लेकर प्रतिबद्ध है, और उसकी सेवाएं सार्वजनिक बातचीत के लिए महत्वपूर्ण साबित हुई है तथा महामारी के दौरान उसका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। ट्विटर के अनुसार कंपनी मंच पर सामग्री के लिए एक व्यक्ति (अनुपालन अधिकारी) को आपराधिक रूप से उत्तरदायी बनाने, सक्रिय निगरानी की जरूरतों और उपयोगकर्ताओं के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए व्यापक प्राधिकरण की आवश्यकता को लेकर खासतौर से चिंतित है। कंपनी ने कहा कि ये अतिरेक खतरनाक है, जो लोकतांत्रिक सिद्धांतों से मेल नहीं खाता।

अपने ही जाल में फंस गया भगोड़ा मेहुल चोकसी, उसे भारत लाने का रास्ता हुआ साफ

बिजनेस डेस्क।

चार दिन तक चकमा देने के बाद भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी पुलिस के हत्थे चढ़ गया है। एंटीगुआ और बारबुडा से हाल में फरार हुए चोकसी को पड़ोस के डोमिनिका से पकड़ गया है। सूत्रों की मानें तो यह सब नाटक उसने भारत आने से बचने के लिए किया था, हालांकि वह अपने ही जाल में फस गया और भारत के लिए उसे वापस लाना आसान हो गया है।

जल्द भारत लाया जा सकता है चोकसी

मेहुल का डोमिनिका पुलिस की गिरफ्त में आना भारत को बड़ी राहत दी। क्योंकि एंटीगुआ प्रशासन की तरफ से साफ कर दिया गया था कि अगर मेहुल चौकसी भागने में कामयाब रहा और उसे नहीं ढूंढा जा सका, तो प्रत्यर्पण केस पर इसका असर पड़ सकता है और उसको भारत लाने की प्रक्रिया बीच में ही अटक सकती है। लेकिन अब मेहुल डोमिनिका में पकड़ा गया है, ऐसे में उसे भारत लाने की कोशिश भी जारी रहने वाली है और उसकी एंटीगुआ नागरिकता रद्द करने की मांग भी लगातार उठाई जाएगी।

प्रधानमंत्री गैस्टन ब्राउने भी चोकसी को भेजना चाहते हैं भारत

वहीं एंटीगुआ एवं बारबुडा के प्रधानमंत्री गैस्टन ब्राउने ने भी साफ कर दिया है कि भगोड़े मेहुल चोकसी को अगले 48 घंटे में भारत को सौंपा जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि मुझे लगता है कि उसे भारत को सौंपने में कोई कानूनी-अड़चन नहीं आएगी। मेरा मानना है कि उसे प्राइवेट जेट के जरिए अगले 48 घंटे में भारत को प्रत्यर्पित किया जा सकता है। इस प्राइवेट जेट से चोकसी को वापस भारत भेजा जा सकता है। भारतीय अधिकारियों को उसे वापस ले जाने की व्यवस्था करनी होगी।

प्रत्यर्पण के डर से क्यूबा भागा चोकसी

मेहुल चोकसी मई 2018 से एंटीगुआ में है। हालांकि उसे यह मालूम था कि एक दिन उसे भारत भेज दिया जाएगा। प्रत्यर्पण के डर से ही वह क्यूबा चला गया था। क्यूबा उन देशों में शामिल नहीं है जिनकी भारत के साथ प्रत्यर्पण संधि या कोई समझौता है। ऐसे में वापस देश में लाने की प्रक्रिया को कागजी कार्रवाई और बातचीत के कई और दौर से गुजरना पड़ सकता था , लेकिन उसकी यह साजिश कामयाब नहीं हो सकी।

चोकसी पर कई आरोप

पंजाब नेशनल बैंक से 13,500 करोड़ रुपये की कर्ज जालसाजी मामले में चोकसी वांछित है। चोकसी और उसके भांजे नीरव मोदी ने पंजाब नेशनल बैंक से कथित तौर पर जालसाजी की। नीरव मोदी लंदन में जेल में है और अपने प्रत्यर्पण के खिलाफ मुकदमा लड़ रहा है। चोकसी ने निवेश द्वारा नागरिकता प्राप्त करने के कार्यक्रम का इस्तेमाल करते हुए 2017 में एंटीगुआ और बारबुडा की नागरिकता ले ली थी और जनवरी 2018 के पहले सप्ताह में भारत से फरार होकर वहां चला गया था। बैंक से जालसाजी का मामला बाद में सामने आया था। चोकसी और नीरव दोनों सीबीआई जांच का सामना कर रहे हैं।

बीते सात सालों में मुझे क्रेजी एक्सपीरियंस और दर्शकों से बेशुमार प्यार मिला है

पिछले 7 वर्षों में टाइगर श्रॉफ बॉलीवुड के एक दमदार अभिनेता के रूप में उभरकर सामने आए हैं। टाइगर के हाई ऑक्टेन एक्शन स्टंट और स्विफ्ट डांस मूव्स के कारण अभिनेता की फैन फॉलोइंग में जबरदस्त इजाफा हो रहा है। टाइगर बॉलीवुड के उन चुनिंदा सितारों में शुमार हैं, जिन्होंने अभिनय, एक्शन, गायन और नृत्य के क्षेत्र में एक साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

दर्शकों से बेशुमार प्यार मिला

अपने अब तक के सफर को याद करते हुए और अपनी पहली फिल्म हीरोपंती को याद करते हुए नॉस्टैल्जिक महसूस कर रहे टाइगर ने कहा, 'बीते वक्त को देखते हुए मुझे केवल और केवल कृतज्ञता के अलावा कुछ भी महसूस नहीं होता है। जहां मुझे क्रेजी एक्सपीरियंस और दर्शकों से बेशुमार प्यार मिला है।'

हमेशा खास रहेगी हीरोपंती

टाइगर आगे कहते हैं, 'हीरोपंती हमेशा मेरे लिए एक विशेष फिल्म रहेगी और मैं साजिद सर, शब्बीर सर को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया और कृति को भी सबसे अच्छे सह-कलाकारों में से एक होने के लिए धन्यवाद।'

टाइगरियन आर्मी को थैंक्स

अपने प्रशंसकों का आभार व्यक्त करते हुए टाइगर कहते हैं, ''आज मैं जो कुछ भी हूं, जो कुछ भी मैंने हासिल किया है, वह सब टाइगरियन आर्मी के कारण है। आप सभी को धन्यवाद और बड़ा वर्चुअल हग, आप लोगों के बिना मैं कुछ भी नहीं हूं।'

अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

भविष्य में फिल्मों की एक मजबूत लाइनअप और फैनबेस से मिलने वाले भारी प्यार और 'टाइगेरियन' के साथ, टाइगर बडे स्टार्स में शुमार हो गए है। वह अपनी लीग में सबसे पसंदीदा अभिनेता बन गए हैं और फिल्मों की आगामी लाइन-अप के साथ, वे आगे और ऊपर बढ़ने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। 'द फ्रेंचाइज किंग' के खिताब के साथ-साथ टाइगर के पास कई फ्रेंचाइजी हैं। उनकी पाइपलाइन में 'बागी 4', 'हीरोपंती 2' और 'गणपत' शामिल है।

...क्या नेहा पेंडसे ने छोड़ा 'भाबी जी घर पर हैं'? शो में नहीं दिखने पर उठे सवाल तो दिया ये जवाब

'भाबी जी घर पर हैं' टीवी के मशहूर शो में से एक है। सौम्या टंडन के शो छोड़ने के बाद उनकी जगह नेहा पेंडसे ने ली है। पिछले कुछ एपिसोड से नेहा दिख नहीं रही हैं जिसके बाद ये सवाल उठने लगे कि क्या उन्होंने शो छोड़ दिया है। अब नेहा ने इन अफवाहों को विराम देते हुए खुद इसकी सच्चाई बताई है।

सूरत में शो की टीम

दरअसल मुंबई में लॉकडाउन लगने के बाद 'भाबी जी घर पर हैं' की शूटिंग सूरत में हो रही है। पूरे कास्ट और क्रू के सदस्यों के लिए एक होटल में बायो बबल बनाया गया है जहां वो रहेंगे। नेहा ने बताया कि कई एपिसोड में उन्हें ना देखकर प्रशंसकों से लेकर उनके जानने वालों ने मैसेज किया। उन सभी के लिए उन्होंने कहा कि वो जल्द ही वापस लौटैंगी।

आने वाले एपिसोड में आएंगी नजर

नेहा कहती हैं कि 'मुझे इस तरह के अफवाहों से बिल्कुल भी हैरानी नहीं हुई क्योंकि मैं पिछले कुछ एपिसोड में नजर नहीं आई। वो एपिसोड पुराने थे और उनके शूट के दौरान मैं नहीं थी। जब एपिसोड प्रसारित हुआ तो कई लोगों ने मुझे मैसेज किया कि वो मुझे स्क्रीन पर मिस कर रहे हैं। मुझे उन्हें समझाना पड़ा कि मैं जल्दी ही वापस आऊंगी। मैं अपने रोल से खुश हूं।'

सेट पर बायो बबल बनाया गया

कोरोना महामारी में शूटिंग को लेकर नेहा ने कहा कि 'मैं उत्साहित होने के साथ-साथ नर्वस भी हूं क्योंकि इस वक्त शूटिंग करना काफी जोखिम भरा होता है। मुझे यकीन है कि वे हमारी सुरक्षा का ख्याल रखेंगे। हम एक बायो बबल में, एक सुरक्षित लोकेशन में शूटिंग करेंगे और वही लोग जा सकेंगे जिनका कोविड 19 टेस्ट निगेटिव होगा।'

लोगों ने स्वीकारा

नेहा ने आगे कहा कि 'शुरूआत में लोगों ने मेरी तुलना की। ये कुछ ऐसा था कि मुझे इसके बारे में पता था। लेकिन अब लोगों ने मुझे अच्छे से स्वीकार कर लिया है और अब मैं इस रोल में पूरी तरह फिट हो गई हूं।'

आजकल लोगों के लिए दूर जाना आसान है क्योंकि उनके पास कई विकल्प हैं

टीवी इंडस्ट्री के चर्चित सीरियल 'पवित्र रिश्ता' से सुर्खियां बटोरने वाले रित्विक धनजानी का मानना है कि रिलेशनशिप में आपकी खुशी की बागडोर आपके हाथों में होनी चाहिए। आजकल लोगों के लिए दूर जाना आसान हो गया है, क्योंकि उनके पास कई विकल्प हैं। रित्विक धनजानी ने ये सारी बातें टाइम्स ऑफ इंडिया की खास बातचीत में कहा। इस दौरान रित्विक ने अपने करियर और रिलेशनशिप से जुड़ीं कई सारें सवालों का जबाव बड़े ही बिंदास अंदाज में दिया है। आपको बता दें कि रित्विक इन दिनों रियलिटी शो सुपर डांसर 4 को एंकर बतौर होस्ट कर रहे हैं। वह इस इस शो से लंबे समय से जुड़े हुए हैं और वो कमाल का होस्ट करते हैं।

इसलिए छोड़ा 'पवित्र रिश्ता'

'पवित्र रिश्ता' शो को अलविदा कहने के फैसले पर एक्टर ने कहा, ''पवित्र रिश्ता' में ढ़ाई साल तक काम करने के बाद ये एहसास हुआ, अगर मैं कभी एक और डेली सोप का हिस्सा बनता हूं, तो मुझे इसे उतना ही प्यार करना होगा, जितना मैंने इसे दिया। इसलिए मैंने अपने लाइफ में कुछ और करने की राह चुना।

लोगों के लिए दूर जाना आसान हो गया है

एक सवाल का जवाब देते हुए ऋत्विक कहा कि आज कल यंगेस्ट खोई हुई कला को देखते हुए रिश्तों को तोड़ने से ज्यादा उन्हें सुधारने में विश्वास करते हैं। मेरा मानना है कि एडजस्टमेंट जीवन का हिस्सा है। आजकल लोगों के लिए दूर जाना आसान हो गया है, क्योंकि उनके पास कई विकल्प हैं। हालांकि पहले हमें सिखाया जाता था कि अगर शीशा टूट जाए तो उसे ठीक करना होता है, फेंकना नहीं। मैं उस पुरानी विचारधारा से ताल्लुक रखता हूं।

अभिनेत्री आशा नेगी संग थे रिलेशनशिप में

ऋत्विक धनजानी कभी अभिनेत्री आशा नेगी संग लंबे समय तक एक-दूसरे के साथ रिलेशनशिप में थे, लेकिन अब अलग हो गए हैं। ब्रेकअप के बाद इन दोनों में अच्छी दोस्ती है। इन दोनों की पहली मुलाकात टीवी सीरीयल 'पवित्र रिश ?ता' के सेट पर हुई थी। दोनों के बीच वहले दोस्ती हुई और फिर दोनों एकदूसरे को प्यार कर बैठे।

कैसी है सोनिया राठी की सिद्धार्थ शुक्ला के साथ ऑफस्क्रीन कैमिस्ट्री?

इन दिनों ऑल्ट बालाजी का शो 'ब्रोकन बट ब्यूटीफुल 3' काफी चर्चा में बना हुआ है। शो के ट्रेलर को फैन्स खूब पसंद कर रहे हैं और सिद्धार्थ शुक्ला और सोनिया राठी की कैमिस्ट्री की भी खूब चर्चा हो रही है। शो की रिलीज से पहले सोनिया राठीके साथ खास बातचीत।

मनोरंजन जगत में एंट्री करना, कितना आसान या मुश्किल रहा?

देखिए सभी के लिए आसान और मुश्किल की परिभाषा अलग- अलग है। सभी की अपनी जर्नी होती है, वैसे ही मैंने भी कई ऑडिशन्स दिए, लेकिन ईश्वर के आशीर्वाद से मेरा नंबर थोड़ा जल्दी आ गया। बाकी यही कहूंगी कि सभी की अपनी अपनी जर्नी होती है।

'ब्रोकन बट ब्यूटीफुल 3' में कैसे मौका मिला?

हम्म्म सच कहूं तो उसके पीछे कोई क्रेजी कहानी नहीं है. मेरा पास भी ऑडिशन का मौका था, जैसा बाकी लोगों को मिलता है,कास्टिंग डायरेक्टर की मदद से। पहला राउंड क्लीयर किया, फिर दूसरा राउंड भी कास्टिंग डायरेक्टर के साथ ही था। इसके बाद वीडियो कॉल्स पर ही प्रियंका (शो की डायरेक्टर) से बात हुई, उन्होंने मुझे मेरे किरदार रूमी के बारे में बताया कि वो कैसी है, कैसे बात करती है.उसके रिश्ते कैसे हैं। इसके दो महीने बाद मेरे पास प्रोड्यूसर्स से कॉल आया कि मुझे रोल मिल गया है।

यह कब महसूस हुआ कि मुझे एक्ट्रेस बनना है?

बचपन से.मेरा बचपन से ही सपना था कि मुझे एक्ट्रेस बनना है।

जब शो के बारे में घर पर बताया तो आपके परिवार का रिएक्शन कैसा था, खासकर आपके भाई अंकुर राठी का?

मेरा भाई तो मेरे से भी ज्यादा एक्साइटिड था, जब मुझे कॉल आया तो वो मेरे साथ ही मौजूद था। अंकुर बहुत ज्यादा खुश था, इस बात को सुनकर वो पागल हो गया था। वहीं मेरे घर वाले भी इस न्यूज को सुनकर बहुत खुश हुए, हालांकि उनको इंडस्ट्री के बारे में बहुत नहीं पता है। वो नहीं जानते कि ब्रोकन 1 और ब्रोकन 2 क्या है, लेकिन वो इस बात को लेकर खुश थे कि उनकी बेटी काम कर रही है।

एक शब्द में अपने आपको कैसे बयां करेंगी?

गूफी.

सिद्धार्थ शुक्ला संग आपकी ऑनस्क्रीन कैमिस्ट्री को फैन्स खूब पसंद कर रहे हैं, आप दोनों की ऑफस्क्रीन कैमिस्ट्री कैसी है?

अच्छी है, हम अच्छे दोस्त हैं। शूटिंग सेट पर काफी मजेदार माहौल होता था और हम बस मस्ती करते रहते थे। हम खूब मजे करते थे, एक दूसरे की टांग खींचते थे। जैसे ही कैमरा बंद होता था, मस्ती शुरू हो जाती थी। काम, काम लगता ही नहीं था।

रूमी देसाई और सोनिया राठी में कुछ कनेक्शन है क्या?

हम्म्म मुझे लगता है कि कुछ तो कनेक्शन है। रूमी एक 23 वर्षीय लड़की है, जो अभी भी अपनी जिंदगी संभाल रही है, पता नहीं उसको क्या करना है जिंदगी में और मैं भी हर दिन ये तय करती हूं कि मुझे क्या करना है जिंदगी में। रूमी गुस्से से भरी हुई लड़की है, फ्रस्टेशन है, उसके सारे रिश्ते ऊपर- नीचे हैं। उसके जो भी इमोशन्स हैं, मुझे लगता है कभी न कभी हम सभी ने वो महसूस करे हैं। तो उस प्वाइंट पर वो जुड़ी हुई है। इसके अलावा रूमी और सोनिया एक दम अलग अलग हैं।

मेगास्टार राम चरण के साथ नजर आ सकती हैं आलिया भट्ट

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट एसएस राजामौली की पैन इंडिया फिल्म 'आरआरआर' से साउथ फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही हैं। इस फिल्म में आलिया भट्ट साउथ फिल्मों के मेगास्टार राम चरण के साथ ऑनस्क्रीन नजर आने वाली हैं। अब आलिया को एक और पैन इंडिया फिल्म का प्रस्ताव मिल गया है। खास बात यह है कि इसमें भी वह राम चरण के साथ ही इश्क फरमाती नजर आएंगी। खबरों के अनुसार आलिया को एक बड़े बजट की पैन इंडिया फिल्म 'RC 15' का प्रस्ताव मिला है। शंकर के निर्देशन में बन रही इस फिल्म के हीरो राम चरण हैं। आलिया ने इसमें दिलचस्पी दिखाई है, लेकिन इस फिल्म को उन्होंने अभी साइन नहीं किया है। इस खबर के बाद यकीनन आलिया और राम चरण के फैंस खुशी से झूमने लगेंगे। पिछले महीने फिल्म से सलमान खान का नाम भी जुड़ा था। चर्चा थी कि वह इसमें एक सख्त पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाएंगे। इस किरदार के लिए शंकर, राम चरण से बड़ा कलाकार तलाश रहे थे। ऐसे में उन्हें सलमान एकदम फिट लगे। 'RC 15' के जरिए राम चरण ने पहली बार निर्देशक शंकर से हाथ मिलाया है। यह एक पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म है।

जब कुछ अच्छा लिखा जाता है तो पात्रों का चित्रण संतुलित

अभिनेत्री शाहाना गोस्वामी का मानना है कि वेब शो ने लेखन की बेहतर गुणवत्ता की शुरूआत की है, जो बदले में उनके जैसे एक्टर्स के लिए अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित करने की गुंजाइश पैदा करता है। अपने नवीनतम शो 'द लास्ट ऑवर' में, शाहाना एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में है, जो एक अन्य पुरुष समकक्ष के साथ, एक हत्या के रहस्य को उजागर करने के लिए निकलती है। सवाल है कि क्या उसने महसूस किया कि कहानी में वह पुरुष प्रधान दुनिया में एक मजबूत महिला के रोल में है? शहाना ने कहा '' मुझे लगता है कि जब कुछ अच्छी तरह से लिखा जाता है, तो उसमें प्रत्येक चरित्र के चित्रण में एक प्राकृतिक संतुलन होता है। जब मैं संतुलन कह रही हूं, तो इसका मतलब है कि हमें केवल एक चरित्र को हाइलाइट करने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि वह एक पुरुष या महिला चरित्र है। उसमें प्रत्येक के लिए पर्याप्त जगह है। जब 'द लास्ट ऑवर' में मेरे चरित्र की बात आती है, जहां मैं एक जांचकर्ता पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाती हूं, तो यह कहानी में मेरा रोल है इसलिए, नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगा कि मैं पुरुषों की दुनिया की सबसे मजबूत महिलाओं में से एक हूं।'' 2006 में अपने फिल्मी करियर की शुरूआत करते हुए, शाहना ने ज्यादातर 'फिराक', 'मिर्च', 'मिडनाइट्स चिल्ड्रन', 'तू है मेरा संडे' और 'गली गुलियान' जैसी फिल्मों से अपनी पहचान बनाई है, और मुख्यधारा के बॉलीवुड मनोरंजन में भी अभिनय किया है। जैसे 'हनीमून ट्रेवल्स प्राइवेट लिमिटेड', 'रॉक ऑन' और 'ब्रेक के बाद'। अपना नई सीरीज 'द लास्ट आवर' को लेकर शाहना ने कहा '' लोग इसे आराम से छुट्टी में देखेंगे। एक शो 15 दिनों या रिलीज के एक महीने के बाद देखा जा सकता है और हमारे काम की प्रतिक्रिया पहले सप्ताहांत के भीतर नहीं बल्कि वर्ड ऑफ माउथ के आधार पर आना शुरू होती है। मुझे लगता है कि यही कारण है कि हमारे लिए प्रतिभा का पता लगाने और जश्न मनाने के लिए यह नया स्थान है।'' 'द लास्ट आवर' में संजय कपूर भी है। सीरीज एमेजॉन प्राइम पर स्ट्रीम हो रहा है।

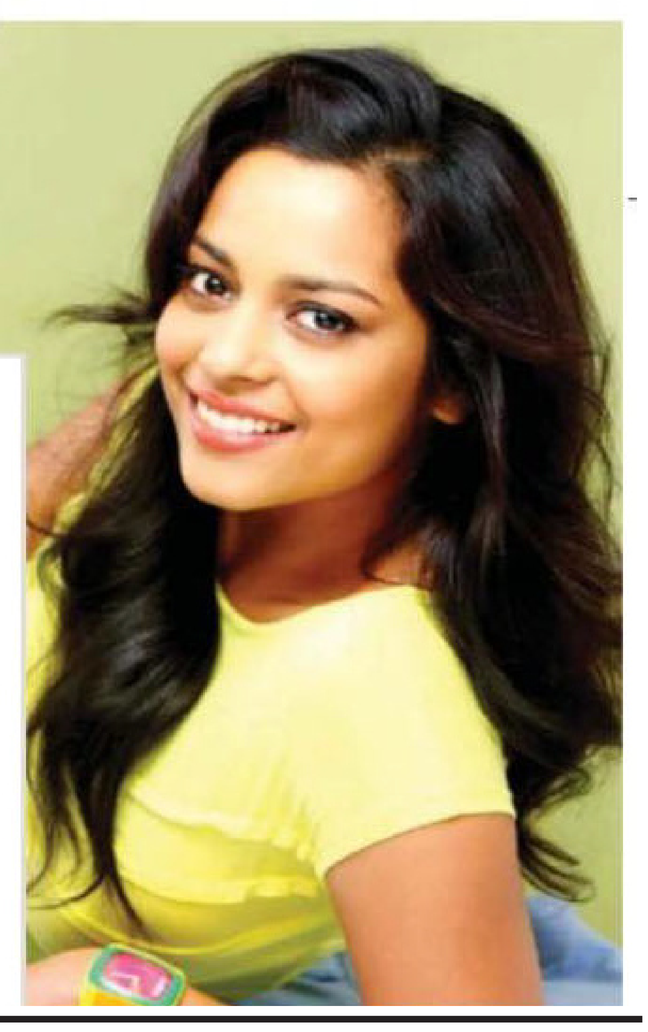

प्रोजेक्ट चुनते समय मैं ऐसी चीजें चुनता हूं जो मुझे सोने न दें

अभिनेता सुनील ग्रोवर ने 'सनफ्लावर' में अपनी भूमिका के लिए लगभग 8.1 किलो वजन कम किया है। उनकी ये थ्रिलर सीरीज जल्द रिलीज हो जाएगी। उन्होंने अपनी नई परियोजना के बारे में वादा करते हुए कहा '' यह 'तांडव' या इससे पहले की किसी भी चीज के साथ मैंने जो किया है, उससे बहुत अलग है। एक प्रोजेक्ट चुनते समय, मैं यह तय करता हूं कि मैं ऐसी चीजें चुनूं जो मेरी नींद उड़ा दें और शूटिंग से कुछ दिन पहले मुझे सोने न दें, और फिर मेरा काम धमाकेदार होता है।'' अपने चरित्र सोनू को 'रोमांचक' बताते हुए, सुनील ने बाकी कलाकारों के बारे में कहा, ''हमें रणवीर शौरी, गिरीश कुलकर्णी, आशीष विद्यार्थी, मुकुल चड्ढा और शोनाली नागरानी जैसे कलाकारों में कुछ जबरदस्त कलाकार मिले, साथ ही मेरे निर्देशक विकास बहल ने बहुत ही जबरदस्त काम किया है। शो में राधा भट्ट, आशीष कौशल, शोनाली नागरानी और सलोनी खन्ना भी शामिल हैं। सीरीज मुंबई में एक मध्यवर्गीय हाउसिंग सोसाइटी की कहानी बताती है जिसे सनफ्लावर कहा जाता है, जिसमें विचित्र चरित्र हैं। रिलायंस एंटरटेनमेंट एंड गुड कंपनी द्वारा निर्मित, श्रृंखला विकास बहल द्वारा लिखी गई है और राहुल सेनगुप्ता और बहल द्वारा सह-निर्देशित है। यह 11 जून से जी 5 पर स्ट्रीम होगा।

आईओए प्रमुख नरिंदर बत्रा ने कहा- टोक्यो ओलंपिक के लिए भारत की तैयारी जोरों पर

नई दिल्ली। टोक्यो ओलंपिक के आयोजन को लेकर उहापोह की स्थिति बनी हुई है। वहीं, इस बीच भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने कहा है कि टोक्यो

ओलंपिक के लिए भारत की तैयारी जोरों पर है। उन्होंने कहा कि भारत के लिए ओलंपिक चालू है और हमारी तरफ से राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों को यह स्पष्ट संदेश है। दरअसल, टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में बत्रा ने कहा, टोक्यो ओलंपिक के लिए भारत की तैयारी जोरों पर है। मेरे हिसाब से ओलंपिक में 125 से 140 खिलाड़ियों के जाने की संभावना है और अधिकारियों सहित यह 190 से 210 के बीच होगा। बत्रा ने कहा, किसी भी एथलीट की तैयारी में कोई दिक्कत नहीं है।

उन्होंने कहा, उन सभी ने अपने-अपने स्थानों का चयन किया है, जहां भी वे प्रशिक्षण लेना चाहते हैं, जैसे निशानेबाज क्रोएशिया गए हैं। भारोत्तोलक मीराबाई चानू अमेरिका गई हैं। हॉकी टीमें बंगलूरू में स्थित हैं। हॉकी की टीमें बंगलूरू में हैं। कुछ एथलीट (ट्रैक एंड फील्ड) बंगलूरू में और कुछ पटियाला में हैं। घुड़सवारी (एथलीट फौआद मिर्जा) भारत से बाहर हैं और वहीं से उड़ान भरेंगे। बैडमिंटन, टेबल टेनिस, सबके लिए ट्रेनिंग जारी है। उन्होंने कहा, पूरे भारतीय दल का टीकाकरण किया जाएगा, अंतिम सूची जून के तीसरे सप्ताह के आसपास जारी की जाएगी। भारत में, प्रत्येक एथलीट को कोविशील्ड का टीका लगाया जा रहा है। अगर उन्होंने भारत में वैक्सीन का पहला डोज ले लिया है तो दूसरा डोज विदेश में प्रशिक्षण के दौरान दिया जाएगा, जो एस्ट्राजेनेका का होगा। दोनों को विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी द्वारा अनुमोदित किया गया है।

कोहली, केन, रूट या एबी नहीं इस बल्लेबाज को गेंदबाजी करना है सबसे मुश्किल, पैट कमिंस ने बताया नाम

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज पैट कमिंस दुनिया के बेस्ट गेंदबाजों में शुमार किए जाते हैं और इस समय वो टेस्ट रैंकिंग में पहले स्थान पर हैं। पैट कमिंस ने बताया कि, अब तक उन्हें किस बल्लेबाज को गेंदबाजी करना सबसे मुश्किल लगा। उन्होंने बताया कि, पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम का सामना करना उन्हें अब तक सबसे कठिन लगा। हालांकि उन्होंने कुछ अन्य बल्लेबाजों का भी नाम लिया जिन्हें गेंदबाजी करना उनके लिए मुश्किल है, लेकिन उन्होंने इन सबमें पहले स्थान पर बाबर आजम को रखा।

पैट कमिंस ने बताया कि, बाबर आजम के अलावा उन्हें जो रूट, केन विलियमसन, विराट कोहली और एबी डिविलियर्स को गेंदबाजी करना मुश्किल लगता है। कमिंस ने कहा कि, ये सभी बल्लेबाज इस वक्त दुनिया के बेस्ट बैट्समैन हैं और इन सबमें कोई भी कमी नहीं है। हर टीम में कुछ बल्लेबाज ऐसे होते हैं जिन्हें गेंदबाजी करना सबसे कठिन होता है, लेकिन आप उन चुनौतियों का सामना करना चाहते हैं क्योंकि इस तरह से बल्लेबाजों के सामने गेंदबाजी करना फायदेमंद होता है। पैट कमिंस ने क्रिकेट करियर की बात करें तो उन्होंने अब तक कंगारू टीम के लिए 34 टेस्ट मैच खेले हैं। इन मैचों में उन्होंने कुल 164 विकेट हासिल किए हैं तो वहीं 69 वनडे मैचों में उनके नाम पर 111 विकेट दर्ज है। इसके अलावा 30 टी20 इंटरनेशनल मैचों में उन्होंने 37 विकेट हासिल किए हैं। पैट कमिंस ने साल 2011 में ही इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था, लेकिन उन्हें ज्यादा मैच खेलने का अवसर नहीं मिल पाया। कमिंस इस वक्त टेस्ट क्रिकेट के नंबर एक गेंदबाज हैं और इससे साबित होता है कि, वो कितने बेहतरीन हैं। कमिंस इस वक्त कंगारू टीम की तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ हैं और वो आइपीएल में भी खेलते हैं।

विराट कोहली को इंग्लैंड में रन बनाने के लिए क्या करना चाहिए, कपिल देव ने दी खास सलाह

नई दिल्ली। विराट कोहली की कप्तानी में टीम इंडिया इंग्लैंड दौरे पर जा रही है जहां उसे पहले आइसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मैच खेलना है और उसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में हिस्सा लेना है। इंग्लैंड दौरे पर भारतीय बल्लेबाजों के लिए रन बनाना चुनौतीपूर्ण होगा और इसमें विराट कोहली भी शामिल हैं। अब विराट इंग्लैंड दौरे पर किस तरह से रन बनाने में सफल हो सकते हैं इसे लेकर टीम इंडिया के पूर्व कप्तान कपिल देव ने उन्हें खास सलाह दी। कपिल ने बताया कि विराट कोहली को इंग्लैंड कि पिचों पर रन बनाने के लिए किन बातों को जहन में रखने की जरूरत है। कपिल देव ने कहा कि, मुझे पूरी उम्मीद है कि वो इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन करेंगे और क्या आप उन्हें रोक सकते हैं। विराट जब कंडीशन के साथ तालमेल बिठाकर खेलते हैं तो पूरी तरह से नैचुरल दिखते हैं, और मैं उन्हें ज्यादा आक्रामक होने की सलाह भी नहीं दूंगा। उन्हें सेशन दर सेशन खेल को समझना होगा और विरोधी टीम में पर हावी होने की जगह सही वक्त का इंतजार करना होगा। अगर विराट धैर्य के साथ खेलेंगे तो रन बनाएंगे। इंग्लैंड में आपको गेंद को देखने की जरूरत होती है और यहां पर जल्दी आक्रामक होने खतरनाक साबित होता है। कपिल देव ने अच्छी बल्लेबाजी के लिए सलाह देते हुए कहा कि, यहां पर गेंद सीम होती है और स्विंग करती है ऐसे में आप धैर्य रखें और क्रीज पर टिके रहें साथ ही सही वक्त का इंतजार करें। ये उपाय करके आप इंग्लैंड की पिच पर सफल हो सकते हैं।

भारत vs न्यूजीलैंड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल

आईसीसी ने कहा- मैच ड्रॉ या टाई रहने पर दोनों टीमों को संयुक्त रूप से विजेता माना जाएगा; ग्रेड-1 ड्यूक बॉल से होगा टेस्ट

दुबई। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 18 जून से होने वाले पहले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल को लेकर इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने अपना फैसला सुना दिया है। ICC का कहना है कि मैच ड्रॉ या टाई रहने पर इसका फैसला अलग से नहीं किया जाएगा, बल्कि दोनों टीमों को संयुक्त रूप से विजेता माना जाएगा। फाइनल साउथैंप्टन के द एजिस बाउल मैदान पर 18 से 22 जून के बीच खेला जाएगा।

23 जून को रिजर्व डे के तौर पर इस्तेमाल किया जाएगा

ICC ने इससे पहले फाइनल के लिए रिजर्व डे की भी घोषणा की थी। काउंसिल ने कहा था कि बारिश से बाधित हुए समय के लिए 23 जून को रिजर्व डे के तौर पर रखा जाएगा। इससे हम 5 दिन का खेला पूरी तरह से करवा सकेंगे। इसका इस्तेमाल किसी कारणवश 5 रेगलु दिन में समय खराब होने पर ही किया जाएगा। अगर 5 रेगुलर डे में ही हार, जीत, ड्रॉ या टाई का फैसला निकलता है, तो रिजर्व डे में मैच नहीं जाएगा। यह फैसला 2018 में टेस्ट चैंपियनशिप शुरू होने से पहले ही लिया गया था।

रेफरी 5वें दिन करेंगे रिजर्व डे को लेकर फैसला

ICC ने बताया कि रिजर्व डे को लेकर रेफरी फैसला लेंगे। वे समय को लेकर किसी भी तरह की दिक्कत होने पर दोनों टीम और मीडिया को इसके बारे में जानकारी देंगे और बताएंगे कि रिजर्व डे को किस प्रकार इस्तेमाल किया जा सकता है। रिजर्व डे होगा या नहीं और कितनी देर का होगा, इसके बारे में रेफरी रेगुलर डे के 5वें दिन मैच खत्म होने से एक घंटे पहले बताएंगे।

ग्रेड-1 ड्यूक बॉल से खेला जाएगा फाइनल

भारत और न्यूजीलैंड के बीच फाइनल ग्रेड-1 ड्यूक बॉल से खेला जाएगा। इंग्लैंड और वेस्टइंडीज में इसी बॉल से मैच खेला जाता है। जबकि, भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका जैसे देशों में स्त्र बॉल का इस्तेमाल होता है। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में मैच के लिए कूकाबुरा बॉल का उपयोग किया जाता है। इसके साथ ही ICC ने यह भी स्पष्ट किया है कि फरवरी में डिसीजन रिव्यू सिस्टम और अंपायर्स कॉल को लेकर लिए गए फैसले फाइनल में भी जारी रहेंगे।

ICC और अंपायर्स कॉल के नियम जारी रहेंगे

भारत का ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में DRS काफी विवादों में रहा था। इसमें LBW पर अंपायर्स कॉल को लेकर काफी सवाल उठे थे। साथ ही ICC के नियम पर दोबारा विचार करने की भी मांग उठी थी। इस पर ICC ने मार्च में अंपायर्स कॉल को जारी रखने का फैसला किया था।

ICC क्रिकेट कमेटी के अध्यक्ष अनिल कुंबले ने कहा था कि ICC का मतलब मैच के दौरान होने वाले गलतियों को सही करना है। इसमें मैदान पर अंपायर के फैसले को तवज्जो दी गई है। अंपायर्स कॉल का यही रोल है।

ICC में LBW रिव्यू के नियमों में बदलाव किए गए

इसके साथ ही आइ क्रिकेट बोर्ड और क्रिकेट कमेटी ने ICC में LBW रिव्यू के नियमों में कुछ बदलाव किए। नए नियम के मुताबिक LBW के रिव्यू के लिए विकेट जोन की ऊंचाई को बढ़ाकर स्टंप के सबसे ऊपरी छोर तक कर दिया गया है। इसका मतलब यह हुआ कि अब रिव्यू लेने पर बेल्स के ऊपर तक की ऊंचाई पर गौर किया जाएगा।

कुश्ती : विश्व विजेताओं के साथ तैयारी नहीं कर पाएंगे बजरंग

नई दिल्ली। टोक्यो ओलंपिक में पदक के दावेदार पहलवान बजरंग की विश्व विजेता पहलवानों के साथ तैयारियों की योजना पर पानी फिर गया है। बजरंग ने मुंह मांगी रकम पर किर्गिस्तान, जॉर्जिया, क्यूबा के पांच नामी पहलवानों को उन्हें तैयारियां करने के लिए बुलाया था। ये पांचों पहलवान 61, 65 और 70 किलो भार वर्ग के हैं। इनमें से दो अंडर-23 विश्व चैंपियन और एक पैन अमेरिकन चैंपियन है।

इन सभी पहलवानों को जोड़ीदार (स्पारिंग पार्टनर) बनकर बजरंग को एक माह तक तैयारियां करानी थी, लेकिन इनमें से कुछ की वीजा नहीं लगा और जिनका वीजा लगा उन्हें फ्लाइट नहीं मिली। इन सभी पहलवानों को बजरंग को तैयारियां कराने के लिए 80 हजार रुपये प्रति माह की राशि दी जानी थी।

जोड़ीदार नहीं मिलने से तैयारी में आई दिक्कतें

बजरंग अपने साथी और दोस्त 74 किलो के पहलवान जितेंदर कुमार के साथ प्रैक्टिस करते हैं, लेकिन उनके चोटिल होने के बाद उन्हें जोड़ीदार की सख्त जरूरत महसूस हुई।

इसके लिए उन्होंने 2019 में 61 किलो में अंडर-23 विश्व चैंपियन किर्गिस्तान के उलुबेक झॉलडॉशबेकोव, 2018 एशियन गेम्स में बजरंग के साथ 65 किलो में खेलने वाले

एलीबेक ऑसमानोव, क्यूबा के 61 किलो में पैन अमेरिकन चैंपियन दाबियान क्रिंताना जेम और इसी देश के 65 किलो में हरनांडेज एलीनर के अलावा 70 किलो में अंडर-23 विश्व चैंपियन जॉर्जिया के पहलवान को बुलाया।

लेकिन भारत में फैले कोरोना के चलते इनमें से कुछ को वीजा नहीं मिला और कुछ को फ्लाइट। बजरंग ने अमर उजाला से खुलासा किया कि जोड़ीदार नहीं मिलने से दिक्कतें आई हैं। ये पहलवान विश्व चैंपियनशिप के मेडलिस्ट हैं। इनके साथ तैयारियां करने का काफी फायदा मिलता, लेकिन सारी योजनाएं धरी की धरी रह गई हैं।

जेएसडब्लू में प्रैक्टिस कर रहे हैं बजरंगः फिल्हाल बजरंग जेएसडब्लू बेल्लारी में कुछ स्थानीय और साथी पहलवानों के साथ प्रैक्टिस कर रहे हैं, लेकिन उन्हें अच्छे जोड़ीदार की जबरदस्त रूप से कमी महसूस हो रही है। बजरंग के मुताबिक वह कुश्ती संघ के कार्यक्रम के मुताबिक पोलैंड जाने की योजना बना रहे हैं। वह वहीं प्रैक्टिस के लिए जोड़ीदार पहलवानों की व्यवस्था करेंगे।

वहीं कुश्ती संघ के भरसक प्रयासों के बाद पोलैंड में छह जून को होने वाले टूर्नामेंट का कुश्ती संघ को आमंत्रण प्राप्त हो गया है। कुश्ती संघ बजरंग समेत अन्य पहलवानों को वीजा लगवाने की कोशिश कर रही है।

टोक्यो ओलंपिक: डॉक्टर की चेतावनी, खेलों के आयोजन से फैल सकता है कोरोना वायरस

टोक्यो। जापान की एक चिकित्सा संस्था का प्रतिनिधित्व करने वाले डॉ. नाओतो उएयामा ने गुरुवार को चेताया कि अगर निलंबित टोक्यो ओलंपिक का आयोजन दो महीने के भीतर किया गया तो इससे कोरोना वायरस के विभिन्न प्रकारों का प्रसार हो सकता है। जापान डॉक्टर्स यूनियन के अध्यक्ष उएयामा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) और जापान की सरकार ने 200 से अधिक देशों और क्षेत्रों के 15000 ओलंपिक और पैरालंपिक खिलाड़ियों सहित हजारों अधिकारियों, जजों, मीडिया और प्रसारणकर्ताओं को देश में लाने के जोखिम को कमतर आंका है। उएयामा ने यहां जापान विदेशी संवाददाता क्लब में कहा, कोविड-19 के सामने आने के बाद से दुनिया भर के इतने अधिक देशों के लोगों का एक ही जगह पर इतना खतरनाक जमावड़ा नहीं लगा। इसकी भविष्यवाणी करना बेहद मुश्किल है कि इससे क्या हो सकता है। उएयामा ने कहा कि वह टोक्यो के बाहर अस्पताल में काम करने के अपने स्वयं के अनुबंध के आधार पर यह बात कह रहे हैं। वह ओलंपिक की योजना बनाने से किसी भी तरह से नहीं जुड़े हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यहां महत्वपूर्ण यह है कि अगर ओलंपिक के कारण वायरस का कोई नया प्रकार सामने आ गया तो क्या होगा।

ओलंपिक मिशनः स्विट्जरलैंड में तैयारी कर रहे हैं शरणार्थी देशों के खिलाड़ी

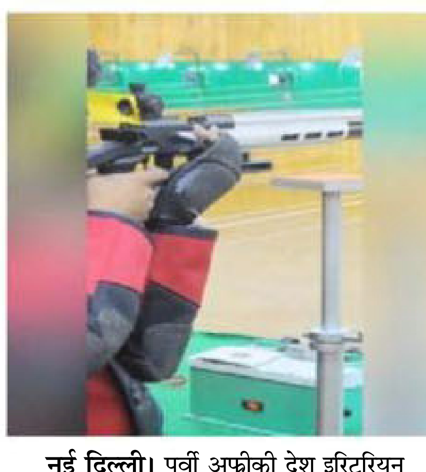

नई दिल्ली। पूर्वी अफ्रीकी देश इरिटरियन हिंसाग्रस्त, मानवाधिकार को लेकर भी वहां रिकॉर्ड बेहद खराब है। युद्ध की विभीषका से भी देश जूझता रहा है। वहीं के शरणार्थी खिलाड़ी इस समय स्विट्जरलैंड में अपनी ओलंपिक तैयारियों को अंजाम दे रहे हैं। उनमें से एक हैं लूना सोनोमोन जो निशानेबाज हैं और उनका लक्ष्य 10 मीटर एयर राइफल में ओलंपिक में भागीदारी करना है। यहां शरणार्थी शिविर में दर्जनों ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें टोक्यो में भाग लेने की उम्मीद है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) इनकी एक टीम बनाना चाहती है।

लूना कहतीं है, मेरे अपने देश में हाल खराब है, वहां बंदूक किसी दूसरे पर गोली चलाने के लिए उठाई जाती रही है। वहां राइफल को खेल से नहीं हिंसा से जोड़कर देखा जाता है। सोलोमोन ने 2015 में अपना देश छोड़कर शरण ले ली थी। अब इटली की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता निकोलो कैप्रियानी उनकी कोच है जो पूर्व विश्व चैंपियन भी रह चुकी हैं। आईओसी ने पहले 2016 रियो डि जेनेरियो में पहली बार शरणार्थी खिलाड़ियों की एक टीम बनाई थी ताकि ऐसे खिलाड़ियों के मुद्दे को सामने लाया जा सके। उस साल मध्यपूर्व, अफ्रीका और मध्य एशिया से लाखों शरणार्थी यूरोप पहुंचे थे। तब सीरिया, कांगो, इथियोपिया और दक्षिणी सूडान के खिलाड़ियों की दस सदस्यीय टीम ने एथलेटिक्स, तैराकी और जूडो में हिस्सा लिया था।

13 : देशों के 55 शरणार्थी खिलाड़ी तैयारी कर रहे हैं, टीम का चयन जून में होना है।

बैडमिंटन : गोपीचंद ने कहा- दूसरी श्रेणी के विदेशी कोच दूसरी श्रेणी के खिलाड़ी ही तैयार करेंगे

नई दिल्ली। लेला गोपीचंद का मानना है कि विदेशी और भारतीय प्रशिक्षकों का अच्छा मिश्रण देश में खेल व्यवस्था के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। साथ ही उन्हें लगता है कि दूसरी श्रेणी के विदेशी कोच सिर्फ दूसरी श्रेणी के खिलाड़ी तैयार करेंगे। राष्ट्रीय बैडमिंटन कोच गोपीचंद ने कोच शिक्षा कार्यक्रम का वर्चुअल उद्घाटन करते हुए भारतीय खेलों में प्रशिक्षकों के महत्व पर बात की।

उन्होंने कहा विदेशी कोच हमारे विकास के लिए अहम हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हमारे पास विदेशी प्रशिक्षकों का अच्छा मिश्रण रहे। खेलों में जब हमारे पास विशेषज्ञता नहीं होती है तब शुरू में कुछ समय के लिए पूर्णकालिक विदेशी सहयोगी टीम में रखना अच्छा है लेकिन यदि हम निरंतर उन्हें बनाए रखते हैं तो फिर हम अपनी व्यवस्था के साथ

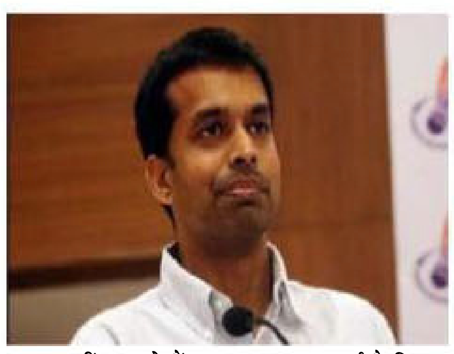

न्याय नहीं कर रहे हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम उनसे सीखें। हमें धीरे-धीरे उनसे दूरी बढ़ानी होगी क्योंकि वे हमेशा दूसरी श्रेणी के खिलाड़ी ही तैयार कर पाएंगे, सर्वश्रेष्ठ नहीं।

फ्रेंच ओपनः फेडरर-जोकोविच और नडाल में से कोई एक खेलेगा फाइनल, ड्रॉ के एक ही हाफ में मिली जगह

ऑकलैंड। नोवाक जोकोविच, राफेल नडाल और रोजर फेडरर को फ्रेंच ओपन पुरुष के ड्रॉ में एक ही हाफ में जगह मिली है। इसका मतलब हुआ कि तीनों में से कोई एक खिलाड़ी फाइनल में पहुंच सकता है। पिछले साल जोकोविच को हराकर 13वीं बार फ्रेंच ओपन के चैंपियन बनने वाले नडाल क्वार्टरफाइनल में आंद्रे रूबेलेव से भिड़ सकते हैं तो वहीं, फेडरर के सामने अंतिम आठ में जोकोविच की चुनौती हो सकती है। इसके अलावा नडाल का सामना क्वार्टरफाइनल में आंद्रेइ रूबलेव से हो सकता है। बता दें कि द बिग थ्री के नाम से मशहूर इन तीनों खिलाड़ियों ने सबसे ज्यादा ग्रैंडस्लैम खिताब जीते हैं। फेडरर और नडाल 20-20 खिताब के साथ शीर्ष पर है तो वहीं जोकोविच के नाम 18 खिताब है।

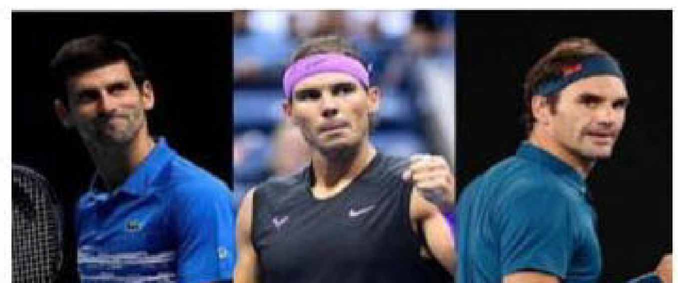

टोक्यो ओलिंपिक: वर्ल्ड नंबर-1 टेनिस प्लेयर जोकोविच ने समर गेम्स को लेकर रखी शर्ता, बोले- दर्शकों को एंट्री मिलने पर ही टूर्नामेंट खेलूंगा

टोक्यो। दुनिया के नंबर-1 टेनिस प्लेयर नोवाक जोकोविच ने कहा है कि वे टोक्यो ओलिंपिक्स में खेलने को लेकर अपनी शर्त रख दी है। उन्होंने कहा है कि वे ओलिंपिक में तभी हिस्सा लेंगे, जब उसमें दर्शकों को एंट्री की परमिशन दी जाएगी। इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी और टूर्नामेंट ऑर्गेनाइजर्स ने हाल ही में कहा था कि यह ओलिंपिक बंद स्टेडियम में खेला जाएगा। जबकि, स्थानीय लोग और डॉक्टर्स इसे रद्द करने की मांग कर रहे हैं। ओलिंपिक 23 जुलाई से 8 अगस्त तक आयोजित होगा। इसके बाद 24 अगस्त से पैरालिंपिक गेम्स की शुरुआत होगी।

कई टेनिस प्लेयर ने ओलिंपिक को लेकर जताया विरोध

जोकोविच ने कहा- मैं ओलिंपिक में खेलने पर विचार तभी करूंगा, जब इसमें फैन्स को एंट्री मिलेगी। अगर नहीं, तो इस पर दोबारा विचार करूंगा। जोकोविच अकेले टेनिस स्टार नहीं हैं, जिन्होंने कोरोना के समय में ओलिंपिक कराने को लेकर चिंता जाहिर की है। इससे पहले सेरेना विलियम्स, नाओमी ओसाका,

राफेल नडाल और रोजर फेडरर भी नाराजगी जता चुके हैं। इन सभी ने कहा है कि उन्होंने अभी तक ओलिंपिक में हिस्सा लेने के बारे में नहीं सोचा है।

फ्रेंच ओपन की तैयारियों में जुटे टेनिस प्लेयर्स

जोकोविच ने यह बयान बेलग्रेड टूर्नामेंट के दौरान दिया। वे इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच चुके हैं। गुरुवार को उन्होंने फेडरिको कोरिया को 6-1, 6-0 से हराया। सभी टेनिस प्लेयर फिलहाल साल के दूसरे ग्रैंड स्लैम फ्रेंच ओपन की तैयारियों में जुटे हुए हैं। फ्रेंच ओपन की शुरुआत 30 मई से होगी। जोकोविच ने साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन को रिकॉर्ड 9वीं बार अपने नाम किया था।

जापान की ही ओसाका ने ऑर्गेनाइजर्स को सलाह दी थी

फेडरर ने कहा था कि एथलीट को इस बारे में मिलकर फैसला लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे खुद इसको लेकर संशय में हैं और दोनों पहलुओं के बारे में सोच रहे हैं। वहीं, जापान की स्टार प्लेयर ओसाका और केई निशिकोरी ने कहा था कि टोक्यो को फिलहाल यह ओलिंपिक होस्ट नहीं करना चाहिए था। इस पर लोगों की मत लेनी चाहिए थी।

जापान के एक डॉक्टर ने ऑर्गेनाइजर्स को दी चेतावनी

जापान के एक मेडिकल इंस्टीट्यूट के डॉक्टर नाओतो उएयामा ने गुरुवार को IOC और ऑर्गेनाइजर्स को चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा कि 2 महीने के अंदर ओलिंपिक हुआ तो इससे जापान में कोरोना दोगुना गति से फैल सकता है। इससे हालात कितने भयावह होंगे ये बता पाना मुश्किल है।

राकुटेन के CEO ने टोक्यो ओलिंपिक को सुसाइड मिशन बतायाः कई प्रांतों ने विदेशी एथलीट को होस्ट करने से मना कर दिया है। वहीं, कई अस्पताल टूर्नामेंट के दौरान मिलने वाले कोरोना संक्रमितों के लिए बेड देने को तैयार नहीं हैं। इसके बाद टूर्नामेंट ऑर्गेनाइजर्स ने स्टाफ की संख्या में कटौती का फैसला लिया था। जापान के करोड़पति बिजनेसमैन और राकुटेन के CEO हिरोशी मिकितानी ने कहा था कि कोरोना के समय में टोक्यो ओलिंपिक कराना सुसाइड मिशन है।